A Daily News Magazine
इंदौर
मंगलवार, 27 मई, 2025

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 10 अंक 227, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

सुबह सवेरे

प्रसंगवश

क्यों नष्ट करने पड़े अमेरिका भेजे गए टनों भारतीय आम

संदीप राय

भारतीय आमों की खेप को अमेरिका ने अपने यहां पहुंचने के बाद रिजेक्ट कर दिया जिससे भारतीय आम निर्यातकों को भारी नुक़सान का सामना करना पड़ा है। निर्यातकों का कहना है कि अमेरिकी अधिकारियों ने इन आमों को वापस लेने या नष्ट करने की सूचना संबंधित एक्सपोर्टर्स को दी थी। हालांकि पेरिशेबल प्रोडक्ट (जल्द ख़राब होने वाला उत्पाद) होने और भारी परिवहन खर्च के चलते भारतीय निर्यातकों ने इसे वापस भेजने की बजाय नष्ट करने का विकल्प चुना। एक निर्यातक ने बताया कि इससे निर्यातकों को लगभग पांच लाख डॉलर यानी क़रीब 4.2 करोड़ रुपये का नुक़सान उठाना पड़ा है। हालांकि भारत के फ्रेश वेजीटेबल्स एंड फ्रूट एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन (वाफ़ा) ने कहा है कि इस घटना के बाद से आम का एक्सपोर्ट जारी है और पिछले साल से अच्छा एक्सपोर्ट होने की उम्मीद है। वाफ़ा से जुड़े एक एक्सपोर्टर ने बताया कि रिजेक्शन के बाद से हर दिन 10 से 12 हज़ार आम की पेटियों का निर्यात किया जा रहा है। आठ और नौ मई को मुंबई से आमों की एक बड़ी खेप अमेरिका भेजी गई थी। वहां पहुंचने पर फ़ूड एंड सेफ़्टी मामले देखने वाले अमेरिकी अधिकारियों ने इस खेप को रिजेक्ट कर दिया था। निर्यातकों ने बताया कि क़रीब 15 से 17 टन आमों का शिपमेंट रिजेक्ट हुआ है। उनका कहना है कि इसे नष्ट कर दिया गया क्योंकि इसे वापस लाने और फिर से वापस भेजने में उन्हें और अधिक खर्च पड़ता। आमों की ये खेप अमेरिका के लॉस एंजेलिस, सैन फ्रांसिस्को और अटलांटा हवाई अड्डों पर उतारी गई थी।

एक निर्यातक ने बताया कि मुंबई से आम निर्यात करने से पहले कीड़ों को मारने और उनकी गुणवत्ता बनाए रखने के लिए नवी मुंबई स्थित एक फ़ेसेलिटी में इररेडिएशन की प्रक्रिया की जाती है, जो अमेरिकी कृषि विभाग (यूएसडीए) के एक अधिकारियों की देखरेख में होती है। इसके लिए निर्यातकों को एक सर्टिफ़िकेट दिया जाता है। लेकिन निर्यातकों का कहना है कि अमेरिका पहुंचने पर दस्तावेज़ों में कमी का हवाला देते हुए इन आमों को वापस लेने या नष्ट करने का आदेश जारी कर दिया गया। प्रभावित निर्यातकों ने बताया कि नोटिस में कहा गया था कि 'इस शिपमेंट में आगे जो भी होगा, उसका खर्च अमेरिकी सरकार नहीं उठाएगी।'

निर्यातकों का कहना है कि यूएसडीए अधिकारी की ओर से जारी किया गया सर्टिफ़िकेट एक्सपोर्टर के पास मौजूद था। लेकिन भारत में मौजूद यूएसडीए अधिकारियों को आम के ट्रीटमेंट को लेकर कुछ संदेह हुआ इसलिए अमेरिका में उस सर्टिफ़िकेट को रद्द कर दिया गया। एक निर्यातक ने बताया, 'इररेडिएशन का जो ट्रीटमेंट होना था, वह हुआ, लेकिन अमेरिकी अधिकारियों को अमेरिका में ट्रीटमेंट के सर्टिफ़िकेट में कुछ कमी लगी। क्योंकि भारत में मौजूद यूएसडीए अधिकारी ने प्रॉपर ट्रीटमेंट को लेकर शक़ ज़ाहिर किया था।'

कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के अधिकारी पीबी सिंह ने बताया कि इररेडिएशन की प्रक्रिया मुंबई में महाराष्ट्र राज्य कृषि विपणन बोर्ड (एमएसएएमबी) और यूएसडीए के एनिमल एंड प्लांट हेल्थ इंस्पेक्शन सर्विस (एपीएचआईएस) की देखरेख में होती है। अमेरिका को होने वाले आम के निर्यात से पहले उसकी जांच के दौरान यूएसडीए की तरफ से उनके इंस्पेक्टर मौजूद रहते हैं और वही निर्यातक को सर्टिफ़िकेट जारी करते हैं। वह आम के पूरे सीज़न यानी अप्रैल से अगस्त तक मौजूद रहते हैं।

एमएसएएमबी ने इसी सप्ताह एक बयान जारी कर कहा था कि 'मसले के बारे में ज़रूरी एजेंसियों को या फैसिलिटी को पहले से ही बताने की बजाय उन्होंने (इंसपेक्टर्स ने) अमेरिका में अपने वरिष्ठ अधिकारियों से बात की, जिसके बाद आम के खेप रिजेक्ट कर दी गई।' भारत में इररेडिएशन की फैसिलिटी वाशी (नवी मुंबई), नाशिक, बेंगलुरु और अहमदाबाद में है।

एपीडा के अधिकारी के मुताबिक़, 'प्रक्रिया के दौरान क्या हुआ, एमएसएएमबी अपने स्तर पर इस बारे में देख रही है। अधिकारी जांच कर रहे हैं कि चूक कहां हुई, ताकि आगे इस तरह की कोई समस्या न पैदा हो, इसके लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं।' रिजेक्शन का सामना करने वाले एक एक्सपोर्टर ने नाम न ज़ाहिर करने की शर्त पर बताया कि 'उन्हें 10 लाख रुपये से अधिक का नुक़सान उठाना पड़ा है।' हालांकि उन्होंने कहा, 'इस घटना का ट्रेड वॉर से संबंध नहीं है और यह एक स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर है जो पेरिशेबल प्रोडक्ट समेत सभी उत्पादों पर लागू होता है।' वहीं आम निर्यातकों का कहना है कि 'भारत सरकार कई स्तरों पर निर्यातकों को मदद करने में नाकाम रही। वह कहते हैं, 'जिस तरह किसानों के लिए फसल बीमा का प्रावधान है, निर्यातकों के लिए ऐसी कोई सुविधा नहीं है। लॉजिस्टिक्स की भी भारी कमी है। सबसे बड़ी मुश्किल एयर फ्रेट पर लागू जीएसटी है। मान लीजिए अमेरिका में आम 2000 रुपये की दर से बिकता है, जिसका हवाई किराया ही 1200 बैठता है। इस किराए पर सरकार 18 प्रतिशत जीएसटी वसूल लेती है। यह रिफ़ंडेबल है लेकिन इसे वापस पाने में दो से तीन महीने लग जाते हैं। इस बारे में वित्त मंत्री से ध्यान देने की अपील की गई है।' इस बार निर्यातकों को टार्गेट तक पहुंचने में भी मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है।

महाराष्ट्र के एक मैंगो एक्सपोर्टर ने बीबीसी से कहा कि अभी महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश के आम के आने का समय है जो आम तौर पर पांच जून तक जारी रहता है। इस दौरान अलफांसो, केसर, बंगनापल्ली, लंगड़ा, दशहरी समेत 10-12 किस्म के आम निर्यात किए जाते हैं। पिछले साल की तुलना में इस बार आम की फसल उतनी अच्छी नहीं है। इसके अलावा मौसम भी ख़राब है। महाराष्ट्र में आम का सीज़न मई के अंत तक या जून के प्रथम सप्ताह तक चलता था। लेकिन लंबे समय तक ख़राब मौसम के चलते 20 मई तक आम का आना लगभग ख़त्म हो गया है और अब गुणवत्ता वाले आम मिलना मुश्किल हो गए हैं।' भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अनुसार, वित्त वर्ष 2023-24 में भारत ने 4.8 करोड़ डॉलर मूल्य के कुल 27,330 मिट्रिक टन आम का निर्यात किया था। पिछले साल आम के पूरे सीज़न में अमेरिका को 2.43 मिट्रिक टन भारतीय आम निर्यात किए गए थे जो उससे पिछले साल यानी 2022-23 के मुक़ाबले 19 प्रतिशत अधिक था। भारत और अमेरिका के बीच 2007 में एक मैंगो एक्सपोर्ट प्रोग्राम का समझौता हुआ था, जिसके तहत ही आम निर्यात से संबंधित नियम बने।

(बीबीसी हिंदी में प्रकाशित रिपोर्ट के संपादित अंश)

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

तुम्हारे शहर का मौसम
बड़ा सुहाना लगे
मैं एक शाम चुरा लूं
अगर बुरा ना लगे
तुम्हारे बस में अगर
हो तो भूल जाओ हमें
तुम्हें भूलने में शायद
मुझे ज़माना लगे
हमारे प्यार से जलने
लगी है एक दुनिया
दुआ करो के किसी
दुश्मन की बद्दुआ ना लगे
जो डूबना है तो
इतने सुकूं से डूबो
के आस पास की लहरों
को पता ना लगे
तू इस तरह से मेरे
साथ बेवफ़ाई कर
के तेरे बाद मुझे
कोई बेवफा ना लगे
तुम्हारे शहर का मौसम
बड़ा सुहाना लगे।

- कैसर उल जाफरी

चैन की जिंदगी जियो, रोटी खाओ वरना मेरी गोली तो है ही : पीएम मोदी

दाहोद में कहा-आतंकियों ने 140 करोड़ भारतीयों को चुनौती दी, हमने उनके ठिकाने मिट्टी में मिला दिए

अहमदाबाद (एजेंसी)। पीएम मोदी ने सोमवार को गुजरात के दाहोद में ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र किया। उन्होंने कहा, जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों ने 140 करोड़ भारतीयों को चुनौती दी थी। हमने भी आतंकी ठिकानों को मिट्टी में मिला दिया। मोदी ने कहा, आप बताइए... ऐसे हालात में क्या मोदी चुप बैठ सकता था। जब कोई हमारी बहनों के सिंदूर को मिटाएगा, तो उसका भी मिटना तय हो जाता है। पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए कहा चैन की जिंदगी जियो, रोटी खाओ वरना मेरी गोली तो है ही।

आतंक फैलाने वालों ने सपने में भी नहीं सोचा होगा कि मोदी से मुकाबला करना कितना मुश्किल होता है। पीएम ने कहा, साथियों जिन्हें कोई नहीं पूछता उन्हें मोदी पूछता है। आदिवासी समाज में लोग पीछे रह गए हैं। उसमें भी पीछे रहने वाले लोगों की चिंता मैं करता हूं। मैने उनके लिए भी योजना बनाई। लाखों आदिवासी भाई बहनों को इसका लाभ मिल रहा है। मैं यहां रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए काम कर रहा हूं। आमसभा से पहले मोदी ने यहां रोड शो भी किया।

पीएम मोदी दो दिवसीय गुजरात दौरे पर हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद राज्य में यह उनका पहला दौरा है। वे सोमवार सुबह सबसे पहले वडोदरा पहुंचे और रोड शो किया। मोदी ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर सैन्य कार्रवाई नहीं है। ये हम भारतीयों के संस्कारों, हमारी भावनाओं की अभिव्यक्ति है। आतंक फैलाने वालों ने सपने में भी सोचा नहीं होगा कि मोदी से मुकाबला करना कितना मुश्किल होता है। बाल-बच्चों के सामने पिता को गोली मार दी। आज भी वो तस्वीरें देखते हैं तो खून खौल जाता है। ये 140 करोड़ भारतीयों को चुनौती दी थी।

स्पेन, इटली की मेट्रो के कोच भारत में बने

मोदी ने कहा, देश की तरक्की के लिए जो कुछ भी चाहिए, वो हम भारत में ही बनाएं, ये आज के समय की मांग है। भारत आज तेज गति से मैन्युफैक्चरिंग की दुनिया में आगे बढ़ रहा है। देश की जरूरत के सामान का निर्माण हो या फिर दुनिया के अलग-अलग देशों में हमारे देश की बनी हुई चीजों का एक्सपोर्ट लगातार बढ़ रहा है। ऑस्ट्रेलिया की मेट्रो के कोच गुजरात में बने हैं। मैक्सिको, जर्मनी, स्पेन, इटली की मेट्रो के कोच भारत में बने हैं। जॉम्बिया में मेड इन इंडिया ट्रेन चल रही है। मेड इन इंडिया चीजें विदेशों में देखकर हमारा सीना गर्व से ऊंचा हो रहा है पीएम ने कहा, दाहोद में तीन साल पहले मैं इसका शिलान्यास करने आया था। लोग कहते थे कि चुनाव आया तो उद्घाटन करने आ गए, कुछ बनने वाला नही है। लेकिन, आज यहां पहला इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव इंजन बनकर तैयार हो गया है।

स्पेस स्टेशन जाने से पहले क्वारंटीन हुए शुभांशु शुक्ला

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला एक्सिओम मिशन के तहत इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन जाने से पहले क्वारंटीन में चले गए हैं। उनके साथ मिशन के अन्य तीन एस्ट्रोनॉट ने भी शनिवार को क्वारंटीन में प्रवेश किया। शुभांशु ने कहा- मुझे पूरा भरोसा है कि एक्सिओम मिशन सफल होगा। यह कमर्शियल स्पेस फ्लाइट के लिए मील का पत्थर साबित होगा। एक्सिओम स्पेस ने एक कार्यक्रम में मिशन पर जाने वाले क्रू को विदाई दी। दरअसल, अंतरिक्ष में जाने से पहले क्वारंटीन एक जरूरी फेज होता है। इसमें पूरे क्रू को आइसोलेशन में रखा जाता है, ताकि वो पूरी तरह से स्वस्थ्य रहे और मिशन के दौरान उन्हें कोई संक्रमण ना हो। एक्सिओम मिशन 4 में चार देशों के चार एस्ट्रोनॉट 8 जून को 14 दिन के लिए स्पेस स्टेशन जाने वाले हैं। नासा और इसरो के बीच हुए एग्रीमेंट के तहत ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को इस मिशन के लिए चुना गया है। शुभांशु के साथ तीन और एस्ट्रोनॉट जाएंगे एक्सिओम 4 मिशन के चालक दल में भारत, पोलैंड और हंगरी के मेंबर शामिल हैं।

कृषि विकास से ही आयेगी देश में समृद्धि, मप्र की तर्ज पर हर राज्य में हो कृषि उद्योग समागम : उप राष्ट्रपति श्री धनखड़

उपराष्ट्रपति श्री धनखड़ ने कृषि उद्योग समागम आयोजन पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव को दी बधाई

भोपाल (नप्र)। उप राष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने कहा है कि खेती-किसानी देश की अर्थव्यवस्था की नींव है। यह हमारी प्रगति का मूल आधार है। कृषि के क्षेत्र में विकास और नित नए नवाचार जरूरी हैं, इससे कृषि के विकास से ही देश में समृद्धि आएगी। देश का उदर-पोषण करने वाले अन्नदाता की खुशहाली में ही हमारे देश की खुशहाली सन्निहित है। उप राष्ट्रपति श्री धनखड़ सोमवार को नरसिंहपुर जिला मुख्यालय में कृषि उद्योग समागम-2025 के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़, राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दीप प्रज्जवलन, कन्या पूजन एवं भगवान बलराम की मूर्ति पर पुष्पांजलि अर्पित कर 26 से 28 मई तक चलने वाले तीन दिवसीय 'कृषि-उद्योग समागम 2025' का विधिवत् शुभारंभ किया। इस अवसर पर डॉ. (श्रीमती) सुदेश जगदीप धनखड़ विशेष रूप से उपस्थित थीं।

मुख्यमंत्री की पहल अनुकरणीय

उपराष्ट्रपति श्री धनखड़ ने कृषि उद्योग समागम के लिये मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को बधाई देते हुए कहा कि उनकी इस पहल का अन्य राज्यों को भी अनुसरण करना चाहिए। किसान हमारे अन्नदाता हैं। अन्नदाताओं का अभिनंदन करते हुए कहा कि किसान भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। इनकी जितनी प्रशंसा की जाए कम है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव बेहद कर्मठ और कार्यशील है। कोई ऐसा दिन नहीं रहता, जब वे गांव, गरीब और किसान की चिंता न करें।

पीएम मोदी का फैसला लौह पुरुष जैसा, ऑपरेशन सिंदूर का लोहा दुनिया ने माना

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने पहलगाम आतंकी हमले का बदला ऑपरेशन सिंदूर से लिया है। यह ऐतिहासिक घटना है। पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर भारतीय सेना ने सटीक बमबारी की और उनके ठिकाने नष्ट कर दिए। देश की सुरक्षा के मामले में प्रधानमंत्री का संकल्प एक लौहपुरूष की तरह है। भारतीय सेना के पराक्रम ने हर भारतीय का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया है। ये नया भारत है, जो 70 साल में नहीं हुआ, वो प्रधानमंत्री ने कर दिखाया।

कृषि मेलों से किसानों को मिल रहा भरपूर लाभ : राज्यपाल

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि नरसिंहपुर जिला मध्यप्रदेश की आध्यात्मिक विरासत को संजोकर रखने वाला एक प्रमुख केंद्र है। यहां मां नर्मदा के तट पर बरमान में मकर संक्रांति का सुप्रसिद्ध मेला लगता है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में कृषि मेलों और कृषि उद्योग समागमों के जरिए किसानों को भरपूर लाभ दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव किसानों के लिए हर समय उपलब्ध रहते हैं। देश के किसान कड़े परिश्रम से अन्न उगाते हैं, वहीं हमारे वैज्ञानिक भी तकनीक का उपयोग कर किसानों के लिए नए-नए संयंत्र तैयार करते हैं। दोनों की मेहनत और समन्वय से ही हमारे देश के भंडार अन्न से भरे पड़े हैं।

भारी बारिश से पानी-पानी हुई 'मुंबई' नगरिया

- अंडरग्राउंड मेट्रो स्टेशन में भरा पानी, रेलवे स्टेशन-घरों में भी पानी
- मई में बारिश का 107 साल का रिकॉर्ड टूटा, पुणे में बादल फटा

लखनऊ (एजेंसी)। मुंबई में सोमवार सुबह से तेज बारिश हो रही है। हाल ही में शुरू हुए वर्ली अंडरग्राउंड मेट्रो स्टेशन में पानी भर गया। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने 1 मई को ही इसका उद्घाटन किया था। इधर घने बादलों की वजह से विजिबिलिटी लो है। इस वजह से 8 फ्लाइट्स प्रभावित हुई हैं। सड़कों पर भी लोग गाड़ियों की लाइट ऑन करके ड्राइव कर रहे हैं। बारिश के साथ मुंबई में 70 से 80 किमी की रफ्तार से हवा चली, जिससे कई इलाकों में पेड़ गिर गए हैं। बारिश के बाद कई जगह 7-8 किमी लंबा जाम लगा हुआ है। इधर पुणे में रविवार की तेज बारिश की वजह से नदी-नाले अचानक उफान पर आ गए। पुणे-सोलापुर हाईवे पर पाटस इलाके में बादल फटने से पुणे के

बारामती और इंदापुर में बाढ़ जैसी स्थिति बन गई। बारिश के बाद यहां सड़कें पानी में डूब गईं। कई गाड़ियां 200 घरों में पानी भर गया और कई गाड़ियां बह गईं। एनडीआरएफ की 2 टीमें रेस्क्यू के लिए तैनात की गई हैं। भारतीय मौसम विभाग ने बताया, मुंबई और उपनगरीय क्षेत्रों में दिन भर हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। मुंबई के सांताक्रूज के सुपारी टैंक और नारियल वाड़ी में सबसे ज्यादा 25 मिमी, पाली हिल में 24 मिमी, विले पार्ले और अंधेरी फायर स्टेशन ने15 मिमी और 14 मिमी बारिश दर्ज की। चकल नगर निगम विद्यालय और मालवणी फायर स्टेशन में 14 मिमी और 12 मिमी बारिश हुई, जबकि वर्सोवा पंपिंग स्टेशन पर 11 मिमी बारिश रिकॉर्ड हुई।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 38 °c | न्यूनतम 30°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ मंगलवार, 27 मई 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

पादरी से मिलने पाकिस्तान पहुंची नागपुर की महिला

● ऑनलाइन हुआ प्यार, कारगिल से बॉर्डर क्रॉस किया ● गिलगित में पकड़ी गई, पाक रेंजर्स ने वापस लौटाया

अमृतसर (एजेंसी)। नागपुर की रहने वाली 43 वर्षीय सुनीता जांगड़े को पाकिस्तानी रेंजर्स ने अमृतसर के अटारी बॉर्डर पर बीएसएफ को सौंप दिया है। नागपुर की यह महिला पाकिस्तानी पादरी के प्यार में पड़कर 14 मई 2025 को कारगिल के हुंदरमन गांव से नियंत्रण रेखा पार कर आई थी।

यहां से वह गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र में पहुंच गई। जानकारी के मुताबिक, सुनीता अपने 14 वर्षीय बेटे के साथ छुट्टियां मनाने लद्दाख गई थी, इस दौरान उसके अचानक लापता होने की बात सामने आई, वह अपने बेटे को होटल में छोड़कर गई थी। जांच में पता चला कि सुनीता दो पाकिस्तानी नागरिकों से बात कर रही थी। इनमें से एक पादरी था और दूसरा जुल्फिकार नाम का युवक था। उसके फोन रिकॉर्ड, सोशल मीडिया गतिविधियों और ऐप्स से पता चला है कि वह पहले भी दो बार अटारी-वाघा बॉर्डर से पाकिस्तान जाने की कोशिश कर चुकी है, लेकिन तब सुरक्षा एजेंसियों ने उसे रोक लिया था। सूत्रों के मुताबिक, महिला ने कारगिल के जिस सीमावर्ती गांव से पाकिस्तान में प्रवेश किया।

प्रियंका गांधी बन सकती हैं यूपी कांग्रेस की 'बॉस'

● मुस्लिम चेहरा हो सकता है प्रदेश अध्यक्ष, पिछड़ों-दलितों को भी मिलेगी जिम्मेदारी

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में राजनीतिक दल धीरे-धीरे चुनावी मोड में आ रहे हैं। लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के साथ मिलकर लड़ी कांग्रेस को भी यहां से उम्मीदें नजर आ रही हैं। यहां कांग्रेस को 6 सीटें मिलीं थीं।

चर्चा जोरों पर है कि यूपी में चुनाव से पहले एक बार फिर प्रियंका गांधी को जिम्मेदारी दी जाएगी। दूसरी चर्चा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष को लेकर है। किसी मुस्लिम चेहरे को इसकी कमान दी जा सकती है। इसको लेकर दिल्ली में कांग्रेस की टॉप लीडरशिप में मंथन भी हो चुका है। सूत्रों के हवाले से खबर है कि कांग्रेस

आलाकमान प्रियंका गांधी को 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले यूपी का प्रभारी या चुनाव प्रभारी बनाने पर विचार कर रहा है। हाल ही में दिल्ली में एक बैठक हुई थी। जिसमें शुरुआती तौर पर चर्चा भी हुई। यूपी में अगर कांग्रेस मजबूत होती है, तो इसका फायदा केंद्र में मिलेगा। इससे पहले, 2019 से 2022 तक प्रियंका यूपी कांग्रेस की महासचिव और प्रभारी रह चुकी हैं। इस दौरान उन्होंने संगठन को मजबूत करने और स्थानीय नेताओं को एकजुट करने की कोशिश की। लेकिन, सीमित संसाधनों के कारण नतीजे नहीं मिले।

यूपी में हर विधानसभा में होगा मुख्यमंत्री कंपोजिट विद्यालय

सीएम योगी बोले-

हर स्कूल में शिक्षक-छात्र रेशियो बरकरार रहे, 51 हजार से ज्यादा टैबलेट्स बांटे

लखनऊ (एजेंसी)। सीएम योगी आदित्यनाथ ने बेसिक शिक्षा को समाज और राष्ट्र की आधारशिला बताते कहा कि यह बच्चों के भविष्य को संवारने का सबसे मजबूत हथियार है। सोमवार को लोकभवन सभागार में बेसिक शिक्षा परिषद के कार्यक्रम में उन्होंने 3300 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का शुभारंभ किया। सीएम योगी ने कहा कि ऑपरेशन कायाकल्प, मुख्यमंत्री कंपोजिट विद्यालय और निपुण आंकलन जैसे कार्यक्रमों के साथ उत्तर प्रदेश शिक्षा के क्षेत्र में एक नया इतिहास रच रहा है। सीएम ने प्रदेश की हर विधानसभा क्षेत्र में यूपी में मुख्यमंत्री कंपोजिट विद्यालय बनाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बेसिक शिक्षा परिषद के 139 उच्चीकृत कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों के नवनिर्मित भवनों का लोकार्पण किया। साथ ही सीएम

योगी ने 43 मुख्यमंत्री मॉडल कम्पोजिट विद्यालयों एवं 66 मुख्यमंत्री अभ्युदय कम्पोजिट विद्यालयों का शिलान्यास भी किया। इस दौरान उन्होंने ड्रेस, स्वेटर, स्कूल बैग, जूता-मोजा एवं स्टेशनरी खरीदने के लिए प्रति छात्र-छात्रा 1,200 की धनराशि बैंक खाते में ट्रांसफर किया।

राष्ट्रपति शासन के खिलाफ इंफाल में जबरदस्त प्रदर्शन

● राजभवन घेरने पहुंचा मैतेई संगठन

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में 13 फरवरी से लागू राष्ट्रपति शासन के खिलाफ इंफाल में मैतेई संगठन कोकोमी ने राजभवन का घेराव किया। बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारियों ने राजभवन में घुसने की कोशिश की, जिसके चलते सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों को एम सेक्टर गेट के पास रोक दिया। प्रदर्शनकारी मणिपुर के राज्यपाल से ग्वालथाबी की घटना के लिए माफी की मांग कर रहे थे। इस दौरान 7 प्रदर्शनकारियों को चोटें आई हैं। उन्हें रिम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इधर, मैतेई समूहों के निकाय कोकोमी का 7 सदस्यों वाला प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को दिल्ली में गृह मंत्रालय के अधिकारियों से मुलाकात करेगा। साथ ही मणिपुर की मौजूदा स्थिति और ग्वालताबी में सरकारी बस पर राज्य का नाम छिपाने को लेकर विवाद पर चर्चा करेगा। संयोजक खुरैजम अथौबा ने बताया कि मणिपुर अशांत दौर से गुजर रहा है, लोकप्रिय सरकार की जरूरत है। लोकप्रिय सरकार स्थानीय लोगों के मूल्यों और लोकाचार को समझती है। अथौबा ने इंफाल में घटना के विरोध में प्रदर्शन कर रहे निहत्थे लोगों पर सुरक्षा कर्मियों द्वारा बल के प्रयोग पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा, निहत्थे नागरिकों पर आक्रमण ठीक नहीं।

ओआईसी में भी नहीं गल पाई पाकिस्तान की 'दाल'

तीन मुस्लिम देशों ने जमकर लताड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच कूटनीतिक मोर्चे पर एक बार फिर भारत ने बड़ी जीत हासिल की है। इस बार भारत ने न केवल पाकिस्तान के भारत विरोधी प्रस्ताव को नाकाम किया, बल्कि इस्लामिक सहयोग संगठन जैसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर पाकिस्तान की छवि को और धूमिल कर दिया।

दरअसल, पाकिस्तान ने आईओसी की संसदीय संघ की बैठक में कश्मीर मुद्दे को उठाकर भारत को घेरने की कोशिश की थी, लेकिन तीन प्रमुख मुस्लिम देशों इंडोनेशिया, मिस्र और बहरीन- ने उसका यह मंसूबा नाकाम कर दिया। बैठक जकार्ता में हुई थी, जिसमें पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ प्रस्ताव रखा लेकिन इंडोनेशिया ने इसका विरोध किया और मिस्र व बहरीन ने उसका समर्थन करते हुए भारत विरोधी टिप्पणी को दस्तावेज़ में शामिल करने से मना कर दिया। यह घटना पाकिस्तान के लिए बड़ा झटका साबित हुई, क्योंकि आईओसी में 57 मुस्लिम देश शामिल हैं, जिनमें से कई अब भारत के साथ घनिष्ठ संबंध बना चुके हैं। भारत के खिलाफ पाकिस्तान की नहीं चल पाई।

पाकिस्तान की कमर तोड़ने का प्लान है तैयार

● पांच एशियाई विदेश मंत्री जल्द आ सकते हैं भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने पाकिस्तान की कमर तोड़ने का प्लान तैयार कर लिया है। पाकिस्तान पहले से ही आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। वहीं चाबहार बंदरगाह के जरिए भारत पाकिस्तान को अलग-थलग कर देना चाहता है। हाल के दिनों में पाकिसतान और तालिबान के बीच संबंध खराब हुए हैं। भारत चाहता है कि पाकिस्तानी बंदरगाहों पर निर्भरता कम हो जाए। वहीं ईरान चाहता है कि इस बंदरगाह के जरिए वह भारत के नेतृत्व वाले अंतरराष्ट्रीय उत्तर दक्षिण परिवहन गलियारे में शामिल हो जाए। अगले महीने सेंट्रल एशिया के पांच विदेश मंत्री भारत आ सकते हैं। उस दौरान भारत पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद, सीमापार आतंकवाद और पाकिस्तान पर व्यापार की निर्भरता को कम करने का मुद्दा उठा सकता है।

अफगानिस्तान और पाकिस्तान के आसपास सेंट्रल एशिया आतंकवाद का शिकार लंबे समय से रहा है। अफगानिस्तान में भी सीमापार आतंकवाद की समस्या बढ़ रही है। जून में होने वाली विदेश मंत्रियों की यह बैठक पहले 2022 में ही गणतंत्र दिवस के मौके पर होनी थी।

पेयजल संकट को लेकर कांग्रेसियों ने किया प्रदर्शन

नगरपालिका के सामने फोड़े मटके, नपाध्यक्ष-सीएमओ के खिलाफ की नारेबाजी

बैतूल। पेयजल संकट को लेकर कांग्रेसी पार्षद और कार्यकर्ताओं ने नगरपालिका के सामने मटके फोड़कर विरोध जताया। उन्होंने नपाध्यक्ष पार्वती बारस्कर, सीएमओ सतीश मटसेनिया के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कांग्रेसियों ने नपा कार्यालय के सामने धरना भी दिया। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर दो दिन में व्यवस्था नहीं सुधरी, तो वे बड़ा आंदोलन करेंगे। कांग्रेस जिलाध्यक्ष हेमंत वागद्रे ने बताया कि ताप्ती नदी में पर्याप्त पानी है और शहर के अलग अलग वार्डों में ट्यूबवेल भी है। इसके बावजूद नगरपालिका नियमित जलापूर्ति नहीं कर पा रही है। मई माह में सबसे ज्यादा पानी की दिक्कत उठानी पड़ी है। कई वार्डों में तो पांच-पांच दिन पेयजल आपूर्ति नहीं की गई। नपा प्रशासन कृत्रिम जल संकट पैदा कर रहा है ताकि टैंकरों से जलापूर्ति की जा सके। नपा में नेता प्रतिपक्ष राजकुमार दीवान ने कहा कि नपा प्रशासन ने जल कर तो बढ़ा दिया है लेकिन जल आपूर्ति अनियमित है। लोगों को न तो पर्याप्त पानी मिल रहा है और न समय पर आपूर्ति हो रही है। कांग्रेसियों ने मांग की है कि सभी वार्ड में नियमित रूप से पानी की सप्लाई दी जाए। अभी वार्डों में पांच दिन में एक दिन नल आ रहा है। दो मोटर अतिरिक्त रूप से नगरपालिका में रखना चाहिए। ताप्ती बैराज से पानी सप्लाई हेतु एक अतिरिक्त मोटर रखी जाए। नल कनेक्शन के लिए बढ़ाई गई राशि, पुराने दर पर की जावे। जल विभाग में स्थाई बाबू नहीं होने के कारण समस्या आ रही है, जल्द से जल्द स्थायी बाबू रखा जाए। पूरा गर्मी का माह बिताने के बावजूद मच्छर भगाने की मशीन का उपयोग वार्ड में नहीं किया गया। वार्डों में मच्छर भगाने के लिए फागिंग मशीन से धुंआ किया जाये। इस संबंध में सीएमओ सतीश मटसेनिया ने बताया कि पेयजल संकट जैसे हालात नहीं है। बैराज में मोटरों के खराब होने और बिजली आपूर्ति ठीक न रहने के कारण पेयजल आपूर्ति में दिक्कत पैदा हुई, जिसे ठीक भी कर लिया गया है।

कोरोना की वापसी! गहरा सकता है 'संकट'

● दिल्ली में 100 पार, केरल में सबसे अधिक ● देश भर में 1000 से ज्यादा ऐक्टिव केस हुए

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में एक बार फिर कोविड-19 संक्रमण के मामलों में धीरे-धीरे बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। स्वास्थ्य मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के अनुसार, पिछले एक सप्ताह में भारत में कोविड-19 के कुल 750 नए मामले सामने आए हैं, जिनमें से सबसे अधिक संक्रमण केरल में 400 और दिल्ली 100 से अधिक केस रिपोर्ट किए गए हैं। देशभर में 1000 से अधिक एक्टिव केस हो गए हैं। देश के अधिकांश हिस्सों में कोरोना केसों की रफ्तार से लोगों में हड़कंप जरूर है, लेकिन स्वास्थ्य मंत्रालय ने जनता से घबराने की बजाय सावधानी बरतने की अपील की है। अधिकारियों के मुताबिक, फिलहाल संक्रमण की दर कम है और अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता बहुत सीमित है। बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और पहले से बीमार लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। केरल में बीते 24 घंटों में 335 नए केस सामने आए हैं, जिससे वहां सक्रिय मामलों की संख्या बढ़कर 430 हो गई है।

महाराष्ट्र में 153 नए संक्रमण मिले हैं और वहां अब 209 सक्रिय केस हैं। वहीं दिल्ली में 99 नए मरीजों के साथ कुल

ऐक्टिव केस 104 हो गए हैं। इनके अलावा गुजरात में 83, कर्नाटक में 47, उत्तर प्रदेश में 15 और पश्चिम बंगाल में 12 सक्रिय केस दर्ज किए गए हैं। बिहार में सोमवार को एम्स पटना के एक डॉक्टर और एक 31 साल के व्यक्ति में संक्रमण की पुष्टि हुई। यह कोरोना की मौजूदा लहर में राज्य का पहला मामला है। पिछले एक सप्ताह में कोविड-19 के 752 नए मामले सामने आए हैं। देश में कुल मामलों की संख्या 1,009 हो गई है। पिछले एक सप्ताह में केरल, महाराष्ट्र और दिल्ली में सबसे ज्यादा नए मामले सामने आए हैं। केरल में 335 नए मामले सामने आए हैं, जिसके साथ ही कुल ऐक्टिव मामले 430 हो गए हैं। महाराष्ट्र में 153 और दिल्ली में 99 नए मामले सामने आए हैं। दिल्ली में इस वक्त कुल 104 ऐक्टिव मामले हैं। इन शहरों के बाद गुजरात में 83 मामले दर्ज किए गए हैं। कर्नाटक में 47, उत्तर प्रदेश में 15 मामले दर्ज किए गए हैं। देश में कोविड के नए मामलों में अब तक 7 मौतें देश में कोरोना के बढ़ते नए मामलों के बीच अब तक 7 लोगों की मौत भी हुई है। कलवा अस्पताल में इलाज करा रहे 21 साल के कोविड मरीज की मौत हो गई।

पाकिस्तान को खुफिया जानकारी भेजी, सीआरपीएफ जवान गिरफ्तार

● एनआईए बोला-आरोपी को पाकिस्तानी अधिकारियों से डिटेल के बदले पैसे मिले

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने दिल्ली से सीआरपीएफ के जवान मोती राम जाट को गिरफ्तार किया है। उस पर पाकिस्तान के खुफिया अधिकारियों को भारत की संवेदनशील जानकारी साझा करने का आरोप है। एनआईए के मुताबिक, 2023 से पाकिस्तान खुफिया

अधिकारियों के साथ राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी डिटेल शेयर कर रहा था। मोती राम को अलग-अलग तरीकों से पैसे भी मिल रहे थे। मोती राम को पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे 6 जून तक की कस्टडी में भेजा गया है। एनआईए उससे पूछताछ कर रही है। 24 मई को गुजरात एटीएस ने कच्छ से एक शख्स सहदेव सिंह गोहिल को गिरफ्तार किया था। गोहिल सेना की मौजूदा आर्मी यूनिट्स की फोटो-वीडियो वॉट्सएप के जरिए पाकिस्तानी एजेंट को भेजा करता था।

पाकिस्तानी सैलरी पर थीं गोगोई की ब्रिटिश पत्नी

● असम सीएम बोले-सीनियर कांग्रेस नेता ने किया है कबूल ● कहा-अगर यह सच तो राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा शर्मा ने सोमवार को कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई की विदेशी पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न के पाकिस्तानी कनेक्शन को लेकर फिर सवाल किया। उन्होंने एक्स पर ट्वीट किया, जिसमें सीनियर कांग्रेस नेता रिपुन बोरा के हवाले से बताया कि सांसद गौरव गोगोई की पत्नी पाकिस्तान सरकार से सैलरी ले रही थीं। हिमंता ने पोस्ट में लिखा- कल एक सीनियर कांग्रेस नेता रिपुन बोरा ने चौंकाने वाला कबूलनामा किया। बोरा ने माना कि कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई की ब्रिटिश पत्नी पाकिस्तान सरकार के पेरोल पर थी। अगर यह सच है तो यह देश की राष्ट्रीय सुरक्षा पर गंभीर सवाल उठाता है। देश के मुख्य विपक्षी दल के नेता की पत्नी और दुश्मन देश के बीच इस तरह के सीधे संबंध देश की एकता और सुरक्षा के लिए बहुत बड़ा खतरा है। हम पहले इस चौंकाने वाले तथ्यों के बारे में नहीं जानते थे अब जब यह बात सामने आई है तो इसकी गंभीरता से जांच होनी चाहिए।

भारत के लिए 'चिकन नेक' बना अभेद्य किला

● चीन के दम पर उछलना भूल जाएंगे मोहम्मद यूनुस

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-पाकिस्तान जंग के बाद देश की पूर्वी सीमाओं की सुरक्षा को देखते हुए भारत ने एक बड़ा कदम उठाया है। उसने अपनी सबसे आधुनिक एस-400 ट्रायंफ मिसाइल सिस्टम और राफेल जैसे फाइटर्स को सिलीगुड़ी कॉरिडोर में तैनात किया है। यह कॉरिडोर पश्चिम बंगाल में है, जो भारत के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है। सिलीगुड़ी कॉरिडोर एक पतला सा रास्ता है। यह सिर्फ 20-22 किलोमीटर चौड़ा है, जिसे 'चिकन नेक' भी कहा जाता है। यह भारत के मुख्य भूभाग को उत्तर-पूर्वी राज्यों से

जोड़ता है। उत्तर-पूर्वी राज्य प्राकृतिक संसाधनों से भरे हुए हैं। ऐसे में यह कॉरिडोर भारत के लिए बहुत जरूरी है। डिफेंस सिक्योरिटी एशिया पर छपी एक रिपोर्ट के अनुसार, एस-400 मिसाइल सिस्टम बहुत ही शक्तिशाली है। यह एक साथ कई हवाई लक्ष्यों को मार सकता है। इसकी रेंज 400 किलोमीटर से भी ज्यादा है। भारत ने इसे चीन और बांग्लादेश की बढ़ती हवाई गतिविधियों को देखते हुए तैनात किया है।

● चीन के साथ नजदीकी बढ़ा रहे यूनुस पर भी शिकंजा- सिलीगुड़ी कॉरिडोर हमेशा से भारत के लिए एक चिंता का विषय रहा है। डोकलाम के बाद से ही भारतीय सेना ने तेजी से कार्रवाई करने, हर तरह से मुकाबला करने और कॉरिडोर के आसपास हमेशा तैयार रहने पर ध्यान दे रही है। भारत ने यह कदम ऐसे समय में उठाया है जब बांग्लादेश में राजनीतिक बदलाव हो रहे हैं। मोहम्मद यूनुस की सरकार चीन के साथ नजदीकियां बढ़ा रही है। पहले बांग्लादेश की सरकार भारत के साथ अच्छे संबंध रखती थी। लेकिन अब यूनुस की सरकार चीन और पाकिस्तान के साथ दोस्ती कर रही है। भारत इन दोनों देशों को अपना दुश्मन मानता है।

इजराइल का गाजा के स्कूल पर हमला, 30 लोगों की मौत

● शरणार्थी कैंप बनाया गया था, स्पेन ने प्रतिबंध लगाने की मांग की

तेल अवीव (एजेंसी)। इजराइल ने रविवार देर रात गाजा में कई जगहों पर हमले किए। इन हमलों में एक स्कूल को भी निशाना बनाया, जिसमें 30 लोगों की मौत हो गई है। स्कूल में आग लगने से लोग जिंदा जल गए। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक यह एक किंडरगार्टन स्कूल था, जिसे शरणार्थी शिविर को तौर पर इस्तेमाल किया जा रहा था। मरने

वालों में रेड क्रॉस के दो कार्यकर्ता, एक पत्रकार और कई बच्चे शामिल हैं। रिपोर्ट के मुताबिक इजराइल के हमले में सोमवार को गाजा में अब तक 50 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। दूसरी तरफ स्पेन ने दुनिया भर के देशों से इजराइल पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। गाजा पर 23 मई को हुए इजराइली हमले में खान यूनिस की एक महिला डॉक्टर अल-नज्जर के 9 बच्चों की मौत हो गई, जबकि एक बच्चा गंभीर रूप से घायल है।

नीट-यूजी मामले में 29 को फिर सुनवाई

सॉलिसिटर जनरल मेहता के समय मांगने पर इंदौर हाईकोर्ट ने बढ़ाई सुनवाई की तारीख

इंदौर (एजेंसी)। नीट यूजी रिजल्ट मामले में 26 मई को हाई कोर्ट में सुनवाई हुई है। इससे पहले गुरुवार 22 मई को हुई सुनवाई में एनटीए की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता वर्चुअल उपस्थित हुए थे। उन्होंने कहा था कि इंदौर से जुड़े 24 सेंटरों के प्रभावित स्टूडेंट्स के लिए एक कमेटी गठित की जाए। सोमवार को हुई सुनवाई के दौरान छात्रों के वकील मृदुल भटनागर ने बताया कि इंदौर-उज्जैन से 60 से ज्यादा याचिकाओं दाखिल हो चुकी है। इस पर एनटीए की ओर से 26 मई को सोमवार को रिप्लाई आ चुका है। हमने इस पर रिजॉइंडर भी पेश कर दिया था। हमें उम्मीद थी कि इस पर आज फाइनल ऑर्ग्यूमेंट हो जाएंगे। भटनागर ने आगे बताया कि सोमवार को सुनवाई से पहले एनटीए ने जांच समिति बनाने का कहा था, एक रिपोर्ट भी दी थी। कोर्ट में 3.30 बजे सुनवाई होना तय हुआ था। लेकिन इससे पहले ही एनटीए की ओर से भारत के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता 2.30 बजे वर्चुअल अपीयर हुए और हाईकोर्ट से समय मांगा। इस पर हाई कोर्ट ने सुनवाई के लिए अगली तारीख 29 मई गुरुवार को तय की है। बता दें कि नीट यूजी का रिजल्ट 14 जून को आना संभावित है। पहले एनटीए ने पहले जवाब पेश किए जवाब में कहा था कि इंदौर के 24 सेंटर पर परीक्षा प्रभावित हुई है। लेकिन सोमवार को पेश किए जवाब में कहा कि इंदौर के 18 और उज्जैन के 6 सेंटर पर परीक्षा प्रभावित हुई थी। इन सेंटर पर 2 हजार से ज्यादा बच्चे प्रभावित

हैं। नीट यूजी परीक्षा में इंदौर के इस बार 27 हजार स्टूडेंट्स शामिल हुए थे। इसके लिए इंदौर में 49 सेंटर बनाए गए थे।

इंदौर-उज्जैन की करीब 60 याचिकाएं हुई

याचिकाकर्ताओं के एडवोकेट मृदुल भटनागर ने बताया कि नीट यूजी मामले में इंदौर-उज्जैन की करीब 60 याचिकाएं हो गई है। इंदौर में दो घंटे तक लाइट गुल रही थी। जबकि उज्जैन में 40 से 45 मिनट तक बिजली बाधित हुई थी। हमने हाई कोर्ट से मांग की है कि इन सेंटर में से जो बच्चे चाहें उन्हें दोबारा मौका दिया जाए। जिससे छात्रों को सही मौका मिल पाए और वे अपनी क्षमता का परिचय दे सकें।

पिछली सुनवाई में एनटीए ने पेश किया था जवाब

पिछली सुनवाई में एनटीए ने जवाब में बताया था कि हमने बहुत शांतिपूर्ण वातावरण और बिना किसी असुविधा के एग्जाम कराया था। साथ ही यह माना कि एग्जाम के दौरान कई सेंटर पर 10 मिनट से एक घंटे तक लाइट नहीं थी। वहां हमने कैंडल और जनरेटर के माध्यम से लाइट की व्यवस्था की थी। चूंकि समर सीजन में परीक्षा आयोजित हुई थी। पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था थी इसलिए कोई असुविधा नहीं हुई जबकि याचिकाकर्ताओं के एडवोकेट भटनागर का कहना है कि ऐसे करीब 25 सेंटर ऐसे हैं जहां पर बच्चों के एग्जाम प्रभावित हुआ है।

तब एनटीए की यह थी दलील

मामले में 16 मई को हुई सुनवाई में एनटीए की ओर से जवाब देने के लिए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश हुए थे। उन्होंने हाईकोर्ट के समक्ष एनटीए का पक्ष रखते हुए कहा था कि यदि पूरा रिजल्ट रोका गया तो सैकड़ों छात्र प्रभावित होंगे। एनटीए ने अपने जवाब में कहा था कि बिजली गुल होने से प्रभावित 11 सेंटर की रिपोर्ट पर 2 दिन में जवाब पेश कर देंगे। तब हाईकोर्ट ने एनटीए, बिजली कंपनी और परीक्षा केंद्र को नोटिस जारी किए थे। इन सभी को 30 जून तक जवाब पेश करना होगा।

एनटीए की ओर से जवाब देते हुए मेहता ने कहा था कि हमने बहुत ही अच्छे और शांतिपूर्ण ढंग से परीक्षा का आयोजन किया है। इस पर सवाल उठाते हुए याचिकाकर्ताओं के वकील मृदुल भटनागर ने कहा था कि ये परीक्षा साधारण परीक्षा नहीं है, इसमें अनकट पावर सप्लाई देना थी, उसमें ये फेल हुए हैं। एनटीए ने अपने जवाब में ये बात मानी भी है कि कई सेंटर पर 10 मिनट से 1 घंटे 10 मिनट तक बिजली आपूर्ति बाधित रही है। एनटी ने यह भी कहा कि हम एक कमेटी बनाकर ये निर्णय लेंगे कि हमें दोबारा परीक्षा कराना है या नहीं कराना है। आगे की पूरी प्रक्रिया कमेटी तय करेगी। इसके लिए एनटीए ने 26 मई तक का समय मांगा था।

पिछली सुनवाई में हाई कोर्ट ने रोक लगाई थी- इसके पूर्व पिछली सुनवाई 16 मई को एनटीए ने हाई कोर्ट में जवाब पेश किया था। कोर्ट ने 15 मई को नीट यूजी के रिजल्ट पर रोक लगा दी थी। मामले में 24 से ज्यादा सेंटरों से जुड़े स्टूडेंट्स प्रभावित हुए हैं, इनकी मांग है कि रिएग्जाम कराई जाए। उज्जैन में भी ऐसी स्थिति बनी थी। वहां के भी 5 से ज्यादा स्टूडेंट्स हैं। सभी स्टूडेंट्स ने काफी मेहनत की है।

इंदौर में अवैध कॉलोनियों में प्लॉटों की रजिस्ट्री होगी शून्य

कलेक्टर ने कहा- कॉलोनाइजरों को प्लॉट धारकों को राशि भी वापस करना होगी

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में अवैध कॉलोनियों में की गई प्लॉटों की रजिस्ट्री को शून्य कराया जाएगा। कॉलोनाइजरों को प्लॉट धारकों को राशि भी वापस करना होगी। इसके लिए कॉलोनी सेल को प्रक्रिया प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर आशीष सिंह ने सोमवार को समय-सीमा (टीएल) की बैठक में यह निर्णय लिया। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि अवैध कॉलोनियों से अनियोजित विकास होता है। अवैध कॉलोनियां शहर के लिए घातक है। इंदौर में अभियान चलाकर अवैध कॉलोनाइजरों के विरुद्ध अनेक तरह की कार्रवाई की जा रही है।

बड़ी संख्या में एफआईआर भी दर्ज कराई है। अब इंदौर में अवैध कॉलोनियों में बेचे गए प्लॉटों की रजिस्ट्री को शून्य करने की कार्यवाही प्रारंभ की जा रही है। कॉलोनाइजरों को प्लॉट धारकों को राशि भी वापस करना होगी। कॉलोनी सेल को निर्देशित किया है कि वे जिन कॉलोनियों के संबंध में एफआईआर दर्ज कराई गई है, प्रकरण कोर्ट में चल रहे हैं, कॉलोनी अवैध घोषित की गई है, उन मामलों में रजिस्ट्री शून्य करने की प्रक्रिया प्रारंभ की जाए।

भस्म आरती दर्शन

भगवान महाकाल का पंचामृत पूजन कर आभूषण और पुष्प से दिव्य श्रृंगार

उज्जैन (एजेंसी)। सोमवार तड़के, चार बजे मंदिर के पट खुलते ही पुजारी ने गर्भगृह में स्थापित सभी भगवान की

प्रतिमाओं का पूजन किया। इसके पश्चात भगवान महाकाल का जलाभिषेक और दूध, दही, घी, शक्कर, फलों के रस से बने पंचामृत पूजन किया गया। जटाधारी भगवान महाकाल का पंचामृत पूजन कर उन्हें आभूषण और पुष्प से दिव्य श्रृंगार किया गया। इससे पहले, प्रथम घंटाल बजाकर मंदिर में प्रवेश करते हुए भगवान का ध्यान कर मंत्रोच्चारण के साथ हरिओम का जल अर्पित किया गया कपूर आरती के बाद भगवान के मस्तक पर भांग, चंदन और त्रिपुंड अर्पित कर श्रृंगार किया गया। श्रृंगार पूरा होने के बाद ज्योतिर्लिंग को कपड़े से ढांककर भस्म रमाई गई। भस्म अर्पित करने के पश्चात शेषनाग का रजत मुकुट, रजत की मुण्डमाल और रुद्राक्ष की माला के साथ-साथ सुगंधित पुष्पों की माला अर्पित की गई। मोगरे और गुलाब के सुगंधित पुष्प भगवान महाकाल ने धारण किए। फल और मिष्ठान का भोग अर्पित किया गया। भस्म आरती में बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल का आशीर्वाद लिया। महा निर्वाणी अखाड़े की ओर से भगवान महाकाल को भस्म अर्पित की गई। मान्यता है कि भस्म अर्पित करने के बाद भगवान निराकार से साकार रूप में दर्शन देते हैं।

महिला वकील का आईफोन लूटा

बाइक सवार बदमाश ने की वारदात, पुलिस संदिग्ध की तलाश में जुटी

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के तिलक नगर में रविवार को एक महिला वकील के साथ हुई लूट के मामले में पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। अब पुलिस महिला वकील के बताए हुलिए के आधार पर संदिग्ध बाइक सवार की जानकारी निकाल रही है। पुलिस को इस मामले में कुछ फुटेज भी मिले हैं। तिलक नगर पुलिस ने बताया कि श्रीमंगल नगर निवासी लता सांवले हाईकोर्ट में वकील हैं। वह मोबाइल पर बात करते हुए रात करीब 9 बजे सुपर मार्केट स्कीम नंबर 140 के पास पहुंचीं, वहां एक बाइक सवार बदमाश था, जिसने झपट्टा मारकर महिला वकील का मोबाइल छीना और मौके से भाग गया। लता ने आरोपी को पकड़ने के लिए मदद भी मांगी थी। उन्होंने पुलिस को बाइक और आरोपी के पहनावे को लेकर जानकारी दी है। जिस आधार पर पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

नौतपा-तापमान लुढ़ककर 33 डिग्री पर

दिनभर उमस ने किया परेशान; सुबह से छाए थे बादल, बारिश के आसार

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में इस बार नौतपा उसके मिजाज के लिहाज से, काफी कमजोर रहा। भीषण गर्मी और गर्म हवाओं की लपटों के बजाय दिन का तापमान काफी कम रहा। पिछले 24 घंटों में दिन का तापमान 1 डिग्री गिरकर 33.8 डिग्री सेल्सियस (-7) पर आ गया। यह तापमान औसत से 7 डिग्री कम है। पिछले साल 25 मई को तापमान 44 डिग्री था, जिससे लोग बेहाल हो गए थे। बहरहाल, रविवार को भीषण गर्मी की बजाय उमस ने दिनभर लोगों को काफी परेशान किया। आज सुबह से बादल छाए हुए हैं और बारिश के आसार बने हुए हैं। इंदौर में 4 मई को आई तेज आंधी और जोरदार बारिश के बाद से तापमान सामान्य से भी कम बना हुआ है। इस मई में सबसे कम तापमान 6 मई को 32.4 डिग्री सेल्सियस (-8) दर्ज किया गया था, जो सामान्य से 8 डिग्री कम था। रविवार को सुबह से ही बादल छाए हुए थे। करीब 11 बजे हल्की धूप निकली, लेकिन उसके बाद फिर से बादल छा गए और शाम तक मौसम ऐसा ही बना रहा।

रेप के आरोपी कोच को थप्पड़ मारे, बेल्ट से पीटा

इंदौर में मोहसिन की पिटाई का वीडियो, कोड में सेव कर रखे थे लड़कियों के नंबर

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में शूटिंग एकेडमी चलाने वाले रेप और छेड़छाड़ के आरोपी कोच मोहसिन खान को लेकर लगातार खुलासे हो रहे हैं। उसके मोबाइल में मिले अश्लील फोटो-वीडियो की जांच की जा रही है। हालांकि, मोहसिन का मोबाइल पुलिस से पहले ही पीड़िताओं के रिश्तेदार और हिंदूवादी संगठन के लोगों के हाथ लग गया था। जिसमें उन्होंने वीडियो देखकर उसकी पिटाई कर दी थी। दरअसल, पीड़िताओं का वीडियो वायरल हो रहा था। जिसके आधार पर हिंदूवादी संगठन के लोग और पीड़ित महिलाओं के रिश्तेदारों ने मोहसिन की पहचान कर ली। वे उसकी एकेडमी पर पहुंचे, पता लगा कि वह अब वहां नहीं आता है। काफी तलाशने के बाद उन्होंने बुधवार को उसे ढूंढ निकाला और उसका मोबाइल चेक किया। मोबाइल में 100 से ज्यादा युवतियों के नंबर सेव मिले। इनमें से कुछ युवतियों से वह नियमित रूप से वॉट्सऐप पर अश्लील चैटिंग करता था। इनमें कुछ शादीशुदा भी हैं।

हर युवती का अलग कोड नंबर, अश्लील वीडियो मांगता था- इंदौर के अन्नपूर्णा इलाके में सिल्वर ओक्स कॉलोनी में ड्रीम ओलिंपिक एकेडमी शूटिंग के कोच मोहसिन खान के मोबाइल में 100 से ज्यादा लेडीज के नंबर मिले हैं। वह सभी से अश्लील चैटिंग करता था। उसने सभी युवतियों को अलग-अलग कोड दे रखे थे। इनके नाम उसी कोड से सेव किए हुए मिले हैं। उसके मोबाइल में पीड़िताओं से अश्लील चैट मिले हैं। वह दबाव बनाकर छात्राओं को अश्लील फोटो-वीडियो भेजने को कहना था।

नाबालिग ने लगाया बंधक बनाने का आरोप- मामले में एक हिंदू नाबालिग लड़की भी सामने आई है। वह हिंदूवादी संगठन के पास पहुंची थी।

लसूड़िया पुलिस ने आईपीएल सट्टा रैकेट पकड़ा

6 आरोपी गिरफ्तार, 35 मोबाइल और 6 टैबलेट मिले, रेडी अन्ना एप पर लगवा रहे थे हार-जीत का दांव

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर की लसूड़िया पुलिस ने आईपीएल सट्टे के बड़े रैकेट का खुलासा करते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ये सभी आरोपी एक फ्लैट में बैठकर ऑनलाइन सट्टा संचालित कर रहे थे। पुलिस को इसकी जानकारी मुखबिरों से मिली। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। छापेमारी के दौरान पुलिस ने आरोपियों के पास से 35 मोबाइल फोन, 6 टैबलेट और लाखों रुपए का हिसाब-किताब बरामद किया है। पुलिस टीम का नेतृत्व कर रहे एसआई संजय विश्नोई ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों में अर्पित पुत्र वीरेंद्र कुमार केशवानी निवासी लालगढ़ा स्कूल जबलपुर, राहुल पुत्र दिनेश रजक जबलपुर, शुभम पुत्र नीलकमल जैसवाल राजीवनगर चेरीताल, अनिकेत पुत्र राजेश कुमार पटेल जबलपुर, अजय पुत्र मुन्नालाल जैसवाल देवतालाब मऊगंज और अमित पुत्र लालजी गौतम रिजेंसी बिल्डिंग लसूड़िया शामिल हैं।

कर्नाटक के एप से चल रहा था सट्टा

जांच में खुलासा हुआ है कि आरोपी कर्नाटक की सट्टा एप 'रेडी अन्ना' के जरिए ऑनलाइन सट्टा चला रहे थे। एप के माध्यम से वे कस्टमर्स की हार-जीत की बुकिंग कर रहे थे। पुलिस कार्रवाई की भनक लगते ही आरोपियों ने अपनी आईडी ब्लॉक कर दी थी। पुलिस ने यह भी पाया कि आरोपी जिन मोबाइल सिम का उपयोग कर रहे थे, वे सभी फर्जी नाम से जारी कराई गई थीं। पुलिस को इनके पास से 'अकाउंट' की जानकारियां भी मिली हैं, जो सट्टे में लेन-देन से जुड़े हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी अमित ने ही अन्य सभी आरोपियों को सट्टा रैकेट में शामिल किया था। पुलिस अब उससे गहराई से पूछताछ कर रही है। लसूड़िया पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इस रैकेट से और कितने लोग जुड़े हुए हैं।

इंदौर में खंडवा रोड पर हादसा, 5 गाड़ियां टकराई

पिकअप को बचाने में ट्रक की चपेट में आई, 6 लोगों के घायल होने की सूचना

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में खंडवा रोड स्थित मील तिराहे पर 5 गाड़ियां टकरा गई। यहां एक ट्रक के सामने अचानक पिकअप गाड़ी आ गई, जिसे बचाने में वह असंतुलित हो गया। कार और पिकअप को

टक्कर मारते हुए असंतुलित ट्रक सीधे बस में जा घुसा। इसी दौरान पीछे से आ रही एक ट्रैवलर भी बस में टकरा गई। हादसे में 6 लोगों के घायल होने की सूचना है। एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। जबकि 2 मामूली घायलों को प्रारंभिक उपचार के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया।घटना के बाद रोड पर जाम लग गया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला। ग्रामीण एएसपी रूपेश द्विवेदी ने बताया-हादसे में घायलों को तेजाजी नगर के समीप एक प्राइवेट अस्पताल ले जाया गया है। 3 गाड़ियों को ज्यादा नुकसान पहुंचा है। खंडवा रोड पर एक पिकअप गाड़ी गलत तरीके से इंदौर की तरफ जा रही थी। उसे बचाने में ट्रक का संतुलन बिगड़ गया। जिसके बाद असंतुलित ट्रक ने अन्य गाड़ियों को चपेट में ले लिया।

रैनसमवेयर अटैक की जांच में लगी क्राइम ब्रांच की टीम

एडिशनल डीसीपी बोले- फाइल में हाइड कर लेता है, डिटेक्शन करना मुश्किल

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के बाणगंगा पुलिस ने एक कंपनी के जीएम की शिकायत पर मामला दर्ज किया। इस मामले में क्राइम ब्रांच की टीम भी जांच कर रही है। बता दें कि ये मामला रैनसमवेयर अटैक का है। इस अटैक में आपका डेटा लॉक हो जाता है और आप इसका इस्तेमाल नहीं कर पाते हैं। इसके डिटेक्ट करना भी मुश्किल होता है। ऐसी स्थिति में हैकर आपसे पैसों की डिमांड करता है। बाणगंगा थाना क्षेत्र में स्थित एक कंपनी के जीएम ने मामला दर्ज कराया है। 22 मई को जब वे अपनी कंपनी पहुंचे तो कंपनी के आईटी विभाग के इंचार्ज अधिकारी ने बताया कि उनकी कंपनी का कोई भी सिस्टम चल नहीं रहा है। पूरा सिस्टम लॉक हो गया है। ऐसा लग रहा है कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने कंपनी का मेन सर्वर हैक कर लिया है। मेन सर्वर की स्क्रीन पर इंग्लिश में मैसेज लिया था कि आपका डेटा चोरी हो गया है, यदि आपके द्वारा रैनसम पे नहीं किया तो मेरे द्वारा आपका डेटा पब्लिश कर दिया जाएगा।

समय-समय पर बदल लेता है कोड, डिटेक्शन टफ होता है

क्राइम ब्रांच इंदौर एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने बताया कि कंपनी के जीएम की शिकायत पर केस दर्ज किया गया है। मेन सर्वर को हैक कर रैनसम पे की डिमांड की जा रही है। ये बेसिकली रैनसमवेयर अटैक है, जो काफी खतरनाक अटैक होता है। जब आपके सिक्योरिटी प्रोटोकॉल पूरी तरह से सेफ नहीं होते है तो ऐसी स्थिति में ये अटैक होता है। यह अपने आपको फाइल में हाइड कर लेता है और मेमोरी में रहता है। इसलिए इसको डिटेक्ट करना मुश्किल होता है।

समय-समय पर ये तत्काल अपना कोड बदल लेता है। ऐसी स्थिति में डिटेक्शन काफी टफ हो जाता है। यह एक तरह का वायरस होता है। ये आपके सिस्टम को उसके पूरे डेटा को लॉक कर देता है और उसे अपने कंट्रोल में ले लेता है। संबंधित कंपनी का कंट्रोल उससे खत्म हो जाता है। डेटा अनलॉक करने के लिए ये रैनसम मांगते है। इस मामले में जांच की जा रही है कि किस माध्यम से मेन सर्वर को रैक किया गया है। बाणगंगा पुलिस से जानकारी मांगी है, क्राइम ब्रांच की टीम इसमें लगी है।

कंपनी भी कर रही अपनी कोशिश

इधर, जिस कंपनी का मेन सर्वर हैक हुआ है। उस कंपनी के अधिकारी भी इसमें अपने प्रयास कर आगे की प्रोसेस कर रहे हैं, ताकि इस स्थिति से बाहर निकल सके। संभवतः सोमवार को कंपनी के अधिकारी इसमें आगे की प्रोसेस करेंगे।

डेढ़ साल बाद थाने पहुंची 'मरी हुई महिला'

बोली-मैं जिंदा हूं... कोर्ट ने हत्या और बलात्कार के आरोप में बंद 5 आरोपियों को छोड़ा

इंदौर (एजेंसी)। झाबुआ जिले के थांदला में एक महिला की हत्या के आरोप में पुलिस ने पांच युवकों को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। सभी आरोपी डेढ़ साल से सलाखों के पीछे थे। पुलिस ने चार्जशीट भी फाइल कर दी थी और केस की सुनवाई अंतिम दौर में पहुंच गई थी। लेकिन इसी बीच वही महिला थाने पहुंच गई, जिसकी हत्या बताई जा रही थी। उसने कहा, मैं जिंदा हूं और मजदूरी कर रही थी। महिला का डीएनए कराया गया, जिससे यह साफ हो गया कि उसकी हत्या नहीं हुई थी। इस खुलासे के बाद हाई कोर्ट ने सभी आरोपियों को रिहा करने के आदेश दिए और पुलिस की कार्यप्रणाली पर कड़ी टिप्पणी की।

14 सितंबर 2023: जब शव को ललिता मान लिया गया- यह पूरा मामला थांदला की रहने वाली ललिता नाम की महिला से जुड़ा है। 14

सितंबर 2023 को पंचायत प्रतिनिधि प्रकाश कटारे को पानी में एक महिला की लाश तैरती दिखी। शव बुरी तरह क्षत-विक्षत था-चेहरा नहीं था और दोनों हाथ भी कटे हुए थे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लिया। ललिता के माता-पिता और रिश्तेदारों ने मौके पर पहुंचकर शव की पहचान ललिता के रूप में की। बिना डीएनए जांच के पुलिस ने यह मान लिया कि शव ललिता का ही है।

शाहरुख ने कबूल किया गुनाह

जांच में सामने आया कि ललिता की दोस्ती शाहरुख नामक युवक से थी और वह आखिरी बार उसी के साथ देखी गई थी। पुलिस ने शाहरुख को हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान शाहरुख ने कबूल किया कि 500 रुपए को लेकर विवाद हुआ था, जिसके बाद उसने अपने साथियों- इमरान, एजाज, सोनू और अजीम-के साथ मिलकर लाठी-डंडों से मारकर ललिता की हत्या कर दी। पुलिस ने इन सभी के खिलाफ हत्या और बलात्कार जैसे गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया। तब से सभी आरोपी जेल में थे।

मार्च 2025 में ललिता जिंदा थाने पहुंची

मामले ने तब नया मोड़ लिया जब मार्च 2025 में ललिता खुद थांदला थाने पहुंच गई। उसने पुलिस को बताया कि वह मजदूरी के लिए बाहर गई थी और उसके साथ कोई घटना नहीं हुई। पुलिस हैरान रह गई। शव की शिनाख्त करने वाले ललिता के माता-पिता भी चौंक गए। उन्होंने कहा कि शव की कद-काठी और कपड़े देखकर उन्होंने ललिता के रूप में पहचान की थी, लेकिन अब उन्हें अपनी गलती का अहसास हो रहा है।

संपादकीय

हम चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था

निश्चय ही यह भारतीयों के लिए खुशी और गर्व का विषय है कि भारत दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। हम पहले पांचवे नंबर पर थे पर हाल में हमने जापान को एक पायदान नीचे ढकेलकर चौथे नंबर पर अपना झंडा गाड़ दिया है। इस खबर के आते ही भारतीय शेयर बाजारों में भारी उछाल देखा गया। आश्चर्य नहीं कि साल दो साल में भारत दुनिया की 5 ट्रिलियन डॉलर की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाए। क्योंकि हमसे आगे सिर्फ जर्मनी है और उसकी अर्थव्यवस्था भारत से थोड़ी ही आगे है। यूं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी काफी समय से कहते आ रहे हैं कि दुनिया में सर्वाधिक आबादी वाले देश भारत को विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था भी बनाना है। लेकिन यह तभी संभव है कि हमारे जीडीपी वृद्धि दर 6 फीसदी से अधिक हो। फिलहाल तो ऐसा ही होता नजर आ रहा है। तमाम दुनिया में चल रहे युद्धों के बीच भारत ने अपनी आर्थिकी की तेज रफ्तार कायम रखी है। भारत की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की घोषणा नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रमण्यम ने 25 मई को आयोग की 10वीं गवर्निंग काउंसिल मीटिंग में घोषणा की कि हम अब दुनिया की चौथी सबसे बड़ी इकोनॉमी हैं। हमारी जीडीपी (सकल घरेलू उत्पादन) अब 4 ट्रिलियन डॉलर के पार पहुंच गई है। खास बात यह है कि यह कोई नीति आयोग का दावा नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) का डेटा कह रहा है। आईएमएफ की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक भारत की जीडीपी 4.19 ट्रिलियन डॉलर हो चुकी है। हमसे आगे अब जर्मनी है, जिसकी जीडीपी 4.74 ट्रिलियन डॉलर की है। यानी जर्मनी और भारत की जीडीपी में अंतर केवल 0.55 ट्रिलियन डॉलर का है, जिसे कभी भी कवर किया जा सकता है। इसके पूर्व वर्ल्ड इकानॉमिक आउटलुक की रिपोर्ट 22 अप्रैल को जारी हुई थी। इसमें अनुमान लगाया गया था कि भारत जल्द ही जापान को पीछे छोड़ देगा। वही होता भी दिख रहा है। हालांकि दुनिया की पहली और दूसरी अर्थव्यवस्थाएं क्रमशः अमेरिका और चीन की है, जो भारत की वर्तमान आर्थिकी से क्रमशः सात और पांच गुना बड़ी है। जाहिर है कि भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था को जल्द बन जाएगी, लेकिन दूसरे नंबर पर डटे चीन को मात देने में काफी वक्त लगेगा। अमेरिका की इकानॉमी 30.51 डॉलर तथा चीन की 19.23 ट्रिलियन डॉलर की है। आईएमएफ का मानना है कि भारत की इकोनॉमिक ग्रोथ 2025 में 6.2 प्रतिशत और 2026 में 6.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है। यह ग्रोथ रेट बाकी दुनिया की बाकी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के मुकाबले ज्यादा है। खासकर ग्रामीण इलाकों में बढ़ती खपत की वजह से भारत की आर्थिकी को मजबूती मिल रही है। हालांकि, ग्लोबल ग्लोबल और ट्रेड का थोड़ा असर भी दिख सकता है। भारत अगर दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बन भी गया तो बुनियादी सवाल फिर भी बाकी रह जाएगा कि देश के आर्थिक विकास में इतनी असमानता क्यों है? माली सम्पन्नता का लाभ गरीबों तक क्यों नहीं पहुंच पा रहा है। यह सच्चाई है। ऐसे में अमीर और अमीर तथा गरीब और गरीब होता जा रहा है। भूख, गरीबी, बेकारी आज भी हमारे सामने बड़ी चुनौतियां हैं। इसी के साथ महंगाई और देश का असंतुलित विकास भी एक बड़ी समस्या है। यकीनन जीडीपी बढ़ रही है, लेकिन देश में गरीबी कम नहीं हो रही। आम आदमी की क्रय शक्ति में खास इजाफा नहीं हुआ है। जब तक सरकार की नीतियां इन चुनौतियों से नहीं निपटती तब तक भारत तीसरी तो क्या दूसरी अर्थ व्यवस्था भी बन जाए तो हमारी आर्थिक सम्पन्नता पर सवालिया निशान हमेशा लगते रहेंगे।

ऑपरेशन सिंदूर पर ऐसे विवाद क्यों?

नजरिया

अवधेश कुमार
लेखक पत्रकार हैं।

राहुल गांधी ने एक निजी न्यूज चैनल का वीडियो शेयर करते हुए एक्स पर लिखा, 'हमारे हमले की शुरुआत में पाकिस्तान को सूचित करना एक अपराध था। विदेश मंत्री ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया है कि भारत सरकार ने ऐसा किया।' 'इसे किसने अधिकृत किया? इसके परिणामस्वरूप हमारी वायुसेना ने कितने विमान खो दिए?' राहुल गांधी का पोस्ट था इसलिए हजारों की संख्या में शेयर हो गया और अपने देश के चरित्र के अनुरूप हंगामा भी। इस कांग्रेस मीडिया एवं कम्यूनिकेशन के प्रमुख वरिष्ठ नेता जयराम रमेश पहले ही इससे आगे बढ़ कर विदेश मंत्री के इस्तीफे की मांग कर चुके थे। एक्स पर उनका पोस्ट था, 'विदेश मंत्री- अपने अमेरिकी समकक्ष की ओर से किए जा रहे दावों का जवाब तक नहीं देते हैं, उन्होंने एक असाधारण रहस्योद्घाटन किया है। वह अपने पद पर कैसे बने रह सकते हैं, ये समझ से परे है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 19 जून, 2020 को चीन को सार्वजनिक रूप से क्लीन चिट दे दी और हमारी बातचीत की स्थिति खत्म कर दी। जिस शख्स को उन्होंने विदेश मंत्री के तौर पर नियुक्त किया, उसने इस बयान से भारत को धोखा दिया है।'

पहलगाम आतंकवादी हमले से लेकर ऑपरेशन सिंदूर की अभूतपूर्व कार्रवाई ,उसके बाद 8 और 9 मई की रात्रि तक पाकिस्तान के साथ सीधे सैन्य टकराव और उसके बाद जिस तरह के वक्तव्य आये, प्रश्न उठाए गए हैं सामान्य तौर पर भी वे चिंतित करने वाले हैं। इसमें सबसे अंतिम विवाद विदेश मंत्री एस जयशंकर के ऑपरेशन संबंधित पाकिस्तान को जानकारी देने के स्वाभाविक वक्तव्य का राहुल गांधी और कांग्रेस के द्वारा विवादास्पद बनाया जाना है। राहुल गांधी ने एक निजी न्यूज चैनल का वीडियो शेयर करते हुए एक्स पर लिखा, 'हमारे हमले की शुरुआत में पाकिस्तान को सूचित करना एक अपराध था। विदेश मंत्री ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया है कि भारत सरकार ने ऐसा किया।.. 'इसे किसने अधिकृत किया? इसके परिणामस्वरूप हमारी वायुसेना ने कितने विमान खो दिए?' राहुल गांधी का पोस्ट था इसलिए हजारों की संख्या में शेयर हो गया और अपने देश के चरित्र के अनुरूप हंगामा भी। इस कांग्रेस मीडिया एवं कम्यूनिकेशन के प्रमुख वरिष्ठ नेता जयराम रमेश पहले ही इससे आगे बढ़कर विदेश मंत्री के इस्तीफे की मांग कर चुके थे। एक्स पर उनका पोस्ट था, 'विदेश मंत्री- अपने अमेरिकी समकक्ष की ओर से किए जा रहे दावों का जवाब तक नहीं देते हैं, उन्होंने एक असाधारण रहस्योद्घाटन किया है। वह अपने पद पर कैसे बने रह सकते हैं, ये समझ से परे है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 19 जून, 2020 को चीन को सार्वजनिक रूप से क्लीन चिट दे दी और हमारी बातचीत की स्थिति खत्म कर दी। जिस शख्स को उन्होंने विदेश मंत्री के तौर पर नियुक्त किया, उसने इस बयान से भारत को धोखा दिया है।'

कांग्रेस पार्टी के समर्थक और भाजपा विरोधियों के साथ अनेक आम लोगों को भी इन बड़े नेताओं के वक्तव्य के बाद लगा होगा कि क्या वाकई हमने ऑपरेशन सिंदूर के पहले ही पाकिस्तान को बता दिया? सामान्य दृष्टि से भी इससे हास्यास्पद बात कुछ नहीं हो सकती कि जो सरकार आतंकवादी हमले के बाद सीमा पार स्थित महत्वपूर्ण आतंकवादी केन्द्रों को ध्वस्त करने की साहसिक कार्रवाई की गोपनीय तैयारी कर चुकी हो वह इसके पूर्व ही दुश्मन को बता देगा? लेकिन हमारा देश में नेता, एक्टिविस्ट, मीडिया के कुछ साथी पत्रकार कुछ भी लिख और बोल सकते हैं। यह देश का दुर्भाग्य है और गहरी चिंता का विषय कि पूरे अभियान में , जिसने संपूर्ण दुनिया को विस्मित किया तथा पाकिस्तान को सकते में ला दिया उसे पर उत्सव मनाने की जगह अपने पय ही प्रश्न उठाकर देश का मनोबल कमजोर करने की भूमिका निभाई जा रही है। आखिर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा क्या था? उन्होंने कहा था, 'ऑपरेशन की शुरुआत में हमने पाकिस्तान को एक संदेश भेजा था कि हमारा निशाना आतंकवादी ढांचे पर है, न कि उनकी सेना पर। हमने उन्हें हस्तक्षेप न करने का विकल्प दिया था, लेकिन उन्होंने इसे मानने से इनकार कर दिया।' उनके अनुसार, 7 मई की रात 1 से 1:30 बजे के बीच, भारतीय सेना के डीजीएमओ लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने पाकिस्तान के डीजीएमओ मेजर जनरल काशिफ अब्दुल्ला को फोन कर यह जानकारी दी थी। भारत ने केवल सावधानी से चुने गए आतंकी ठिकानों को ही निशाना बनाया है, न कि सेना के ठिकानों को। इसमें कहां है कि पूर्व में ही सूचित कर दिया? राहुल गांधी के वक्तव्य के बाद विदेश मंत्रालय ने इसका खंडन भी कर दिया कि पाकिस्तान को ऑपरेशन शुरू होने के बाद सूचना दी गई थी, न कि उससे पहले। इस बयान को गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। यह तथ्यों की तोड़-मरोड़ है।'

बावजूद विवाद जारी है और रहने वाला है। सभी बड़े नेताओं को पता है कि सच क्या है। पहले की सरकारें ऐसा साहस नहीं कर सकी इसलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार जनता और दुनिया की नजर में ऐतिहासिक पराक्रमी न मान लिया जाए इसके भय से अनेक ऐसे विवाद खड़े किए जा रहे हैं। इसका मतलब हुआ कि आगे भी ऐसे ही होता रहेगा। तभी तो जिस ऑपरेशन पर अब अमेरिका व यूरोप के सामरिक विशेषज्ञ भारत की रणनीतिक और कूटनीतिक सफलता ऐतिहासिक बताकर पाकिस्तान के झूठ को तथ्यों से उजागर कर चुके हैं वहां हमारे ही देश में दुश्मनों विशेषकर चीन, पाकिस्तान और अन्य के नैरेटिव को फैलाकर पूरी सफलता के स्वाद में मिट्टी तेल डालने का उपक्रम हो रहा है। भारत बहादुर देश है और जब हमने तैयारी से 1:05 बजे रात से 1:30 बजे तक यानी 25 मिनट के अंदर दो दर्जन से ज्यादा मिसाइलों के सटीक निशाने से महत्वपूर्ण आतंकवादी ठिकानों को ध्वस्त करना शुरू किया तो पाकिस्तान को बता दिया कि कार्रवाई आतंकवाद के विरुद्ध है, पाकिस्तान पर हमला नहीं। पाकिस्तान नहीं कह रहा है कि ऑपरेशन सिंदूर की सूचना पहले मिल गई और हमने किसी मिसाइल को मार गिराया। वह सकते में आ गया कि इतनी बड़ी कार्रवाई की भनक कैसे नहीं लगी?

दूसरे, यह हवाई बमबारी नहीं थी कि हमारे किसी वायुयान या पायलट को पाकिस्तान नुकसान पहुंचता। अगर नेताओं को इतनी समझ नहीं है तो उनके बारे में देश तय करें कि हमें कैसा व्यवहार करना है। अंतरराष्ट्रीय मानक है कि हम किसी देश की सीमा में घुसकर किसी अपराध या आतंकवाद के विरुद्ध कार्रवाई करते हैं तो उसे सूचना देते हैं। इसका रिकॉर्ड भी रखा जाता है ताकि वह अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने हमले का झूठ न फैला सके। 10 मई को सैन्य टकराव रुकने के बाद डोनाल्ड राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ट्वीट के बाद विपक्ष ने सरकार पर हमला शुरू कर दिया यह जानते हुए कि नरेंद्र मोदी सरकार स्वयं अनेक बार कर चुकी है कि जम्मू कश्मीर के मामले में मध्यस्थता नहीं होगी। 10 मई की चार पत्रकार वार्ताओं मे सेना की दो महिला प्रवक्ताओं कर्नल सोफिया कुरेशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह तथा विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने साफ कर दिया। यह भी स्पष्ट किया गया कि आतंकवादी कार्रवाई को युद्ध की तरह लिया जाएगा। उसके बाद दो दिन सेना के तीनों अंगों के डीजीएमओ की पत्रकार वार्ताओं,अगले दिन प्रधानमंत्री ने राष्ट्र के नाम संबोधन और उसके बाद आदमपुर वायु सेना अड्डा भाषण में साफ कर दिया कि पाकिस्तान आतंकवाद रोकने और सैन्य दुस्साहस से बचने की गारंटी पर खरा नहीं उतरा तो ऑपरेशन सिंदूर चारी है। प्रधानमंत्री नेकहा कि यज्ञ अखंड प्रतिज्ञा है। यानी अगर आतंकवादी कार्रवाई हुई तो केवल आतंकवादियों के विरुद्ध नहीं, पाकिस्तान सरकार का काम मानकर उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। इससे स्पष्ट घोषणा और कुछ हो नहीं सकती।

देश के लिए इससे बड़ा दुर्भाग्य कुछ नहीं हो सकता कि आतंकवाद के विरुद्ध संघर्ष में विश्व के लिए नए मानक जैसे प्रतिमान को देश की उपलब्धि मानने की जगह संकुचित राजनीतिक स्वार्थ तथा रुग्ण वैचारिकता के आलोक में छोटा करने का आत्मघाती व्यवहार किया जा रहा है। जब पाकिस्तान को आईएफ यानी अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने कर्ज दे दिया तो जयराम रमेश ने पोस्ट कर दिया कि भारत ने मतदान में विरोध नहीं किया। वे आर्थिक विषयों के पत्रकार रहे हैं और केंद्रीय मंत्री। उन्हें पता है कि विरोध में वोट करने का कोई प्रावधान नहीं और बहिर्गमन करन विरोध होता है जो भारत ने किया। इसी तरह बार-बार अमेरिकी दबाव में युद्ध विराम की बात हो रही है। डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के राष्ट्रपति हैं और उनको कुछ बोलने से हम रोक नहीं सकते। विदेश मंत्रालय ने साफ किया कि अमेरिका से कब-कब बात हुई लेकिन भारत पर कोई दबाव हो इसे न अमेरिका बोला न कहीं से कोई संकेत। बावजूद ऐसा साबित करने की कोशिश हुई कि ट्रंप और अमेरिका के डर से युद्ध विराम कर दिया। प्रधानमंत्री के संबोधन के बावजूद पाकिस्तान और चीन के नैरेटिव को प्रमुखता दी जा रही है। अब ट्रंप ने भी कह दिया कि उसने कोई मध्यस्थता नहीं की। तब भी ये मानने को तैयार नहीं। भारत में कभी सीजफायर या युद्ध विराम शब्द का प्रयोग नहीं किया। हमने सैन्य कार्रवाई और गोलाबारी रुकने पर सहमति की बात की। यह समाचार उड़ा कि युद्धविराम केवल 18 मई तक है। अब पाकिस्तान के डीजीएमियों की ओर से आ गया कि इसकी कोई समय सीमा नहीं है। प्रश्न है कि क्या इसके बावजूद हमारे नेता, एक्टिविस्ट, बुद्धिजीवी, पत्रकारों का एक समूह अपने देश को छोटा करने से बाज आएंगे? कांग्रेस कहती है कि वह सेना के साथ है। क्या सेना के साथ होना देश पर अहसान करना है? ऐसा कौन कहेगा हम सेना के साथ नहीं है। सेना पहले भी थी तो कार्रवाई क्यों नहीं हुई? सेना राजनीतिक नेतृत्व के आदेश का ही पालन कर सकती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार ने साहस दिखाया तो श्रेय उसको जाएगा। विरोधी चटपटा कर आत्महत्या कर लें तब भी इसमें श्रेय नहीं मिलने वाला। ये लोग देश के स्तर पर एकजुटता दिखाई तो श्रेय पूरे देश का होता। क्या यह बार-बार पूछना देश हित का कार्य है कि हमको क्या क्षति हुई बताया जाए? युद्ध में क्षति एकपक्षीय नहीं होती। दोनों पक्षों की होती है, किसी का कम किसी की ज्यादा। किंतु जब अभी भारत स्वयं को युद्ध या ऑपरेशन सिंदूर की अवस्था में मानता है तो जिम्मेवार भारतीय का राष्ट्रीय कर्तव्य ऐसे प्रश्नों से दूर रहना है। जो लोग अपना राष्ट्रीय कर्तव्य इसमें नहीं समझते उनके बारे में हम क्या शब्द प्रयोग करें या देश कैसा व्यवहार करें यह आप तय करिए।

नए बीज किसानों के लिए वरदान या कॉरपोरेट का जाल?

जीएम और जीनोम संपादन

निलेश देसाई
लेखक सामाजिक कार्यकर्ता तथा देशी पारंपरिक खेती के जानकार हैं।

भारत जहां करोड़ों किसान अपनी रोजी-रोटी के लिए खेती पर निर्भर हैं, अपनी खाद्य सुरक्षा और टिकाऊ कृषि के लिए नए रास्ते तलाश रहा है। इस खोज में, जेनेटिकली मॉडिफाइड (जीएम) और जीनोम संपादित बीज आजकल चर्चा के केंद्र में हैं। सरकार इन्हें अधिक पैदावार, मौसम की मार सहने की क्षमता और कम संसाधनों के इस्तेमाल के लिए क्रांतिकारी बता रही है। हाल ही में, डॉ. राइज 100 और पूसा डीएसटी राइज 1 जैसी जीनोम संपादित चावल की नई किस्में इसी दिशा में उठाया गया कदम हैं।

लेकिन बीटी कपास, बीटी बैंगन और जीएम सरसों की पिछली असफलताएँ एक बड़ा सवाल खड़ा करती हैं- क्या ये तकनीकें सच में किसानों के लिए वरदान साबित होंगी, या इनके पीछे खेती को बाजार बनाने की एक चाल छिपी है, जो हमारे किसानों और पर्यावरण दोनों को खतरे में डाल सकती है? यह लेख जीएम और जीनोम संपादन के इतिहास, उनके प्रभावों, खतरों और गैर-जीएम विकल्पों की तुलना करता है, साथ ही खेती के कॉरपोरेटीकरण के खतरे को भी उजागर करता है।

जीएम बीजों का इतिहास : वादे और धोखे

जेनेटिक मॉडिफिकेशन (जीएम) में बाहर से डीएनए लेकर पौधों में डाला जाता है, ताकि उनमें कुछ खास गुण (जैसे कीड़ों से बचाव, सूखा सहने की क्षमता) आ जाएं। भारत में जीएम की शुरुआत बीटी कपास से हुई, जिसे 2002 में मंजूरी मिली। मॉनसैंटो की इस तकनीक में एक खास बैक्टीरिया (बीटी) का जीन कपास में डाला गया, जिससे वह कीड़ों को मारने वाला जहर पैदा करने लगा।

शुरुआत में इसकी सफलता के दावे किए गए, लेकिन जल्द ही इसकी सच्चाई सामने आने लगी

कीटों का प्रतिरोध: 2010 तक, गुलाबी बॉलवर्म जैसे कीड़ों ने बीटी कपास के खिलाफ अपनी प्रतिरोधक क्षमता विकसित कर ली, जिसके चलते किसानों को फिर से कीटनाशकों का इस्तेमाल बढ़ाना पड़ा।

महंगी लागत: बीटी कपास के बीज आम बीजों से 4-5 गुना महंगे (1,000-1,500 रुपये प्रति पैकेट) थे। पेटेंट के कारण किसान हर साल नए बीज खरीदने को मजबूर थे, क्योंकि बीज बचाना गैरकानूनी था।

कर्ज और आत्महत्याएँ: महाराष्ट्र के विदर्भ जैसे इलाकों में बीटी कपास की विफलता और ऊंची लागत ने हजारों किसानों को कर्ज के दलदल में धकेल दिया। 2002 से 2018 के बीच, महाराष्ट्र में 15,000 से ज़्यादा किसान आत्महत्याएँ दर्ज की गईं, जिनमें से कई बीटी कपास से जुड़ी थीं।

पर्यावरण को नुकसान: बीटी कपास ने मधुमक्खी जैसे गैर-लक्ष्य कीटों को नुकसान पहुँचाया और मिट्टी की उपजाऊ क्षमता को 20-30 प्रतिशत तक कम कर दिया।

बीटी बैंगन और जीएम सरसों की नाकामी

बीटी बैंगन: 2010 में, मॉनसैंटो और महिको ने कीट प्रतिरोध के लिए बीटी बैंगन को मंजूरी दिलाने की कोशिश की। लेकिन पर्यावरणविदों, किसान संगठनों और आम जनता के विरोध के कारण इसे रोक दिया गया। लोगों को डर था कि इससे जैव विविधता को नुकसान पहुँचेगा और खाद्य सुरक्षा खतरे में पड़ जाएगी।

जीएम सरसों (डीएमएच-11): 2017 में, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा विकसित जीएम सरसों को मंजूरी देने की कोशिश हुई। लेकिन 'स्वतंत्र भारत के लिए संग्रह' जैसे संगठनों ने इसके पर्यावरणीय और स्वास्थ्य जोखिमों (जैसे ग्लूफोसिनेट प्रतिरोध) को उजागर किया, जिसके बाद 2022 में सुप्रीम कोर्ट ने इस पर रोक लगा दी।

इन असफलताओं ने साफ दिखाया कि जीएम बीज भले ही कुछ समय के लिए फायदा दें, लेकिन लंबे समय में किसान कर्ज, पर्यावरण का नुकसान और जैव विविधता की हानि जैसे बड़े खतरे उनके फायदों से कहीं ज़्यादा हैं। फिर भी, सरकार अब जीनोम संपादन को अगला बड़ा कदम बता रही है।

जीनोम संपादन : नई तकनीक, पुराने खतरे?

जीनोम संपादन, खासकर सीआरआईएसपीआर-सीएएस 9 तकनीक, जीएम से थोड़ी अलग है क्योंकि इसमें बाहर से डीएनए नहीं डाला जाता। यह जीनोम में बहुत ही सटीक बदलाव (जैसे डीएनए काटना या बदलना) करती है। भारत ने हाल ही में दो जीनोम संपादित चावल की किस्में - डॉ. राइज 100 और पूसा डीएसटी राइज 1 - पेश की हैं, जिन्हें आईसीएआर ने विकसित किया है। सरकार का दावा है कि इनसे 19-20 प्रतिशत ज़्यादा उपज मिलेगी, मीथेन का उत्सर्जन 20 प्रतिशत तक कम होगा, और ये सूखा और खारेपन को भी सह सकेंगी।

लेकिन इसके साथ ही कुछ चिंताएँ और खतरे भी जुड़े हुए हैं

1. **अनचाहे बदलाव:** सीआरआईएसपीआर-सीएएस 9 में सीएएस 9 एंजाइम कभी-कभी जीन में गलत जगह पर भी बदलाव (ऑफ-टारगेट म्यूटेशन) कर सकता है, जिससे फसल की गुणवत्ता या पर्यावरण को नुकसान पहुँच सकता है। डॉ. शोमा मार्ला (आईसीआरआईएसएटी) ने चेतावनी दी है कि इसकी एक तयशुदा मात्रा का इस्तेमाल भी जोखिम भरा हो सकता है।

2. **जैव विविधता का नुकसान:** जीनोम संपादित चावल से भारत की 1 लाख से ज़्यादा देसी चावल की किस्मों में आनुवंशिक मिलावट का खतरा है। इससे भारत का जैविक चावल निर्यात (2023 में 1.2 बिलियन डॉलर) भी प्रभावित हो सकता है।

3. **बीज की संप्रभुता:** सीआरआईएसपीआर तकनीक पर आईपीआर (बौद्धिक संपदा अधिकार) है, जो कोर्टेवा और बायर जैसी कंपनियों के हाथ में है। इससे किसान बीटी कपास की तरह बीज खरीदने के लिए इन पर निर्भर हो सकते हैं।

4. **पर्याप्त परीक्षण नहीं:** इन किस्मों के लंबे समय (5-10 साल) के प्रभावों का कोई स्वतंत्र अध्ययन नहीं हुआ है, जिससे बीटी कपास जैसी विफलता फिर से हो सकती है।

5. **स्वास्थ्य जोखिम:** ऑफ-टारगेट म्यूटेशन से पैदा हुए चावल की सुरक्षा पर सवाल हैं, क्योंकि इंसानों की सेहत पर इसके असर का कोई परीक्षण नहीं हुआ है।

खेती का बाजारीकरण : कॉरपोरेट का छिपा एजेंडा

जीएम और जीनोम संपादन को बढ़ावा देने के पीछे खेती को बाजार बनाने की मंशा साफ दिखाई देती है। बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ और कुछ नीति निर्माता इन तकनीकों को बढ़ावा देकर कृषि को कॉरपोरेट नियंत्रण में लाना चाहते हैं। इसके कुछ संकेत इस प्रकार हैं-

1. **कॉरपोरेट लॉबिंग:** मॉनसैंटो, बायर और कोर्टेवा जैसी कंपनियाँ जीएम और जीनोम संपादन को भारत में बढ़ावा देने के लिए करोड़ों रुपये खर्च करती हैं। बीटी कपास की मंजूरी में मॉनसैंटो की लॉबिंग इसका एक उदाहरण है। पीपीवीएफआर एक्ट, 2001 में कमजोर प्रावधानों ने कंपनियों को बीजों पर पेटेंट लेने की छूट दी, जिससे किसान उन पर निर्भर हो गए।

2. **बीज की संप्रभुता पर हमला:** जीएम और जीनोम संपादित बीजों के पेटेंट से किसान बीज बचाने या आपस में साझा करने के अपने पारंपरिक अधिकार खो रहे हैं। विदर्भ में बीटी कपास के किसानों को हर साल नए बीज खरीदने पड़े, जिससे उनका कर्ज बढ़ता गया। 'स्वतंत्र भारत के लिए संग्रह' ने चेतावनी दी है कि जीनोम संपादित चावल से किसानों की बीज और खाद्य संप्रभुता खत्म हो सकती है।

3. **जैविक बाजार को खतरा:** जीनोम संपादित चावल की व्यावसायिक खेती से भारत का जैविक चावल निर्यात (2030 तक 5 बिलियन डॉलर का लक्ष्य) प्रभावित हो सकता है, क्योंकि यूरोप जैसे बाजार जीन-संपादित उत्पादों को लेकर बहुत सख्त नियम रखते हैं। इससे कॉरपोरेट्स को गैर-जैविक बीज बाजार पर कब्जा करने का मौका मिल जाएगा।

यह साफ है कि जीएम और जीनोम संपादन के नाम पर कहीं न कहीं किसानों को एक नए जाल में फंसाने की कोशिश हो रही है। हमें यह समझना होगा कि खाद्य सुरक्षा का असली रास्ता टिकाऊ खेती, किसानों के अधिकारों की रक्षा और जैव विविधता को बढ़ावा देने में है, न कि ऐसी तकनीकों को अपनाने में जिनके खतरे अभी पूरी तरह से समझ में नहीं आए हैं और जो किसानों को कॉरपोरेट के हाथों में सौंप सकती हैं। सरकार को चाहिए कि वह किसानों और पर्यावरण के हितों को सर्वोपरि रखे, न कि कुछ कंपनियों के मुनाफे को।

हिमालय की गोद में गांधी को समझने का प्रयास

आयोजन

विवेक कुमार साव
लेखक महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा में शोधार्थी हैं।

हिमालय की गोद में प्रकृति की मनोरम सुंदरता से आलिंगनबद्ध कौसानी की धरती, जहाँ प्रकृति का सौंदर्य, कवि सुमित्रानंदन पंत की कविताएँ, और गांधीजी के विचारों की गूंज मिलकर खूबसूरत संगीत रचते हैं, जो हमें पुनः बापू के विचारों, उनकी शिक्षाओं को समझने और उन्हें अपने जीवन में उतारने का अवसर प्रदान कर रही है। आगामी 7, 8 और 9 जून 2025 को उत्तराखंड के कौसानी में अनासक्ति आश्रम में तीन दिवसीय चिंतन शिविर का आयोजन हो रहा है। इस शिविर का उद्देश्य है - समाज में गांधी विचारधारा में विश्वास रखने वालों को संगठित करना और युवा पीढ़ी को नफरती प्रचार से बचाने के उपाय खोजना आदि है। यह न केवल सिर्फ शिविर है, बल्कि गांधी के विचारों को लोगों तक पहुंचाने और उन्हें आज के संदर्भ में समझने का प्रयास भी है। कौसानी, वह भूमि है, जिसे गांधीजी ने 'भारत का स्विट्जरलैंड' कहा था। यह वही स्थल है, जहाँ वर्ष 1929 में बापू ने हिमालय की मनोरम छटा के बीच 'अनासक्ति योग' की गहन टीका रची। 21 जून, 1929 को उन्होंने गीता के अधूरे कार्य को पुनः शुरू किया और 27 जून, 1929 तक इसके अठारह अध्यायों - अर्जुन विषाद योग से लेकर सन्यास योग तक की टीका पूर्ण की। गांधीजी के शब्दों में, 'मेरे सामने हिमालय के शिखर बर्फ में स्नान कर रहे हैं और सूर्य के प्रकाश में जगमगा रहे हैं। नीचे छोटे पहाड़ों की हरी-भरी सुन्दर श्रेणियाँ हैं; मानों उन्होंने लाज में अपने आपको हरियाली से ढँक लिया हो।' उनके ये शब्द कौसानी की प्राकृतिक सुंदरता को काव्यात्मक राग की तरह प्रस्तुत करते हैं, जो मानो वहाँ जाने वालों और इसे पढ़ने वालों के मन व आत्मा को शांति प्रदान करता है। यहाँ की माटी में गांधीजी के विचारों की सुगंध बसी है। यही वह भूमि है, जहाँ गांधीजी की विदेशी शिष्या कैथरीन मेरी हाईलमैन (मीराबेन) ने अपनी कर्मभूमि बनाई, इसी भूमि पर प्रकृति के सुकुमार कवि सुमित्रानंदन पंत का जन्म हुआ। कौसानी में आयोजित यह शिविर महज़ आयोजन नहीं, बल्कि गांधीजी के सर्वोदय, अहिंसा और स्वराज जैसे विचारों को समाज के हर कोने तक पहुँचाने का संकल्प भी है। आज, जब समाज में नफरत और विभाजन की दीवारें ऊँची हो रही हैं, गांधीजी के विचार हमें एकता और करुणा का पथ प्रदर्शित करते हैं। सोशल मीडिया व प्रचार के भँवर में उलझी युवा पीढ़ी को गांधी मूल्यों से जोड़ना समय की पुकार है। यह शिविर हमें न केवल बापू के विचारों को गहराई से समझने का अवसर देगा, बल्कि उन्हें अपने जीवन और समाज में उतारने के लिए ठोस कदम उठाने का रास्ता भी सुझाएगा। ग्लोबल गांधी के वरिष्ठजन लंबे समय से एक ऐसे ही चिंतन शिविर की योजना बना रहे थे, जिसका उद्देश्य यह समझना हो कि इतनी सारी गांधी संस्थाओं, विशाल परिसरों और समाज में गांधीजी के प्रति गहरे सम्मान के बावजूद भी हम (गांधीकर्ता) आम लोगों से क्यों नहीं जुड़ पा रहें या कोई प्रभावी नेटवर्क क्यों नहीं बना पा रहे। क्या हमारी भाषा, शैली, ढंग, संवाद का तरीका या अभिव्यक्ति में कोई कमी है? क्या हमारी साधना में सत्य और प्रेम का अभाव है या फिर कथनी-करनी में अंतर है? प्रारंभ में इस चिंतन शिविर को सेवाग्राम में आयोजित करने की योजना थी, किंतु यह संभव न हो सका। बाद में कौसानी के अनासक्ति आश्रम को इसके लिए चुना गया। मूल रूप से यह तय था कि ग्लोबल गांधी के वरिष्ठजन, फाउंडर मेंबर्स, यूथ फॉर ट्रुथ के प्रतिनिधि और कुछ अन्य गांधीवादी कार्यकर्ता मिलकर विचार-विमर्श करेंगे। लेकिन जैसे-जैसे समय बीता, यह कारवां बढ़ता गया और सहभागियों की सूची विस्तृत होती चली गई। अब देशभर से युवा और वरिष्ठ गांधीकर्ता व चिंतक इस शिविर में एकत्र होंगे। पहाड़ियों की शीतल हवाओं और अनासक्ति आश्रम की पवित्रता के बीच, यह शिविर हमें गांधीजी के उन स्वप्नों की ओर ले जाएगा, जिसमें हर व्यक्ति सत्य, प्रेम और अहिंसा के साथ बापू के स्वप्नों का समाज निर्माण करने की योजना बनाएगा। आइए, कौसानी की इस यात्रा में शामिल होकर हम सब मिलकर बापू के विचारों को नई उड़ान दें और ऐसे समाज का निर्माण करें, जो गांधीजी के स्वप्नों का सच्चा प्रतिबिंब बने।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं 662, साई कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।
प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
स्थानीय संपादक
हेमंत पाल
प्रबंध संपादक
रमेश रंजन त्रिपाठी
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

मेरा गांव और मेरा संयुक्त परिवार मेरा अमेरिका

व्यंग्य

अतुल चतुर्वेदी
लेखक व्यंग्यकार हैं।

हम अमेरिका को जितना समझने की कोशिश करते हैं वो उतना ही रहस्यमयी और दुरूह होता जाता है। हम अमेरिका के गले पड़ते हैं वो अपने शाश्वत आचरण से दुलत्ती मार देता है। हम बाद में सफ़ाई देते फिरते हैं। टांग सहलाते हुए का सेल्फी भी किसी को नहीं डाल सकते। कई बार हमने अमेरिका के चरण पकड़ने की भी कोशिश की लेकिन चरण छुआ कर भी वो खुश नहीं हुआ। अमेरिका ऐसा विचित्र है कि पप्पी एक को देता है और शाबाशी दूसरे को। व्यापार एक से करता है और आर्थिक मदद दूसरे की। अमेरिका को समझना ॠषियों, मुनियों और तत्व ज्ञानियों की क्या कूटनीति के चाणक्यों के वश की भी बात नहीं है। अमेरिका सब जगह व्याप्त है भी और नहीं भी।

वो संयुक्त राष्ट्र, अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, जी समूह, सार्क देशों में हर जगह अपनी दृश्य और अदृश्य टाँग भी फँसाए है और नहीं भी। स्याद वाद के सिद्धांत की तरह उसे समझना, व्याख्या करना और उसको लेकर भविष्यवाणी करना कठिन काम है।

अमेरिका को लेकर हम सब बड़े सेंटी हैं। हम सबके अंदर एक अमेरिका बसता है। पूंजी के समर्थन में और कामगारों, किसानों के विरुद्ध हमारा व्यवहार सदैव मुनाफ़ावादी रहता है। हमारे समृद्ध और मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए अमेरिका ही मानों जन्नत है वहाँ पहुँचना ही दुनिया की सबसे बड़ी कामयाबी है। आप बस एक बार यह कह दीजिए बेटा अमेरिका में है फिर कोई अगला सवाल ही नहीं आयेगा सामने से। भले ही वहाँ वो ट्रक या टैक्सी चला रहा हो। अमेरिका में जो बीपीएल रेखा के नीचे लोग रहते हैं उतने रुपयों की नौकरी लगने पर यहाँ तो पार्टी और जश्न मन जाता है।

नई नवेली नायिका की तरह हमारे राजनेता बस अमेरिका का मुँह तकते रहते हैं। हाय , कई रूठ न जाये मानिनी नायिका। जबकि वो मानिनी नहीं प्रौढ़ा नायिका है जो पुरुषों को छकाने के सब दांव जानती है। मुझे तो उस नायिका के चरित्र पर भी संदेह होता है कभी कभी। यह क्या एक से गल बहियाँ और दूसरे की पीड़ा मन में यह कोई पतिव्रता नारी का लक्षण है क्या?

हम सब की चिर संचित अभिलाषा रहती है कि अमेरिका जा कर बस जाएँ। अन्ततः वही हमारा स्वर्ग है फिर भले ही वहाँ से हथकड़ी लगाकर धकियाया जाये। हम जो स्वाभिमान के लिए भिड़ जाते हैं देशवासियों की बेइज़्ज़ती पर किंकर्तव्यविमूढ़ हो जाते हैं। हमारा सीना अचानक पिचक जाता है और घिग्घी बंध जाती है। क्या करें साहब अमेरिका का दबदबा ही इतना है। वो टैरिफ़ बढ़ा रहा है, हम खींसे निपोर रहे हैं। वो व्यापारी हैं हम भोले प्रेमी। शाश्वत प्रेम की गुहार लगाने वाले पचास के दशक के भावुक प्रेमी। समय बदला है लेकिन मानसिकता नहीं बदली हमारी जनता आज भी आह अमेरिका ! वाह अमेरिका पुकारती रहती है। हर साल सर्वाधिकार आवेदन अमेरिकी वीजा के हैं। मेरी घरवाली भी रट लगाये है अमेरिका जाहू जू , अमेरिका जाहू जू। लेकिन मैं जानता हूँ जन्नत की हकीकत। मैं उसके मुगालते में नहीं आता हूँ और अपने पैरों की आर्थिक तंगी, महंगाई और बेरोजगारी जैसी बिवाइयों हक़ीक़तों को जानता हूँ। मुझे पता है मेरे जाने से उनकी विलासिता और समृद्धता के कालीन मैले हो जाएँगे। मैं उधर का रुख़ ही नहीं करता। मेरा गाँव और मेरा संयुक्त परिवार मेरा अमेरिका है।

कुछ लोगों को चौधराहट की आदत होती है। जब तक वो दूसरे के फटे में टांग न दे लें उनकी रोटी नहीं पचती। कंपूचिया हो या अफ़ग़ानिस्तान, भारत पाक हो या इज़राइल फ़िलिस्तीन विवाद उसका पैर सब जगह है। होना भी चाहिए व्यापारी को युद्ध और शांति से क्या मतलब उसे तो मुनाफे से मतलब। लड़ेगी दुनिया तब ही तो आगे बढ़ेगी दुनिया। आगे बढ़ेगी तब ही तो हथियार बिकेंगे हमारे। युद्ध से नव निर्माण भी होता है और कभी कभी भूगोल भी बदलते हैं। भूगोल बदलेगा तो कुछ बिल्ली भी झपट लेती है लड़ाई में। हम अमेरिका ओढ़ते हैं, बिछाते हैं और गले लगाते हैं।

अमेरिका हमारी कामनाओं का उच्चतम बिंदु है। सामाजिक दबदबा की पताका है और रौब ग़ालिब करने वाला ढोल है भले ही उस ढोल के भीतर टूटते संबंधों और बढ़ती हिंसा की पोल हो। लेकिन दूर के ढोल सुहावने होते हैं और हम तब तक यह ढोल पीटते रहेंगे जब तक हमारे अंदर का हीनता बोध विसर्जित नहीं हो जाता।

पुण्यतिथि पर विशेष

डॉ. चित्रा माली

लेखक महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के कोलकाता क्षेत्रीय केंद्र की प्रभारी हैं।

नेहरू विचारों के आईने में हम

नेहरू जी के अंतिम दर्शन के लिए डॉ. सैयद महमूद वरिष्ठ स्वतंत्रता सेनानी भी आए थे जो नेहरू के साथ केम्ब्रिज यूनिवर्सिटी और जेल में भी साथ रहे थे। ऑस्टिन ने उन्हें रोते हुए देखा और कैबिनेट मंत्री जगजीवन राम उन्हें ढांढस बंधा रहे थे। वाकई यह नेहरू की कल्पनाओं के भारत का एक प्रतीकात्मक दृश्य था। एक अछूत व्यक्ति एक मुसलमान समुदाय के व्यक्ति को ढांढस बंधाता हुआ एक सवर्ण हिंदू के आवास पर ले जा रहा था। आजाद भारत की एक चौथाई आबादी मुसलमानों और अछूतों की थी। 1947 से पहले दो नेताओं ने बड़ी गंभीरतापूर्वक कांग्रेस के दावे को चुनौती दी थी कि कांग्रेस पूरे हिंदुस्तान की नुमाइंदगी करती है।

ग्रेनविली ऑस्टिन अमेरिकी स्नातक छात्र थे जो भारतीय संविधान के निर्माण पर एक शोध पत्र लिख रहे थे और उन्हें यह जानने में काफी दिलचस्पी थी कि भारतीय संविधान के निर्माण में नेहरू किन मूल्यों के साथ खड़े थे। 27 मई 1964 की दोपहर को जैसे ही नेहरू की मृत्यु की खबर उन्हें मिली वे सीधे तीनमूर्ति भवन पहुंच गए जहां गमगीन भारतीयों की भीड़ जमा थी। ऑस्टिन अपनी डायरी में लिखते हैं कि श्सभी अंदर जाना चाहते थे लेकिन वे इंतजार करने के लिए तैयार थे। इतनी बड़ी संख्या में होने के बावजूद भीड़ वहां अनुशासित तरीके से खड़ी थी और किसी तरह का शोरशराबा नहीं हो रहा था। प्रधानमंत्री के कर्मचारी, राजनेताओं, मंत्रियों और राजनायकों को एक-एक कर भवन के अंदर ले जा रहे थे। नेहरू जी के अंतिम दर्शन के लिए डॉ. सैयद महमूद वरिष्ठ स्वतंत्रता सेनानी भी आए थे जो नेहरू के साथ केम्ब्रिज यूनिवर्सिटी और जेल में भी साथ रहे थे। ऑस्टिन ने उन्हें रोते हुए देखा और कैबिनेट मंत्री जगजीवन राम उन्हें ढांढस बंधा रहे थे। वाकई यह नेहरू की कल्पनाओं के भारत का एक प्रतीकात्मक दृश्य था। एक अछूत व्यक्ति एक मुसलमान समुदाय के व्यक्ति को ढांढस बंधाता हुआ एक सवर्ण हिंदू के आवास पर ले जा रहा था। आजाद भारत की एक चौथाई आबादी मुसलमानों और अछूतों की थी। 1947 से पहले दो नेताओं ने बड़ी गंभीरतापूर्वक कांग्रेस के दावे को चुनौती दी थी कि कांग्रेस पूरे हिंदुस्तान की नुमाइंदगी करती है। पहले नेता थे मोहम्मद अली जिन्ना जिन्होंने आरोप लगाया था कि गांधी और नेहरू की पार्टी सिर्फ हिंदुओं का प्रतिनिधित्व करती है। दूसरे नेता बी.आर. अंबेडकर थे जिन्होंने आरोप लगाया था कि कांग्रेस सभी हिंदुओं का प्रतिनिधित्व नहीं करती बल्कि सिर्फ ऊंची जातियों का प्रतिनिधित्व करती है। इन आरोपों का पुरजोर विरोध किया गया। गांधी खुद अंबेडकर के राजनीति में प्रवेश से काफी पहले से ही छुआछूत का विरोध करते आ रहे थे और उन्होंने हिंदू-मुस्लिम भाईचारे के लिए अपना जीवन तक कुर्बान कर दिया था। गांधी जी के कहा था कि सही अर्थों में स्वराज तभी आ पाएगा जब यह जातिएधर्म और लिंग भेद से परे सभी हिंदुस्तानियों के लिए आए। ये ही प्रतिबद्धताएं नेहरू ने गांधी से हासिल की थी। गांधी से प्रेरित और नेहरू द्वारा निर्देशित भारतीय संविधान ने छुआछूत को दूर कर दिया और धर्म के मामले में राज्य की निरपेक्षता की व्यवस्था की। संविधान के तहत ऐसी व्यवस्था की गइ, लेकिन सवाल यह था कि व्यवहार में यह किस प्रकार काम कर रहा था। नए-नए आजाद हुए मुल्क में जितनी भी चुनौतियां आयी थी उनमें से ये चुनौती सबसे जटिल थी। भारत में हिंदुओं की तादाद अधिक थी और वे राजनीति में भी सक्रिय या कहें प्रभावशाली थे इसलिए एक नए भारत की परिकल्पना की परीक्षा इस कसौटी पर होनी थी कि यह विभिन्न समुदायों के भारतीयों के अधिकारों और उनकी आजादी का कितना ख्याल रखता है। पाकिस्तान के गठन ने हिंदू साम्प्रदायिक ताकतों में नई जान फूंक दी थी। जिसके फलस्वरूप नए आजाद देश में मुसलमानों की देश के प्रति प्रतिबद्धता को संदेह के घेरे में खड़ा कर दिया था और उन्हें देश के प्रति अपनी स्वामिभक्ति को बार.बार सिद्ध करना पड़ रहा था। 1950 में एक अमेरिकी मनोवैज्ञानिक द्वारा किए गए सर्वेक्षण में साफ्तौर पर जाहिर हुआ कि भारतीय मुसलमानों में असुरक्षा का भाव है। उन्होंने जिन-जिन मुसलमानों से बात की थी वे उत्तर और पश्चिमी भारत के शहरों के बाशिंदे थे और शक और भय के वातावरण में जी रहे थे। उनमें से एक ने कहा कि 'हमें पाकिस्तानी जासूस के तौर पर देखा जा रहा है'। दूसरे ने कहा कि 'हिंदू इलाकों में रहना खतरे से खाली नहीं है'। तीसरे ने कहा कि हिंदू समुदाय के लोग मुसलमानों को जब कोई सामान बेचते हैं तो वे भारी कालाबाजारी कीमत वसूलते हैं। मुसलमान कर्मचारियों और अधिकारियों के लिए महज भारत के प्रति स्वामिभक्ति की घोषणा काफी नहीं थी, बल्कि उन्हें अपनी घोषणा का व्यावहारिक सबूत भी देना था। यह स्पष्ट नहीं है कि प्रधानमंत्री ने भारत सरकार के कुछ चुनिंदा कर्मचारियों की वफादारी की जांच के बारे में अपनी सहमति दी थी या नहीं। लेकिन हम इतना अवश्य जानते हैं कि मुसलमानों की स्थिति पर उनका दृष्टिकोण सरकार के अन्य मंत्रियों से बिल्कुल भिन्न था। जैसा कि उन्होंने

सरदार पटेल को लिखे पत्र में कहा था वे महज इस आधार पर मुसलमानों से बदला लेने और भारत के मुसलमानों को दंडित करने की बात की आलोचना करते हैं कि पाकिस्तान में हिंदुओं को प्रताड़ित किया जा रहा है। इस तर्क से मैं जरा भी प्रभावित नहीं हूं। मैं इस बारे में निश्चित हूं कि बदला लेने और दंडित करने की यह नीति भारत और पाकिस्तान दोनों ही देशों को बर्बाद कर देगी। प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू संवैधानिक जिम्मेदारी के तहत अपने सभी नागरिकों और खासतौर पर मुसलमानों को सुरक्षा का एहसास दिलवाना चाहते थे। नेहरू ने अपनी इस प्रतिबद्धता को व्यक्त करने के लिए पत्रों की श्रृंखला में पटेल सहित सभी प्रदेशों के मंत्रियों को भी पत्र लिखे। हमारे देश में एक मुस्लिम अल्पसंख्यक समाज है और उसकी तादाद इतनी बड़ी है कि वे चाह कर भी कहीं नहीं जा सकते है। यह एक मौलिक तथ्य है जिस पर कोई बहस नहीं हो सकती है। पाकिस्तान की तरफ से जो भी उकसावे की कार्यवाही हो या वहां के अल्पसंख्यकों को जिस किसी भी अमानवीयता और आतंक से गुजरना पड़े हमें अपने अल्पसंख्यकों के साथ सभ्य तरीके से पेश आना है। हमें उन्हें पूर्ण सुरक्षा देनी है और उन्हें एक लोकतांत्रिक देश के नागरिकों को मिलने वाले सभी प्रकार के अधिकार मिलने चाहिए। अगर हम ऐसा करने में नाकाम होते हैं तो हमारे देश में एक बजबजाता हुआ फोड़ा पैदा हो जाएगा जो आने वाले वक्त में हमारी पूरी राजनीतिक प्रणाली को खत्म कर देगा। पत्र में वे आगे लिखते हैं कि ष्सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हम अपनी नागरिक सेवाओं को सांप्रदायिक राजनीति के विषाणु से मुक्त रखेंष। प्रधानमंत्री नेहरू ने गांधी जी के जन्मदिन के अवसर पर ऐसे अफसरों को चेतावनी दी कि ये बड़ी संख्या में हमारे मुस्लिम देशवासियों के मन में अनिश्चितता का वातावरण और असुरक्षा की भावना पैदा करने से बाज आएं। पाकिस्तान ने अपने आप को इस्लामिक राष्ट्र घोषित किया है उसके बरक्स हमने भारत को सेक्युलर राष्ट्र कहा है जहां उसके सभी नागरिकों, निवासियों को उनके धर्म की पूरी सुरक्षा है। हमें अपने आदर्शों और अपनी घोषणाओं के प्रति अडिग रहना है। सबसे बड़ी बात गांधी जयंती के अवसर पर हमें याद रखनी चाहिए कि गांधी जी ने हमें क्या सिखाया था और क्यों उन्होंने अपनी जान की कुर्बानी दी थी। देश के पहले आम चुनाव के अभियान के दौरान नेहरू ने साम्प्रदायिक संगठनों को खासतौर पर अपने निशाने पर रखा और भारत को हिंदू पाकिस्तान न बनने देने पर लड़ा और जीता भी। फिर भी नेहरू उन हिंदुस्तानियों के अधिकारों के प्रति चिंतित थे जिनकी संस्कृति और विश्वास बहुसंख्यक समाज के विश्वासों और संस्कृति से अलग थे। नेहरू ने पत्रों की श्रृंखला के एक पत्र में लिखा कि अगर भारत को एक धर्मनिरपेक्ष, स्थायी और मजबूत राष्ट्र बनना है तो हमारा पहला काम यह होना चाहिए कि हम अपने अल्पसंख्यकों को बिना भेदभाव के उनका उचित हिस्सा प्रदान करें और इस तरह से उन्हें भारत में पूर्ण रूप से पारिवारिक एहसास दिलाएं। आजादी के एक दशक से भी अधिक समय बीत जाने पर 1959 में एक भारतीय संपादक ने जो नेहरू की नीतियों के कटु आलोचक और विरोधी थे वे उनकी दो उपलब्धियों को रेखांकित करते हैं। वे उपलब्धियां थीं धर्मनिरपेक्ष राज्य का निर्माण और अछूत जातियों के लिए समान अधिकारों का प्रावधान। बंटवारे के बाद सक्रिय हुई प्रतिक्रियावादी शक्तियों के उफान को याद करते हुए संपादक ने लिखा है कि अगर नेहरू ने जरा भी कमजोरी दिखाई होती तो ये ताकतें भारत को एक हिंदू राज्य में तब्दील कर चुकी होतीं जिसमें अल्पसंख्यकों को जरा भी सुरक्षा और अधिकार हासिल नहीं हो पाता। इस बात का सदाबहार श्रेय भी नेहरू को ही जाता है कि उन्होंने अछूत जातियों को बराबरी का अधिकार देने पर जोर दिया ताकि सार्वजनिक जीवन में और सरकारी क्रियाकलापों में भारत की धर्मनिरपेक्ष राज्य व्यवस्था में मनुष्य की बराबरी को पूरी तरह कायम रखा जा सके। नेहरू की नए भारत की परिकल्पना और प्रतिबद्धता आज भी उन्हें प्रासंगिक बनाए हुए है जिसमें वर्तमान समस्याओं के समाधानों को भी खोजा जा सकता है।

पुण्यतिथि विशेष

डॉ. संजय कुमार

लेखक दिल्ली विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर हैं।

साहित्य एवं संस्कृति के तात्विक विवेचक इंद्रचंद्र शास्त्री

स्वतंत्रता सेनानी एवं संस्कृत विद्या के समुपासक डॉ. इंद्रचंद्र शास्त्री का जन्म 27 मई 1912 को हरियाणा के सिरसा जिला के डबवाली ग्राम में हुआ था। शास्त्री जी के पिता का नाम श्री लाल बीरबल दास सिंगला और माता का नाम आशा कौर था। यह वही समय था जब देश की राजधानी कोलकाता से दिल्ली लाने की बात चल रही थी और स्काटहोम स्वीडन में ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेल का आयोजन किया जा रहा था, साथ ही भारत सरकार अधिनियम 1912 जिसमें कई नवीन राज्यों की स्थापना आदि महत्वपूर्ण कार्य भी उसी समय किए गए थे।

यदि साहित्य की बात की जाए तो गीतांजलि की भावप्रवणता से पूरा विश्व परिचित हो चुका था। भारतीय साहित्य चेतना एक बार पुनः विश्व को अनुरंजित कर रही थी। ऐसे समय में शास्त्री जी का जन्म होता है। शास्त्री जी परतंत्रता की पीड़ा को बहुत समीप से देखे थे, वे देश, समाज, संस्कृति, अशिक्षा और बेरोजगारी की समस्या से अवगत थे जिसका मूल कारण परतंत्रता को ही मानते थे।। परतंत्रता मनुष्य के लिए अभिशाप स्वरूप है जिससे मुक्त होना मानव का कर्तव्य है। शास्त्री जी भारतीय जीवनचर्या से बहुत प्रभावित थे, चारों ओर आपसी प्रेम, सद्भाव ही उस परतंत्रता के काल में सबका संरक्षक बना हुआ था। लेकिन भारतीयों के दुःख और पीड़ा को देखकर वे बहुत द्रवित भी रहते थे। इसलिए वे महात्मा गांधी से प्रभावित होकर के स्वतंत्रता आंदोलन में केवल सम्मिलित ही नहीं हुए बल्कि देश की स्वतंत्रता में अपना अमूल्य योगदान भी दिए। डॉ. इंद्रचंद्र शास्त्री ने बीकानेर, आगरा विश्वविद्यालय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय आदि से संस्कृत की शिक्षा प्राप्त की थी जिसका सकारात्मक पक्ष भी उनके जीवन में दिखाई पड़ता है। उनका मानना था कि शिक्षा सर्वस्व है इसलिए सभी मनुष्य को शिक्षा मिलनी चाहिए तथा यह भी कहते थे कि शिक्षा हमें केवल लिपियों का ज्ञान नहीं करती है बल्कि पूर्णरूप से मानव बनती है। यह मानव जीवन शिक्षा के द्वारा ही परिष्कृत होता है,भारतीय संस्कृति जीवंतता की संस्कृति है। वह पग -पग पर मनुष्य का केवल संस्कार ही नहीं करती है बल्कि उसके भावी जीवन को सुधारने का मार्ग भी प्रशस्त करती है। शास्त्री जी अपने समय के संस्कृत विद्वानों में अन्यतम थे। उनकी ज्ञान शक्ति और तेजस्विता से पूरा संस्कृत जगत प्रभवित था।

वे साहित्य-संस्कृति आलोचना के प्रतीक पुरुष थे। वे दार्शनिक और आलोचक दोनों थे। जितना अध्ययन उनका काव्यशास्त्र पर था उतना ही वे व्याकरण धर्मों समझते थे। बताया जाता है कि उन्होंने लगभग 70 पुस्तकें और 600 से अधिक शोध पत्रों का लेखन कार्य किया था। जिसमें से कुछ श्रेष्ठ ग्रंथ इस प्रकार हैं- मानव और धर्म, भारत की आर्य भाषाएं, अपरिग्रह दर्शन, पालिभाषा और साहित्य, संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास, महाभारत के सूक्ति रत्न, आलोक और उन्माद, हमारी परम्परा, धर्म और राष्ट्र निर्माण, जैनिज्म एंड डेमोक्रेसी आदि। सभी ग्रन्थों भारतीय भाषा, साहित्य,धर्म ,संस्कृति पर गहन विचार किया गया है। भारत की संस्कृति जीवन के सभी क्षेत्रों में मनुष्य का संस्कार करने वाली संस्कृति है ,वह मनुष्य के सदैव चरित्र निर्माण, कर्म,त्याग, परिश्रम पर बल देती है तथा उसे प्रोत्साहित करती है- उठो जागो और अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ो। विश्व अपना कुटुम्ब है।

वे धर्म के विषय में स्पष्टवादी थे वे कहते थे कि धर्म का जन्म परस्पर सद्भावना और प्रेम को लेकर के हुआ है तथा राजनीति का शत्रुता, शोषण, उत्पीड़न और आक्रमण के लिए हुआ है। धर्म कर्तव्य को महत्व देता है और राजनीति अधिकार को इसलिए धर्म और राजनीति एक साथ नहीं चल सकते। वस्तुतः धर्म हमारे आचरण का विषय है जो पवित्रम जीवन व्यवहार की अपेक्षा रखता है। धर्म को स्पष्ट करते हुए एक आख्यान प्रस्तुत करते हैं कि महावीर जब तपस्या कर रहे थे देवराज इन्द्र उनके पास आए और कहने लगे भगवन आप इतना कष्ट क्यों कर रहे हैं? मैं अपने वज्र के बल से सारे संसार को आपका अनुयाई बना देता हूँ, सभी आपके चरणों पर नतमस्तक हो जाएंगे। भगवान महावीर ने उत्तर दिया अहिंसा में स्वयं इतनी शक्ति है कि उसे हिंसा का सहारा लेने की आवश्यकता नहीं है।

हिंसा का सहारा लेने वाली अहिंसा अहिंसा नहीं रह जाती है। योग सूत्र में भी पतंजलि कहते हैं- अहिंसा प्रतिष्ठायां तत्सन्निधौ वैर त्यागः। अर्थात् अहिंसा की दृढ़ स्थिति हो जाने पर योगी का सब प्राणियों से वैर भाव समाप्त हो जाता है और मनुष्य पशु आदि सभी से उसका शत्रु भाव समाप्त हो जाता है। वह किसी को भयभीत न करता है न होता है क्योंकि वह सबको अपना लेता है,आत्मसात कर लेता है। उसके अन्दर मंगल बुद्धि आ जाती है,वह साम्य बुद्धि वाला बन जाता है। यही मनुष्य जीवन का सुख है, इसलिए आध्यात्मिक परंपराओं में कथन है कि सुख का स्रोत स्वयं तुम्हारे भीतर है।

डॉ. शास्त्री जी धर्म एवं संस्कृति के ज्ञाता तो थे ही साथ ही दिल्ली विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के अध्यक्ष पद (1959 ई.) का कुशलता पूर्वक निर्वहन उनकी प्रशासनिक दक्षता को भी प्रमाणित करता है। अखिल भारतीय साहित्य सम्मेलन के सचिव पद का सम्यक निर्वहन तथा 1957 ई. में ऑल इंडिया ओरिएंटल कॉन्फ्रेंस का सफलतापूर्वक आयोजन शास्त्री जी की कार्यकुशलता का परिचायक है। आप दिल्ली विश्वविद्यालय तथा अन्य रष्ट्रीय समितियों के सम्मानित सदस्य,अन्य प्रशासनिक दायित्व का निर्वहन करने वाले राष्ट्र सेवी पुरुष हैं। शास्त्री जी के अकादमिक योगदान के लिए भारत सरकार के द्वारा मरणोपरांत राष्ट्रपति सम्मान तथा दिल्ली सरकार के द्वारा मदनलाल खुराना पुरस्कार दिया गया है। दिल्ली विश्वविद्यालय के समीप शक्ति नगर में नगिया पार्क से गुजरने वाले मुख्य मार्ग का नाम डॉ.इंद्रचंद्र शास्त्री मार्ग रखा गया है। ध्यातव्य है कि भारत सरकार के डाक विभाग द्वारा 27 में 2004 को शास्त्री जी की स्मृति में 5 रुपए का डाक टिकट भी जारी किया गया था जो संस्कृत जगत के लिए हर्ष का विषय है।

इस प्रकार डॉ. इंद्रचंद्र शास्त्री अनवरत संस्कृत विद्या, साहित्य, दर्शन की उपासना करते रहे और नित नूतन साहित्यिक, सांस्कृतिक ,वैयाकरणिक और दार्शनिक विषयों को बहुत ही सहज भाषा में प्रकाशित करते रहे, जिससे विद्वानों को सुख तो मिलता ही था साथ ही भारतीय सांस्कृतिक विरासत की पहचान विश्व पटल बनती रहती थी। साहित्य और संस्कृति का निरंतर में परिष्कार कर मनुष्य में श्रेष्ठ जीवन मूल्यों का आधान कराना उनके जीवन का लक्ष्य था,उनका एक सुन्दर भारत वर्ष बनाने का स्वप्न था जहाँ लोग निरापद जीवन यापन करें। लेकिन अपने स्वप्न को अकादमिक वंशजों के ऊपर छोड़कर 3 नवंबर 1986 ई. को अपने भौतिक शरीर को त्याग कर यश शरीर को अंगीकार कर लिया।

पुण्य तिथि आज

अरूण कुमार डनायक

(लेखक गांधी विचारों के अध्येता व समाज सेवी हैं)

पं. जवाहरलाल नेहरू की विदेश नीति में पाकिस्तान

विभाजन के दौरान ब्रिटिश भारत की संपत्तियों का बंटवारा हुआ, जिसमें सरकारी खजाने और नगद संपत्ति का हिस्सा पाकिस्तान को देना तय हुआ। समझौते के तहत पाकिस्तान को 75 करोड़ रुपये देने थे, जिनमें से 20 करोड़ रुपये का भुगतान हो चुका था। शेष 55 करोड़ रुपये को लेकर विवाद तब बढ़ा, जब पाकिस्तान समर्थित कबायलियों ने जम्मू-कश्मीर पर हमला किया। हालाँकि सरदार पटेल इस भुगतान के विरोध में थे, लेकिन नेहरूजी ने लार्ड माउंटबैटन की सलाह और अंतरराष्ट्रीय दायित्वों का सम्मान करते हुए पाकिस्तान को 55 करोड़ रुपये की शेष राशि देने का समर्थन किया। गांधीजी का भी मानना था कि इस राशि का भुगतान दोनों देशों के बीच विश्वास बहाल करेगा और सांप्रदायिक तनाव को कम करेगा।

स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय संबंधों की आधारशिला रखने की चुनौती उसी समय से स्वीकार करनी पड़ी, जब 1947 में भारत-पाकिस्तान का विभाजन हुआ। यह विभाजन न केवल राजनीतिक था, बल्कि इसमें संपत्ति, वित्तीय संसाधनों, सैन्य उपकरणों, संस्थानों और शरणार्थियों के पुनर्वास जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे शामिल थे। नेहरूजी ने, अंतरिम सरकार के नेता और बाद में प्रधानमंत्री व विदेश मंत्री के रूप में, इन समझौतों की जटिल प्रक्रिया को लागू करने में सक्रिय रहते हुए केंद्रीय भूमिका निभाई। उनकी दूरदर्शिता, कूटनीतिक सूझबूझ, संवेदनशीलता और शांति के प्रति प्रतिबद्धता ने भारत को एक जिम्मेदार राष्ट्र के रूप में वैश्विक मंच पर स्थापित किया।

विभाजन के दौरान ब्रिटिश भारत की संपत्तियों का बंटवारा हुआ, जिसमें सरकारी खजाने और नकद संपत्ति का हिस्सा पाकिस्तान को देना तय हुआ। समझौते के तहत पाकिस्तान को 75 करोड़ रुपये देने थे, जिनमें से 20 करोड़ रुपये का भुगतान हो चुका था। शेष 55 करोड़ रुपये को लेकर विवाद तब बढ़ा, जब पाकिस्तान समर्थित कबायलियों ने जम्मू-कश्मीर पर हमला किया। हांलाँकि सरदार पटेल इस भुगतान के विरोध में थे, लेकिन नेहरूजी ने लार्ड माउंटबैटन की सलाह और अंतरराष्ट्रीय दायित्वों का सम्मान करते हुए पाकिस्तान को 55 करोड़ रुपये की शेष राशि देने का समर्थन किया । गांधीजी का भी मानना था कि इस राशि का भुगतान दोनों देशों के बीच विश्वास बहाल करेगा और सांप्रदायिक तनाव को कम करेगा।

इस दौर की सबसे गंभीर चुनौती जम्मू-कश्मीर का मुद्दा था। महाराजा हरि सिंह के भारत में विलयपत्र पर हस्ताक्षर के बाद मंत्रीपरिषद ने कश्मीर में सेना भेजकर राष्ट्रीय एकता और सुरक्षा सुनिश्चित की। उन्होंने कश्मीर मुद्दे को संयुक्त राष्ट्र में उठाया, जिससे 1949 में कराची समझौता हुआ,और युद्धविराम रेखा स्थापित हुई। संयुक्त राष्ट्र सैन्य पर्यवेक्षक समूह की स्थापना और जनमत संग्रह इसी समझौते का हिस्सा थी। यह स्थायी समाधान नहीं था, पर तत्काल शांति सुनिश्चित हुई। नेहरू की कश्मीर नीति की भारतीय जनसंघ जैसे दलों ने आलोचना की, संयुक्त राष्ट्र में गोपालस्वामी आयंगार को भेजने और जनमत संग्रह की सहमति को राष्ट्रहित के खिलाफ बताया। उन पर प्रखर राष्ट्रवाद के अभाव और निजी आकांक्षाओं से प्रेरित होने के आरोप लगे, जो आज भी चर्चा में हैं। किंतु हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि कश्मीर की भौगोलिक और राजनीतिक महत्ता को सबसे पहले नेहरूजी ने गहराई से समझा। उनके सभी निर्णय कश्मीरी जनता के दीर्घकालिक हितों और भारत की अखंडता को ध्यान में रखकर लिए गए थे, न कि किसी व्यक्तिगत स्वार्थवश।

बंटवारे के समय लाखों लोग शरणार्थी बनकर सीमाएँ पार कर रहे थे, जिससे मानवीय संकट उत्पन्न हुआ। नेहरूजी ने शरणार्थियों के पुनर्वास और सुरक्षा के लिए प्रभावी कदम उठाए। इसी पृष्ठभूमि में 8 अप्रैल 1950 को नेहरूजी और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री लियाकत अली खान ने लियाकत-नेहरू समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा, शरणार्थियों की संपत्ति की वापसी या मुआवजा, और नागरिक अधिकारों की गारंटी जैसे

प्रावधान थे। भारत-पाक संबंधों में स्थिरता लाने की दिशा में यह समझौता एक निर्णायक कदम है। इस समझौते ने विभाजन के बाद नागरिकता और अल्पसंख्यक अधिकारों के मुद्दों को अप्रत्यक्ष रूप से संबोधित किया और नागरिकता अधिनियम, 1955 के निर्माण पर परोक्ष प्रभाव डाला।

नेहरू-नून पैक्ट 1958 के अंतर्गत भारत और पाकिस्तान ने सीमा विवाद सुलझाने हेतु सहमति बनाई। इसमें वर्तमान में बांग्लादेश स्थित बेरुबाड़ी क्षेत्र के बंटवारे, सीमा पर स्थित एन्क्लेव्स के आपसी हस्तांतरण, और दोनों देशों में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने जैसे बिंदु शामिल थे।

नेहरूजी की कूटनीति का एक और बड़ा आयाम सिंधु जल समझौता (1960) था, जो नौ वर्षों की वार्ता के बाद संभव हुआ। सिंधु और उसकी सहायक नदियों के जल के बँटवारे को लेकर, विश्व बैंक की मध्यस्थता से नेहरूजी और पाकिस्तानी राष्ट्रपति अयूब खान ने इस पर सहमति बनाई। इस समझौते के तहत पूर्वी नदियाँ (रावी, ब्यास, सतलुज) भारत के हिस्से में आई और पश्चिमी नदियाँ (सिंधु, झेलम, चिनाब) पाकिस्तान को आवंटित की गईं, लेकिन भारत को सीमित उपयोग की अनुमति दी गई। एक स्थायी सिंधु आयोग की स्थापना की गई, जिसे इस समझौते की निगरानी का दायित्व सौंपा गया। नेहरू ने संसद में विश्व बैंक की मध्यस्थता का बचाव करते हुए कहा कि यह संधि भारत और पाकिस्तान दोनों के लिए फायदेमंद होगी। हालांकि, विपक्षी सांसदों ने इसका विरोध किया, इसे 'आत्मसमर्पण की संधि' करार दिया और चेतावनी दी कि पाकिस्तान का भविष्य में मित्र बने रहना अनिश्चित है। बाद में जब विरोधी दल सत्ता में आए, तो उन्होंने न तो इस संधि को रद्द किया और न ही पाकिस्तान से संबंध सुधारने के प्रयासों से पीछे हटे।

शांति, कूटनीति और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बल देने के कारण नेहरूजी की विदेश नीति को अक्सर 'आदर्शवादी' कहा जाता है । उन्होंने पंचशील सिद्धांत और गुटनिरपेक्ष आंदोलन के जरिए भारत की स्वतंत्र विदेश नीति को सुदृढ़ किया। 1953 में उनके नेतृत्व में आयोजित एशियाई देशों के नई दिल्ली सम्मलेन और बांडुंग में अफ्रो एशियाई देशों के सम्मेलन में पाकिस्तान की भी भागीदारी रही। 1950 के बाद पाकिस्तान ने कश्मीर सहित जल और अल्पसंख्यकों के मुद्दे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठाए, जिनका नेहरूजी ने द्विपक्षीय वार्ता और कूटनीति से प्रभावी जवाब दिया।

नेहरूजी मानते थे कि साझा इतिहास और संस्कृति वाले भारत-पाकिस्तान को विश्वास और सहयोग के साथ आगे बढ़ना चाहिए। उनके अनुसार, विकास के लिए शांति जरूरी है, लेकिन इसका अर्थ बाह्य आक्रमण के प्रति निष्क्रिय रहना नहीं है। उन्होंने अपनी विशिष्ट राजनीतिक शैली से उस भारत माता का जयघोष सम्पूर्ण विश्व में गूंजा दिया, जो उनकी दृष्टि में कोई काल्पनिक देवी नहीं, बल्कि समस्त भारतवर्ष के स्त्री-पुरुष, भाई-बहनों का जीवंत प्रतीक है। नेहरूजी के नेतृत्व और कूटनीतिक कौशल ने भारत-पाक बंटवारे को सुगम बनाया और भारत को शांतिप्रिय, नैतिक व वैश्विक दायित्व निभाने वाला राष्ट्र बनाया। नेहरूजी की नीतियाँ भारत-पाक संघर्ष में शांति, संवाद और कूटनीति के महत्व को रेखांकित करती हैं। उनकी विरासत भारत को प्रेरित करती है कि क्षेत्रीय तनावों का समाधान सैन्य शक्ति के साथ-साथ नैतिकता, सहयोग और दीर्घकालिक दृष्टिकोण से करे, ताकि दक्षिण एशिया में स्थायी शांति और समृद्धि हो।

सांप के काटने से किसान की मौत

बैतूल। सांप के काटने से एक किसान की मौत हो गई। परसठनी गांव के रहने वाले रामचरण कालभोर 22 मई को अपने खेत में जानवरों के लिए चारा उठा रहे थे। इसी दौरान वहां बैठे कोबरा ने उन्हें काट लिया था। सांप के काटने के कुछ देर बाद ही रामचरण को बेहोशी छाने लगी। परिजन उन्हें तुरंत मुलताई सीएचसी ले गए। प्रारंभिक इलाज के बाद उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल में उनकी हालत में सुधार देखा गया। रविवार को उन्होंने परिजनों से बातचीत भी की। डॉक्टरों के अनुसार, तीन दिन के इलाज में जहर का असर कम हो गया था। फिर भी उन्हें निगरानी में रखा गया था। सोमवार तडक़े अचानक उनकी मौत हो गई। डॉक्टरों को आशंका है कि उन्हें कार्डियक अरेस्ट हुआ। पुलिस ने मृतक का पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया। पोस्टमार्टम से किसान की मौत का सही कारण पता चल सकेगा। फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

जुए के अड्डे पर छापा, 5 आरोपी गिरफ्तार

बैतूल। गंज पुलिस ने जुआ अड्डे पर छापेमार कार्रवाही करते हुए 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिनके पा से 4350 रूपये नगद राशि बरामद की है। पुलिस जनसंपर्क अधिकारी से मिली जानकारी के अनुसार 25 मई लगभग रात्रि 7 बजे पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त मिली थी कि आईका भोजनालय के पास में कुछ लोग ताश के पत्तों पर रुपयों से हार-जीत का दांव लगाकर अवैध रूप से जुआ खेल रहे हैं। सूचना के आधार पर थाना प्रभारी गंज के नेतृत्व में टीम गठित कर छापा मारा गया। छापेमारी के दौरान आदित्य, अब्दुल खान, अंकित राठौर, सुरेन्द्र धोटे और रितिक को जुआ खेलते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया। घटनास्थल से कुल 4350 नगद राशि, ताश की गड्डियां बरामद की गई। गिरफ्तार व्यक्तियों के विरुद्ध थाना गंज में अपराध पंजीकृत किया गया है। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी गंज एवं पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

आमला में पहली बार एक कुर्सी मर्दों के नाम कार्यक्रम आज

बैतूल। आमला के जनपद चौक पर आज 27 मई को दोपहर 12 बजे एक अनोखा कार्यक्रम एक कुर्सी मर्दों के नाम आयोजित किया जा रहा है। यह आयोजन सेव इंडियन फैमिली बैतूल (एसआईएफ बैतूल) द्वारा किया जा रहा है। आयोजक संस्था एसआईएफ बैतूल के संयोजक डॉ. संदीप गोहे ने बताया कि इस कार्यक्रम के माध्यम से पीड़ित पुरुषों को निःशुल्क मानसिक मूल्यांकन, उचित मार्गदर्शन और परामर्श दिया जाएगा। डॉ. गोहे ने अपील की है कि यदि आपके आसपास, परिवार या मोहल्ले में कोई पुरुष मानसिक तनाव से जूझ रहा है, तो उसे इस आयोजन में जरूर लेकर आएं। संस्था द्वारा उसे कानूनी और मानसिक सहयोग भी प्रदान किया जाएगा। उन्होंने माताओं और बहनों से भी आग्रह किया है कि वे अपने घर-परिवार में या आसपास ऐसे किसी पुरुष जो किसी महिला के मानसिक या भावनात्मक अत्याचार से परेशान हो, उसे कार्यक्रम में लेकर आएं। यहां उसे तथ्यों के आधार पर उचित न्यायिक दिशा और सहायता दी जाएगी। कार्यक्रम दोपहर 12 बजे जनपद चौक, थाना आमला के सामने आयोजित होगा। यह आयोजन पूरी तरह निःशुल्क है और सभी जरूरतमंद पुरुषों और उनके परिजनों के लिए खुला है। गौरतलब है कि इससे पहले एसआईएफ बैतूल द्वारा कारगिल चौक पर एक श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई थी, जिसमें झूठे मामलों और मानसिक उत्पीड़न के चलते आत्महत्या करने वाले निर्दोष पुरुषों को याद किया गया था। यह आयोजन जोधपुर और बेंगलुरु की घटनाओं की पृष्ठभूमि में किया गया था। उल्लेखनीय है कि एसआईएफ एक राष्ट्रीय संस्था है, जो देशभर में पीड़ित पुरुषों को कानूनी सहायता, काउंसलिंग और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी सहयोग प्रदान करती है। संस्था का उद्देश्य समाज में व्याप्त पुरुषों के प्रति चुप्पी और उपेक्षा को खत्म कर उन्हें न्याय दिलाना है।

बैतूल के काष्ट उद्यमियों को मिलेगा ओडीओपी टिक वुड में प्राथमिकता से सहयोग

बैतूल। जिले के काष्ट उद्योग से जुड़े सूक्ष्म उद्यमियों को एक जिला एक उत्पाद योजना के अंतर्गत प्राथमिकता से सहयोग दिए जाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। बैतूल जिले के सॉ मिल टिंबर कास्ट विनिर्माता संघ के अध्यक्ष भाजपा नेता राजा साहू अपने संगठन के सदस्यों के साथ भोपाल पहुंचे, जहां उन्होंने लघु उद्योग भारती के मध्य भारत प्रांत के अध्यक्ष जी.सी. सेठिया से मुलाकात की। इस मुलाकात में राजा साहू ने बैतूल जिले में सक्रिय सॉ मिल टिंबर काष्ट विनिर्माता संघ की गतिविधियों, चुनौतियों और संभावनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

मौसम की मार से मूंग फसल पकने में 60 की जगह लगेंगे 70 दिन

मानसून की जल्द आमद से मूंग भीगने का बढ़ा खतरा

संजय द्विवेदी, बैतूल। अप्रैल और मई में हुई बारिश और बादल छाए रहने से इस बार ग्रीष्मकालीन मूंग की फसल पकने में देरी की संभावना है। मूंग की फसल को पकने के लिए तेज धूप की जरूरत होती है। इस बार जरूरत के मुताबिक धूप नहीं मिल पाई। इसलिए जानकारों का मानना है कि 60 दिन की फसल को, इस बार 65 से 70 दिन का समय पकने में लग सकता है। वहीं दूसरी ओर अपने तय समय से केरल में 8 दिन पहले ही मानसून आ चुका है। मौसम विभाग के मुताबिक, मप्र. में 15 जून तक मानूसन के पहुंचने की संभावना है। इस अवधि तक जिले के अधिकांश क्षेत्रों में मूंग की फसल पकने की स्थिति में आएगी। इसी दौरान मानसूनी बारिश शुरू हो जाती है, तो मूंग की फसल भीगने से खराब होने की स्थिति बन सकती है। बता दे कि जिले में 15690 हेक्टेयर रकबे में ग्रीष्मकालीन मूंग की बोवनी की गई है। गेहूं की फसल कटने के बाद जिले में मूंग की बोवनी मार्च के आखिरी सप्ताह से शुरू होकर अप्रैल के आखिरी सप्ताह तक की गई है, वहीं कई माह में कई बार बारिश हो चुकी है। बारिश और आसमान में बादल छाने से तेज

धूप भी नहीं निकल पाई। ऐसे में मूंग फसल को सूखने के लिए अतिरिक्त दिन लग सकते है।

लेट बुआई करने वाले किसानों की बढ़ी चिंता– जिले में मूंग फसल की बुआई का कार्य मार्च से अप्रैल तक चला। इस दौरान जिन किसानों ने पहले ही मूंग की बुआई कर दी थी, उनकी फसल पकने पर आ गई है और कुछ क्षेत्रों में कटाई भी शुरू है, वहीं जिन किसानों ने मूंग की बुआई लेट की है, उनकी फसल आने को अभी समय लगेगा। ऐसे में मौसम विभाग द्वारा मानसून को लेकर जारी संकेतों से किसानों में चिंता बढ़ गई है। मौसम विभाग का अनुमान है कि मप्र में 15 जून तक मानसून सक्रिय हो जायेगा। यदि 15 जून से मानसून सक्रिय होता है तो मूंग की फसल भीगने की आशंका बनी रहेगी और किसानों को नुकसान उठाना पड़ेगा, क्योंकि अभी खेतों में मूंग फसल खड़ी है। मूंग भीगती है तो किसानों को बारिश में फसल सूखाने का समय नहीं मिल पायेगा और दाना काला पडऩे की संभावना बनी रहेगी।

समर्थन मूल्य में मूंग खरीदी के लिए नहीं मिले निर्देश– सरकार समर्थन मूल्य पर मूंग की खरीदी भी करती है, लेकिन अभी तक इस संबंध में जिला मुख्यालय कोई निर्देश नहीं मिले है। कृषि विभाग के उप संचालक आनंद बडोनिया का कहना है कि पिछली बार शासन से मूंग खरीदी के निर्देश आये थे और समर्थन मूल्य में मूंग खरीदी भी हुई थी, लेकिन अभी, इस साल समर्थन मूल्य में मूंग खरीदी को लेकर कोई निर्देश नहीं मिले है। निर्देश आने के बाद समर्थन मूल्य में मूंग की खरीदी की जायेगी। इधर किसानों का कहना है कि शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर मूंग खरीदने के लिए पंजीयन शुरू करवा दिए जाएं। समर्थन मूल्य पर मूंग का रेट मंडियों से अधिक मिलता है। इसलिए किसान मूंग की बिक्री समर्थन मूल्य पर करना अधिक पसंद करते हैं। किसानों का कहना है कि शासन को पंजीयन शुरू करवा देना चाहिए।

बारिश से उत्पादन पर असर पड़ने की आशंका

अभी कई क्षेत्रों में मूंग फसल की स्थिति ठीक है। जिससे किसानों को उम्मीद है कि इस बार अच्छा मूंग का उत्पादन होगा, लेकिन यदि मूंग कटाई के समय बारिश होती है तो फसल गीली हो जायेगी और दाना काला पडऩे से किसानों को नुकसान उठाना पड़ेगा। वैसे जिले के अधिकांश क्षेत्रों में अभी फसल पर फल्लियां आ चुकी है। फसल हरी है और फसल को सूखने के लिए तेज धूप की जरूरत है, किन्तु आसमान में बादल छाने और सूर्य के दर्शन नहीं होने से किसान चिंतित है। किसानों का कहना है कि मूंग की कटाई के बाद खरीफ फसल की बुआई के लिए खेत भी तैयार करना है। जिसके लिए कम से कम कुछ समय लगेगा। यदि मूंग फसल ही नहीं कटेगी, तो किसान खरीफ फसल की बुआई में लेट हो जायेगे।

इनका कहना है –

बारिश से मूंग फसल को नुकसान है या फायदा, यह फसल की अवस्था पर निर्भर करता है। वैसे यह बात सही है कि मूंग को सूखने के लिए तेज धूप की जरूरत है, लेकिन बारिश से मौसम में नमी बनी हुई है। इसलिए फसल पकने में 60 दिनों की जगह अधिक समय लगेगा। अभी समर्थन मूल्य में मूंग खरीदी के लिए शासन से कोई निर्देश नहीं मिले है, जैसे ही निर्देश प्राप्त होगे, उस अनुसार कार्य किया जायेगा।

–डॉ. आनंद बडोनिया,
उप संचालक, कृषि विभाग बैतूल

सोहागपुर विधानसभा के प्रत्येक युवक-युवतियों को रोजगार से जोड़ा जाएगा : क्षेत्रीय विधायक विजयपाल सिंह

सुबह सवेरे सोहागपुर। क्षेत्रीय विधायक विजयपालसिं के प्रयास से आज नगर पंचायत परिषद मंगल भवन में वर्धमान फैब्रिक्स कंपनी बुधनी के सानिध्य में सोहागपुर विधानसभा के युवक-युवतियों के लिए रोजगार मेले का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम क्षेत्रीय विधायक विजयपालसिंह के आतिथ्य में संपन्न हुआ।इस अवसर पर नगर पंचायत परिषद अध्यक्ष श्रीमति लता यशवंत पटेल, उपाध्यक्ष आकाश पटैल, वरिष्ठ वकील जेपी माहेश्वरी, विवेकानंद एकेडमी संचालक अनिल गहेरैया, श्रीमति संध्या नागवंशी आदि मंचासीन थे। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक विजयपालसिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते कहा कि सोहागपुर विधानसभा के प्रत्येक युवक युवतियों को रोजगार से जोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। युवक युवतियों को व्यवसाय की ओर ध्यान देना चाहिए। केन्द्र एवं प्रदेश सरकार युवाओं के लिए विभिन्न रोजगार के संसाधन उपलब्ध करा रही है। इसी तारतम्य में आज वर्धमान फैब्रिक्स कंपनी

बुधनी का विशाल रोजगार मेला आयोजन किया गया है। जिसमें युवक युवतियों की शैक्षणिक योग्यता के आधार पर रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। ब्लाक भाजपा अध्यक्ष अश्विनी सरोज ने बताया कि वर्धमान फैब्रिक्स कंपनी बुधनी के रोजगार मेले में करीबन 2 सौ युवक युवतियों ने आवेदन किया था। जिसमें 68 युवक युवतियों का चयन कंपनी ने किया है।

क्षेत्रीय विधायक विजयपालसिंह ने चयनित युवक युवतियों को रोजगार मिलने पर बधाईयां दी है। वहीं अतिथियों ने चयनित युवक युवतियों को फूलमालाओं से स्वागत किया। इसके पूर्व अतिथियों एवं वर्धमान फैब्रिक्स कंपनी के अधिकारियों का स्वागत किया गया।

इस अवसर पर माखननगर भाजपा मंडल अध्यक्ष मनीष चतुर्वेदी पार्षद गौरव पालीवाल, पार्षद रवि उइके, पूर्व पार्षद राकेश चौरसिया, पार्षद आशीष विश्वकर्मा, रामाधार रघुवंशी, धर्मेंद्र सराठे, अभिनव पालीवाल, मिथिलेश ठाकुर, मुस्लिम त्यौहार कमेटी अध्यक्ष वसीम खान,श्रीमती शक्ति मेहरा,अमित चौरसिया सहित कई युवक-युवतियों , गणमान्य नागरिक एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

कैंब्रिज इंटरनेशनल परीक्षा में सतपुड़ा वैली स्कूल के विद्यार्थियों ने लहराया परचम

दीवा डागा ने कॉमर्स और अदिति वर्मा ने साइंस में किया टॉप, स्कूल का परिणाम 100 प्रतिशत

बैतूल। सतपुड़ा वैली स्कूल (कैंब्रिज असेसमेंट इंटरनेशनल एजुकेशन यूके से संबद्ध) का इस वर्ष का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा। स्कूल के दसवीं (आईजीसीएसई), ग्यारहवीं (एएस लेवल) और बारहवीं (ए लेवल) के सभी विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए हैं। इस उपलब्धि के साथ स्कूल के विद्यार्थियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर की परीक्षा में भी जिले का नाम रोशन किया है। स्कूल मैनेजर शिवशंकर मालवीय ने बताया कि दसवीं कक्षा (आईजीसीएसई) की छात्रा दीवा डागा ने अकाउंट्स, मैथेमेटिक्स, बिजनेस स्टडीज और इकोनॉमिक्स जैसे सभी विषयों में ए स्टार ग्रेड प्राप्त कर कॉमर्स स्ट्रीम में टॉप किया है। वहीं अदिति वर्मा ने इंग्लिश, हिंदी, फिजिक्स, बायोलॉजी, मैथ्स और केमिस्ट्री में ए स्टार ग्रेड के साथ साइंस स्ट्रीम में टॉप किया। इसी कक्षा की छात्रा नंदिनी मुलिक ने हिंदी और मैथेमेटिक्स में ए ग्रेड प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कॉमर्स स्ट्रीम में ऋषभ सुराना और रिशित पगारिया ने बेहतरीन प्रदर्शन किया, जबकि साइंस स्ट्रीम में लावन्या मालवीय और आराध्या दुबे ने भी उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम हासिल किया। कक्षा 11वीं (एएस लेवल) में साइंस स्ट्रीम से अत्तदीप चकोटिया और कॉमर्स स्ट्रीम से समर्थ तिवारी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्कूल का नाम रोशन किया। वहीं कक्षा 12वीं (ए लेवल) में ऋषभ पटेल ने उत्तम परिणाम प्राप्त किया। इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर स्कूल की डायरेक्टर दीपाली निलय डागा ने सभी विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों और शिक्षकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह परिणाम शिक्षकों की मेहनत, विद्यार्थियों के समर्पण और अभिभावकों के सहयोग का सम्मिलित फल है। उन्होंने विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते इस उपलब्धि को स्कूल के लिए गौरव का क्षण बताया।

सोहागपुर विधानसभा के मुख्यालय पर 29 मई को कांग्रेस करेगी प्रर्दशन

सुबह सवेरे सोहागपुर। जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिवाकांत पांडे , ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष सोहागपुर आलोक जायसवाल, ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष माखननगर राजेंद्र मुराड़िया , ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष रामपुर गुर्रा इटारसी भरत चौरे , नगर कांग्रेस अध्यक्ष गजेन्द्रसिंह चौधरी , ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष माखननगर संजय गिल्ला आदि ने सोहागपुर विधानसभा मुख्यालय पर 29 मई को विभिन्न मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन का आव्हान किया है। इस संदर्भ में नगर कांग्रेस अध्यक्ष गजेन्द्रसिंह चौधरी ने जारी विज्ञप्ति में कहा है कि मध्यप्रदेश सरकार मूँग खरीदी के लिए तत्काल अधिसूचना जारी करे । ?जिला के किसानों का गेंहू व चना का बकाया भुगतान शीघ्र किया जाए । ?किसानों के नलकूपों की जाँच की जाए और उन्हें अधिभार के बिलों से मुक्त किया जाए ।?सेहरा से सियारखेड़ा पलकमती तक केनाल बनाकर सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराई जाए । ?सोहागपुर और माखन नगर तहसीलों में अतिरिक्त तीन तीन नगद खाद्य वितरण केंद्र (डबल लॉक) खोले जाए । इसी संदर्भ में पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष पुष्पराजसिंह पटेल ने सोशल मीडिया पर भी अपना वक्तव्य जारी करके किसानों एवं प्रबुद्ध जनों से प्रदर्शन में शामिल होने की अपील की है।

मुख्यमंत्री के आगमन की तैयारियों का विधायक डॉ. पंडाग्रे, संभागायुक्त, आईजी व वरिष्ठ अधिकारियों ने किया निरीक्षण

बैतूल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के 28 मई को दोपहर 2 बजे सारणी आगमन पर प्रस्तावित स्व-सहायता समूह सम्मेलन की तैयारियों का रविवार को विधिवत निरीक्षण किया गया। विधायक डॉ. योगेश पंडाग्रे, संभागायुक्त के. जी. तिवारी, पुलिस महानिरीक्षक मिथलेश कुमार शुक्ल सहित अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी द्वारा निरीक्षण किया गया और अधिकारियों को तैयारियों को अंतिम रूप देने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान उपमहानिरीक्षक प्रशांत खरे, कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी, पुलिस अधीक्षक निश्चल झारिया, वन मंडल अधिकारी नवनीत गर्ग भी उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों ने हेलीपैड स्थल, रोड शो मार्ग, मुख्य मंच, प्रदर्शनी क्षेत्र, आमजन के बैठने की व्यवस्था, पेयजल, सुरक्षा एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का अवलोकन कर संबंधित अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। कार्यक्रम स्थल पर व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमला जोशी, एसडीएम अभिजीत सिंह, कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग प्रीति पटेल सहित अन्य विभागीय अधिकारी भी मौजूद रहे।

मां नर्मदा पथ सर्वेक्षण, जन जागरूकता यात्रा के ग्राम माछा नगरागमन पर स्वागत किया

सुबह सवेरे सोहागपुर। मां नर्मदा पथ सर्वेक्षण एवं जन जागरूकता यात्रा ने आज नर्मदा नदी के ग्राम माछा में नगरागमन हुआ। ग्राम में प्रवेश पर जनपद पंचायत परिषद सीईओ संजय अग्रवाल आदि ने नर्मदा सर्वेक्षण यात्रा प्रमुख पवन सहगल का स्वागत किया। इस कार्यक्रम की व्यवस्था ग्राम माता सरपंच संतोष एवं भूपेन्द्र ठाकुर ने की थी।

इस अवसर पर जिला समन्वयक पवन सहगल ने बताया कि मां नर्मदा पथ सर्वेक्षण विभाग की समिति जिसकी अध्यक्षता मुख्यमंत्री मोहन यादव के मार्गदर्शन में तय किया गया है। कि नर्मदा पैदल यात्रियों के लिए पथ बनाया जाए। जिसका बेसिक सर्वे के लिए जन अभियान परिषद के मार्गदर्शन में यात्रा निकाली जाए। जिसमें नर्मदा पथ, जन जागरूकता व वर्तमान में किसान तीसरी फसल व्यवसायिक रूप से लाभ ले रहे हैं। इसके लिए हम फ़सल जहरीली बनाने में लगे हुए हैं। हम लोगों खेत में जहर उगा रहे। इससे हमारे जिले की पहचान केंसर जिले के रूप में होने लगी । इसे हमें नागरिकों के स्वास्थ्य एवं जीवन के लिए रोकना होगा। हमारा एवं प्रदेश

के मुख्यमंत्री ने भी कहा है कि इस संबंध में लोगों को जागरूक करना है । जनपद सीईओ संजय अग्रवाल ने शासन की खेत तालाब योजना की जानकारी दी। वहीं जल गंगा संवर्धन कार्यक्रम के अंतर्गत पानी बचाओं पर सारगर्भित जानकारी देकर कहा कि हम छोटे छोटे प्रयास करेंगे। तभी हम जल बचा सकते । क्योंकि पानी के बिना सब सून है। आपने सभी उपस्थित जनों को जल संरक्षण एवं बचाव की शपथ दिलाई। कार्यक्रम के प्रमुख संत ईश्वरदास जी महाराज ने मूंग भी जहरीली मूंग होने बचाव के लिए सभी ग्रामीणों को शपथ दिलाई। कार्यक्रम का संचालन गजेंद्र ठाकुर ने किया। आभार विकास खण्ड समन्वयक किशोर कड़ोले ने किया। कार्यक्रम में समाजसेवी विशाल गोलानी सोहागपुर, राजेंद्र पटेल, रिषभ गढवाल, नवांकुर संस्था ,निर्मल विकास सेवा समिति, नवरंग कला मंडल, सोहागपुर मित्र संघ , शोभापुर प्रस्फुटन समिति के पुष्पेंद्र व्यास, संदेश मिश्रा, कमल किरार साहिल तिलोटिया, अरविंद सिलावट , उपयंत्री मेडम वर्मा,मेडम पगारेमुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के छात्र,छात्राएं के अलावा ग्रामीण जन भी उपस्थित थे ।

जल एवं स्वच्छता समितियों के पदाधिकारियों को दिया पुनश्चर्या प्रशिक्षण

बैतूल। ग्राम स्तर पर जल जीवन मिशन के अंतर्गत जल एवं स्वच्छता समितियों के पदाधिकारियों का एक दिवसीय पुनश्चर्या प्रशिक्षण 26 मई को ब्लॉक मुख्यालय पर सम्पन्न हुआ। यह प्रशिक्षण लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग एवं ग्रामोद्योग संस्थान के मार्गदर्शन में होटल ग्रीन पार्क, दनोरा में कार्यपालन यंत्री मनोज कुमार बघेल के निर्देशन में आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में ग्राम बडोरा, कोसमी, बाजपुर, अमदर, खडला, बांसपानी, भरकावाड़ी, देवठान, हिवरखेड़ी और जोडकया से आए प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में कुल 50 प्रतिभागी शामिल हुए, जिनमें सरपंच, पंच, सचिव, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता, पंप ऑपरेटर, प्लंबर और स्व-सहायता समूह के सदस्य उपस्थित रहे। जिला समन्वयक एस.एल. मर्सकोले एवं भूपेन्द्र मेनवे ने जानकारी देते हुए बताया कि जल जीवन मिशन हर घर जल की अवधारणा को लेकर केन्द्र सरकार द्वारा संचालित की जा रही है। इस मिशन के तहत पूर्व में भी तीन दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किए गए थे, जिनमें बताया गया था कि योजना की संकल्पना संविधान के 73वें संशोधन को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। योजना के अंतर्गत प्रत्येक गांव को अपनी जरूरतों के अनुसार ग्राम कार्य योजना तैयार करनी होती है। इसमें हर घर को कार्यशील घरेलू नल कनेक्शन उपलब्ध कराया जाता है। योजना के निर्माण, क्रियान्वयन, संचालन और रखरखाव की जिम्मेदारी ग्रामवासियों पर होती है। पुनश्चर्या प्रशिक्षण का उद्देश्य पिछले तीन माह के कार्यों की समीक्षा, चुनौतियों की पहचान, जल कर वसूली की प्रक्रिया, समिति संचालन और विशेषकर जल गुणवत्ता पर चर्चा करना रहा।

पानी की जांच की तकनीकी जानकारी दी

मास्टर ट्रेनर महेश गुंजेले ने बताया कि प्रशिक्षण में हैंडपंप, बोरवेल और नल के पानी की जांच की तकनीकी जानकारी दी गई। पानी के पी.एच. मान, क्लोरीन, हार्डनेस, क्लोराइट, अल्कालिनिटी, आयरन, नाइट्रेट, टर्बिडिटी, फ्लोराइड, अमोनिया आदि की नियमित जांच के महत्व को समझाया गया ताकि ग्रामीणों को गुणवत्ता युक्त जल उपलब्ध कराया जा सके। इसके साथ ही प्रशिक्षण में जल संरक्षण के उपायों जैसे वाटर हार्वेस्टिंग, सोक पिट, वृक्षारोपण, रिचार्ज सिस्टम आदि पर भी विशेष चर्चा की गई। समाजसेवी आशिष कोकने ने जल गंगा संवर्धन और जल बचत पर ग्रामीणों को जागरूक किया। प्रशिक्षण के सफल आयोजन में मास्टर ट्रेनर महेश गुंजेले के साथ निलेश रघुवंशी, आषिष कोकने, नीरज उमरे, कुलभूषण, यमुना परते और कमल उईके का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

पूर्व मंत्री पांसे ने एनएचएआई के अधिकारियों से मांगा पिछला ड्रोन एलानेटिक और एनएसव्ही सर्वे रिपोर्ट का कम्प्लायंस

बैतूल। अपूर्ण फोरलेन निर्माण कुंडी प्लाजा पर टैक्स वसूली बंद किये जाने, अधुरे फोरलेन निर्माण कार्य के एलाईमेंट और गुणवत्ता की जांच किए जाने एवं अन्य समस्याओं को लेकर पूर्व मंत्री एवं उपाध्यक्ष म.प्र. कांग्रेस कमेटी भोपाल सुखदेव पांसे द्वारा 26 मई को रिजनल आफिसर एनएचएआई भोपाल एवं प्रोजेक्ट डायरेक्टर एनएचएआई हरदा को पत्र लिखकर अधुरे फोरलेन निर्माण का पिछला ड्रोन एनालेटिक सर्वे और एनएसव्ही सर्वे रिपार्ट का कम्प्लायंस मांगा है। पत्र में कहा गया है कि शाहपुर के पास कुंडी टोल प्लाजा जिस पर 21 मई से टोल वसूली की जा रही है जबकि वर्तमान में अभी यह मार्ग बरेठा घाट तथा इटारसी के पास बना ही नही है तथा कई जगह पुल-पुलिया बनने शेष है। मार्ग में जगह-जगह गड्ढे है। मार्ग अपूर्ण होने की दशा में उक्त मार्ग एनएचएआई को हैंडओवर नही हो सकता और जब हैंडओवर ही नही हो सकता है तो किस आधार पर टैक्स की वसूली शुरू की जा रही है जो फोरलेन के नियमों के अनुरूप नही है जो दुर्घटनाओ को आमंत्रण दे रहा हैं जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी एन.एच.ए.आई. एवं सडक़ परिवहन मंत्रालय कि होंगी। श्री पांसे ने बैतूल से औबेदुल्लागंज फोरलेन पर शाहपुर के पास अधुरे फोरलेन का पिछला ड्रोन एनालेटिक सर्वे और एनएसव्ही सर्वे की रिपोर्ट का कम्प्लायंस उपलब्ध कराने, कुंडी में शुरू किये गये टोल प्लाजा को शीघ्र बंद कर उक्त अधुरे निर्मित फोरलेन के एलाईमेंट, गुणवत्ता की एक्सपर्ट एजेंसी से जांच कराने के साथ ही बैतूल जिले के स्थानीय लोगों को टोल टैक्स पर छूट या फ्री पास प्रदान किये जाने की मांग की है।

संक्षिप्त समाचार

ग्रीष्मकालीन मूंग में खरपतवारनाशकों के उपयोग को करें हतोत्साहित

सीहोर (निप्र)। ग्रीष्मकालीन मूंग में खरपतवारनाशकों के उपयोग से लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। खरपतवारनाशकों को हतोत्साहित करने की कोशिश करें। प्राकृतिक और जैविक खेती को बढ़ावा मिले। स्वाभाविक फसलों की पैदावार पर विशेष जोर दिया जाए। फसलों का उत्पादन बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गत दिवस कहा कि किसानों को रासायनिक उर्वरकों के स्थान पर उन्नत किस्म के बीज, आधुनिक कृषि यंत्रों, अच्छा भाव, अनुदान आदि का प्रोत्साहन मिले। श्रीअन्न रागी, कोदो-कुटकी, मक्का, ज्वार, बाजरा की फसलों को प्रोत्साहन दिया जाए। इन फसलों के उत्पादक क्षेत्र को अच्छी पैदावार करने के लिए प्रोत्साहन मिले। आवश्यकता अनुसार अनुदान की राशि भी बढ़ाई जाए।

आपूर्तिकर्ता एजेंसी की अनुमति के बिना संचालित फ्यूल पंप पर की गई कार्रवाई

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार जिला आपूर्ति अधिकारी श्री सुनील बोहित, सहायक आपूर्ति अधिकारी एवं जाँच दल द्वारा आष्टा के जावर जोड़ स्थित साहिल बायो फ्यूल पंप को आपूर्तिकर्ता एजेंसी की अनुमति के बिना संचालित करने पर 4759 लीटर डीजल जब्त कर पंप को सील कर दिया गया है। जब्त किए गए डीजल की कीमत 03,33,130 रूपये है। इसके साथ ही पंप से फ्यूल के सैंपल भी लिए गए। इसी प्रकार जांच दल द्वारा आष्टा के मालीबांया स्थित साईं फिलिंग स्टेशन (फ्यूल पंप) पर मूलभूत सुविधाएं नहीं पाने जाने आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के अंतर्गत प्रकरण दर्ज किया गया है।

आयुष विभाग ने बच्चों एवं युवाओं को करवाया योगाभ्यास

बैतूल (निप्र)। कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देशानुसार आयुष विभाग द्वारा 21 मई को मेजर ध्यानचंद हॉकी मैदान पर बच्चों एवं युवाओं को योगाभ्यास करवाया गया। जिला आयुष अधिकारी डॉ.योगेश चौकीकर ने बताया कि यह योगाभ्यास 21 जून अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारी के तारतम्य में करवाया गया एवं प्रतिदिन बच्चों और युवाओं को योगाभ्यास करने के लिए प्रेरित किया गया। जिला आयुष विभाग एवं जिला खेल युवा कल्याण विभाग ने बुधवार को सुबह संयुक्त रूप से हॉकी खेल मैदान पर योगाभ्यास सत्र का आयोजन किया। जिसमें सभी बच्चों एवं युवाओं ने अपनी रुचि दिखाई। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस नोडल अधिकारी डॉ. सरिता डेहरिया, योग प्रशिक्षक नवनीत पवार, कराटे कोच महेंद्र सोनकर, तपेश साहू एवं हॉकी कोच अजय मिश्रा, कबड्डी कोच सुंदर धुर्वे द्वारा योगाभ्यास में सक्रिय भूमिका निभाई गई।

भिलाई के किसान राहुल ने कस्टम हायरिंग सेवा से बदली अपनी तकदीर

बैतूल (निप्र)। जिले के ग्राम भिलाई निवासी कृषक राहुल पवार ने आधुनिक कृषि यंत्रों के माध्यम से न केवल अपनी खेती को लाभदायक बनाया है, बल्कि आसपास के गांवों के किसानों को भी इसका लाभ पहुंचा रहे हैं। उन्होंने कृषि अभियांत्रिकी विभाग द्वारा संचालित कस्टम हायरिंग सेवा केंद्र योजना के अंतर्गत ट्रैक्टर, रोटावेटर, सीड्रिल, ट्रॉली, कल्टीवेटर और थ्रेसर जैसे कृषि यंत्र क्रय किए हैं। कृषक राहुल पवार को इस योजना के अंतर्गत कुल 25 लाख रुपए की राशि बैंक से ऋण स्वरूप प्राप्त हुई, जिसमें शासन द्वारा 10 लाख रुपए की अनुदान सहायता भी प्रदान की गई। इस आर्थिक सहयोग से उन्होंने आधुनिक यंत्रों से सुसज्जित सेवा केंद्र की स्थापना की है। राहुल पवार ने बताया कि अब वे न केवल अपनी खेती में उन्नत तकनीकों का उपयोग कर रहे हैं, बल्कि ग्राम भिलाई सहित आसपास के कई गांवों में इन यंत्रों के माध्यम से सेवा उपलब्ध करवा रहे हैं। इससे उन्हें अच्छी आमदनी हो रही है और ग्रामीण क्षेत्र के अन्य किसान भी लाभान्वित हो रहे हैं।

प्रकृति के लिए विचार प्रारम्भ करना किसान संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य : श्री मोहन नागर

कृषक उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन

बैतूल (निप्र)। मप्र जन अभियान परिषद और भारत भारती शिक्षा समिति के संयुक्त तत्वावधान में मूंग की वैकल्पिक फसलों को उपजाने के लिए कृषकों को प्रेरित-प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से एक दिवसीय कृषक सम्मेलन सह-कार्यशाला का आयोजन 24 मई को भारत भारती परिसर बैतूल में किया गया। जिसके उद्घाटन सत्र में मां भारती के समक्ष अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर संगोष्ठी का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मप्र जन अभियान परिषद उपाध्यक्ष व राज्यमंत्री दर्जा श्री मोहन नागर, श्री सुजीत जी शर्मा, मप्र जन अभियान परिषद शासी निकाय सदस्य श्री बुधपाल ठाकुर, श्री अनिल अग्रवाल, मप्र जन अभियान परिषद कार्यपालक निदेशक डॉ बकुल लाड उपस्थित रहे। कार्यशाला में चयनित कृषकों को मप्र जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष श्री मोहन नागर ने बताया कि मिट्टी सुपोषण, मानव स्वास्थ्य और स्वस्थ पर्यावरण की दिशा में यह आयोजन किया जा रहा है, जिसमें कृषक समुदाय की सहभागिता महत्वपूर्ण होगी। ऋतु अनुसार हमारा शरीर हैं, उसी अनुसार हम कृषि करते है। प्रकृति के लिए विचार प्रारम्भ करना संगोष्ठी का उद्देश्य हैं। मूंग को रसायन मुक्त खेती करने के लिए पशु संपदा, गो माता पालन को पुनः करना होना।अपने बाड़े में पशुपालन पुनः शुरू करे, जिससे हमें रासायनिक मुक्त मूंग की कृषि को सहारा मिले। कार्यपालक निदेशक डॉ.बकुल लाड ने अपने उद्बोधन में कहा कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की पहल-अच्छे मानव स्वास्थ्य के लिए रसायन मुक्त मूंग उत्पादन एवं मूंग फसल की वैकल्पिक व्यवस्था के लिए जागरूकता आवश्यक है। अत्यधिक रसायन का कृषि में उपयोग से जैव विविधता, कृषि भूमि, जल, पर्यावरण एवं मानव स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव हो रहा है। इस कारण जैविक एवं प्राकृतिक कृषि की और बढ़ना हमारी आवश्यकता हो रही है।

मूंग की फसल में सहायक मित्र कीट एवं शत्रु कीट की बताई पहचान : कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक से डॉ विजय वर्मा ने भी मूंग उत्पादक किसानों को सम्बोधित कर बताया कि जल,जलवायु, जमीन, जानवर,जंगल पर हमारी कृषि निर्भर हैं, इनके असंतुलन से जमीन की सेहत बिगड़ गई हैं। जमीन के लिए गोबर अमृत हैं, जिसका वर्तमान में उपयोग न करने से धरती की सेहत बिगड़ गई हैं। कृषि विज्ञान केन्द्र नर्मदापुरम कीट वैज्ञानिक श्री ब्रजेश शर्मा ने भी मूंग की फसल में सहायक मित्र कीट एवं शत्रु कीट की पहचान बताई। किसान कल्याण तथा कृषि विभाग उपसंचालक डॉ आनंद कुमार बड़ोनिया ने भी इस किसान उन्मुखीकरण कार्यशाला में किसानों को मूंग में रसायन के दुष्प्रभाव जैसे कैंसर के मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही हैं अतः मूंग को रसायन मुक्त उगाने या उसके विकल्प के रूप में लगाने पर प्रोत्साहित किया।

किसानों ने जैविक खेती को भी देखा

कार्यशाला के दौरान सभी कृषकों ने भारत-भारती परिसर में हो रही जैविक खेती को भी देखा एवं समझा। कार्यशाला के अंत मे सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। बैतूल, नर्मदापुरम और हरदा के कृषकों, कृषि वैज्ञानिक सहित 100 लोगों ने सहभागिता की। मप्र जन अभियान परिषद से संभाग प्रभारी श्री सैयद जाफरी, जिला समन्वयक हरदा, नर्मदापुरम, बैतूल के जिला एवं विकासखण्ड समन्वयकों ने भी सहभागिता की।

प्रधानमंत्री जन-मन योजना ने हमारे जीवन कि दिशा बदल दी

विदिशा (निप्र)। पीएम जन-मन योजना ने विदिशा जिले की सीमावर्ती ग्राम बडोह तहसील पठारी के हितग्राही भारत सहारिया के परिवार के सदस्यों का जीवन ही बदल दिया है। योजना से अब पक्के घर के मालिक ऐसे बने की घर अंदर नल से जल, बटन दबाते ही बिजली का उजाला, खाना बनाने के लिए अब ईंधन की चिन्ता नहीं ऐसी अनेक योजनाओं ने उनके घर पहुंच कर विकास के द्वार खोले हैं। हितग्राही श्री भारत सहारिया अनुसूचित जनजाति वर्ग का हितग्राही हैं, जिनके पास रहने के लिए एक पक्का घर नहीं था,न ही बिजली पानी एवं अन्य व्यवस्थाए थी वे अपने परिवार के साथ मिट्टी के बने एक कच्चे झोपड़ी में रहते थे, जो बरसात में अक्सर गिरने की कगार पर होती थी। केंद्र सरकार ने आदिवासी समुदायों के लिए जब वर्ष 2023 में प्रधानमंत्री जन-मन योजना की शुरुआत की तो ग्राम पंचायत स्तर पर सर्वेक्षण हुआ। इसमें श्री भारत का नाम चयनित हुआ और उन्हें पीएमजनमन योजना के तहत आवास की स्वीकृति मिली। आयुष्मान कार्ड योजना का लाभ श्री भारत एक गरीब परिवार से ताल्लुक रखते हैं। गाँव में एक दिन पीएमजनमन योजना अंतर्गत आयुष्मान भारत योजना के बारे में प्रचार चल रहा था। इसमे बताया कि सहरिया जनजाति के लिए पीएम जनमन योजनांतर्गत आयुष्मान कार्ड बनवाकर व्यक्ति पांच लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज सरकारी व सूचीबद्ध निजी अस्पतालों में करवा सकता है। श्री भारत पर उस वक्त कार्ड नहीं थी, लेकिन पीएमजनमन योजना आने पर उनका आयुष्मान कार्ड घर पर जाकर बना दिया गया। कुछ महीने बाद, गाँव के ही एक परिचित को दुर्घटना में गंभीर चोट लगी। इलाज में लाखो रुपये लगने वाले थे, लेकिन वह व्यक्ति पहले से बना हुआ आयुष्मान कार्ड

प्रधानमंत्री की पीएमएफएमई योजना से मिला सहयोग घर से शुरू किया कच्ची घानी तेल का व्यवसाय

स्वावलंबी महिलाएं, सशक्त राष्ट्र

बैतूल (निप्र)। प्रदेश सरकार इस वर्ष लोक माता अहिल्या बाई की 300वीं जयंती मनाने जा रही हैं। शासन के प्रयासों से प्रदेश की महिलाएं सशक्त हो रही है और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को पूरा करने में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित कर रही है। ऐसी ही एक कहानी बैतूल मुख्यालय के टिकरी निवासी श्रीमती स्वाति बारस्कर की है, जो किसी भी आम गृहिणी की नहीं, बल्कि एक ऐसी महिला की है, जिसने अपने जीवन के कठिन अनुभवों से प्रेरणा लेकर न सिर्फ अपने परिवार की सेहत को नया जीवन दिया, बल्कि समाज में भी शुद्धता और स्वास्थ्य का संदेश फैलाने का बीड़ा उठाया। आज श्रीमती स्वाति बारस्कर नारी सशक्तिकरण, स्वदेशी उत्पादों के प्रचार और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता की एक मिसाल बन चुकी हैं। श्रीमती स्वाति ने बताया कि उनके ससुर का साइलेंट हार्ट अटैक से निधन हो गया था। इस घटना को बीते एक साल ही हुआ था कि उनकी सासू मां की भी हृदय गति रुकने से मृत्यु हो गई। यही नहीं उनके

पति को भी हृदय संबंधी समस्याएं हुईं और डॉक्टर ने एंजियोग्राफी की सलाह दी। इन हादसों से आहत होकर श्रीमती स्वाति ने अपने घर में इस्तेमाल होने वाले खाद्य तेल को बदलने का निर्णय लिया। उन्होंने डॉक्टर की सलाह और खुद की जागरूकता से रिफाइंड तेल का उपयोग पूरी तरह बंद कर दिया और पारंपरिक तरीके से तैयार किया गया लकड़ी कच्ची घानी का तेल उपयोग में लाना शुरू किया। स्वास्थ्य को सर्वोपरि मानते हुए उन्होंने यहीं से एक नया रास्ता चुना और कच्ची घानी तेल का व्यवसाय शुरू किया। इस पहल को सफल बनाने में उन्हें उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों का सहयोग मिला और प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के तहत उन्हें वित्तीय सहायता के रूप में लोन भी प्राप्त हुआ।

स्वाति ने स्थानीय लोगों को भी दिया रोजगार

इस योजना के तहत उन्होंने घर से ही लकड़ी कच्ची घानी तेल का व्यवसाय प्रारंभ किया, जिसका उद्देश्य न सिर्फ शुद्ध और प्राकृतिक तेल का उपयोग करना था, बल्कि अन्य लोगों को भी शुद्ध तेल के उपयोग के लिए प्रेरित करना था। उनकी यह पहल केवल एक व्यवसाय नहीं रही, बल्कि एक जन-जागरण का माध्यम बन गई। श्रीमती स्वाति का यह व्यवसाय धीरे-धीरे सफल हुआ और उन्होंने इस काम के माध्यम से अन्य स्थानीय लोगों को भी रोजगार देना शुरू कर दिया। इससे न केवल उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ, बल्कि परिवार का स्वास्थ्य भी बेहतर हो गया। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यदि सरकार की योजनाओं का सही लाभ लिया जाए, तो आम लोग भी आत्मनिर्भर बन सकते हैं।

राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन योजना के तहत मिले लोन से श्रीमती बबीता ने पेश की महिला सशक्तिकरण की अनोखी मिसाल

सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले की आष्टा तहसील में रहने वाली श्रीमती बबीता कुंभकार कभी एक साधारण गृहिणी थीं, जो अपने पति की एक छोटी सी किराना दुकान से अपने परिवार की जरूरतें पूरी करने में सहयोग कर रही थीं। उनकी मासिक आमदनी सिर्फ 05 हजार रूपये थी, जिससे घर चलाना मुश्किल होता जा रहा था। श्रीमती बबीता बहुत समय से अपनी इस दुकान सामान बढ़ाने और दुकान के स्तर को बढ़ाने के बारे में सोच रहीं थीं, पर कमजारे आर्थिक स्थिती के कारण उनका यह प्रयास सफल नही हो पा रहा थे।श्रीमती बबीता को एक राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (एनयूएलएम) के बारे में पता चला और यह योजना उनकी ज़िंदगी में बदलाव की किरण बनी। इस योजना का उद्देश्य शहरों में रहने वाली आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं को स्वरोजगार और आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाना और उन्हें लखपति दीदी की श्रेणी में शामिल करना है। इस योजना के अंतर्गत महिलाओं के स्वयं सहायता समूह बनाए जाते हैं, जिनके माध्यम से महिलाएं आपसी सहयोग, बचत और लोन की सुविधा प्राप्त करती हैं। श्रीमती बबीता कुंभकार ने बताया कि उनके लक्ष्मी स्व सहायता समूह में 12 महिलाओं हैं और श्रीमती बबीता इस समूह की सचिव हैं। इस समूह को इस योजना के तहत 02 लाख 85 हजार रुपये का सामूहिक लोन मिला, जिसमें से 32 हजार रुपये श्रीमती बबीता को मिले। उन्होंने इस राशि का सदुपयोग किया और अपनी छोटी दुकान को एक जनरल स्टोर में बदल दिया। उन्होंने किराना के साथ-साथ मनिहारी, सौंदर्य प्रसाधन, बच्चों की चीजें और दैनिक उपयोग का सामान रखना शुरू किया। धीरे-धीरे उनकी मेहनत रंग लाने लगी। पहले जो दुकान सिर्फ़ रोज़मर्रा का गुज़ारा करती थी, अब एक चलती-फिरती दुकान बन गई। अब उनकी मासिक आमदनी 10 हजार रूपये से 15 हजार रुपये तक पहुंच गई है। वे सिर्फ़ आर्थिक रूप से नहीं, बल्कि मानसिक रूप से भी सशक्त हुई हैं। आज श्रीमती बबीता कुंभकार लखपती दीदी के नाम से जानी जाती हैं। श्रीमती बबीता दूसरी महिलाओं को भी स्व सहायता समूहों से जुड़ने और आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित कर रही हैं। श्रीमती बबीता कहती हैं कि अगर हम खुद पर विश्वास करें और साथ मिलकर चलें, तो कोई भी कार्य कठिन नही होता। श्रीमती बबीता कुंभकार की यह कहानी अनेकों महिलाओं के लिए सम्मान और आत्मविश्वास को तो प्रेरित करती ही है, बल्कि महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देती है। श्रीमती बबीता कुंभकार ने इस योजना के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को धन्यवाद दिया है।

बारिश में करंट से बचने के लिये एडवायजरी जारी

विदिशा (निप्र)। मॉनसूनी मौसम के दौरान हवा में नमी के कारण करंट लगने की आशंका ज्यादा रहती है। करंट से लोगों की मौत हो जाती है। लेकिन ज्यादातर मौतों को टाला जा सकता है। ज्यादातर मौतें घरों में अर्थिंग नहीं होने या कमजोर अर्थिंग की वजह से होती है। अर्थिंग या तो स्थानीय स्रोत से प्राप्त की जा सकती है या घर पर ही गहरा गढ्ढा खोदकर खुद बनाई जा सकती है। बारिश में बिजली से होने वाली दुर्घटनाओं से बचने के लिए विद्युत विभाग द्वारा एडवायजरी जारी की गयी है। जारी एडवायजरी में घर में अर्थिंग की उचित व्यवस्था रखें। हरे रंग के तार को हमेशा याद रखें , इसके बिना कभी बिजली उपकरण का प्रयोग न करें, खास कर जब यह पानी के स्रोत को छू रहा हो। पानी करंट के प्रवाह की गति को बढ़ा देता है, इसलिए नमी वाले माहौल में अतिरिक्त सावधानी रखें। दो पिन वाले बिना अर्थिंग के उपकरणों का प्रयोग न करें। तीन पिन वाले प्लग का प्रयोग करते समय ध्यान रखें कि तीनों तार जुड़े हों और पिने खराब न हों। तारों को साकेट में लगाने के लिए माचिस की तीलियों का प्रयोग न करें। किसी भी तार को तब तक न छुएं, जब तक बिजली बंद न कर दी गई हो। अर्थिंग के तार को न्यूट्रल के विकल्प के तौर पर प्रयोग न करें। सभी जोड़ों पर बिजली वाली टेप लगाएं, न कि सेलोटेप या बेंडेड। गीजर के पानी का प्रयोग करने से पहले गीजर बंद कर दें। हीटर प्लेट का प्रयोग नंगी तार के साथ न करें। घर पर सूखी रबड़ की चप्पलें पहनें। घर पर मिनी सर्किट ब्रेकर और अर्थ लीक सर्किट ब्रेकर का प्रयोग करें। मेटलिक बिजली उपकरण पानी के नल के पास न रखें। रबड़ के मैट और रबड़ की टांगों वाले कूलर स्टैंड बिजली उपकरणो को सुरक्षित बना सकते हैं। केवल सुरक्षित तारें और फ्यूज का ही प्रयोग करें। अर्थिंग की जांच हर छह महीने में करते रहें।

निर्माण कार्यों की समीक्षा

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने आज जिले में क्रियान्वित निर्माण कार्य की समीक्षा कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार में की। उन्होंने विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की कोताही नहीं बरती जाए। निर्माण कार्यों पर सतत नजर रखने के भी निर्देश उन्होंने दिए है। कलेक्टर श्री गुप्ता ने निर्माण कार्यों के दौरान अन्य विभागो से संबंधित समस्याओं के समाधान के उद्धेश्य से आयोजित इस बैठक में उन्होंने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय स्थापित कर बारिश से पहले सभी कार्य पूर्ण कराएं ताकि आवागमन प्रभावित ना हो सकें।

साइन बोर्ड

कलेक्टर श्री गुप्ता ने निर्माण ऐजेन्सी को निर्देश दिए है कि निर्माण कार्यो के स्थलो पर सूचना पटल अवश्य लगाएं ताकि निर्माण कार्यो से संबंधित जानकारी सुगमता से प्राप्त हो सकें। इसी प्रकार सडको के निर्माण कार्यो के दौरान किसी भी प्रकार की दुर्घटना ना हो इसके लिए साइन बोर्ड बडे पैमाने पर ऐसे स्थलों पर लगाएं जहां से सुगमता से देखा जा सकें।

एम्बुलेंस

कलेक्टर श्री गुप्ता ने निर्माण कार्यो की समीक्षा बैठक के दौरान नेशनल हाईवे और एमपीआरडीसी के निर्माण कार्य खासकर सडको के निर्माण की समीक्षा के दौरान उन्होंने नियत स्थलो पर एम्बुलेंस रखने की क्रियान्वित प्रक्रिया के संबंध में दिशा निर्देश दिए है। कलेक्टर श्री गुप्ता ने कहा कि टोल फ्री नम्बर का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार कराया जाए ताकि सड़क पर कहीं किसी भी प्रकार की कोई दुर्घटना घटित होती है तो घायलो को अविलम्ब चिकित्सीय सुविधा मिल सकें।

बैठक में बताया गया कि सड़क दुर्घटना में सम्पर्क करे इसके लिए 100 डायल, 108 अथवा 1099 पर कॉल किया जा सकता है। वहीं एनएचआई के 1033 पर सम्पर्क कर एम्बुलेंस की सुविधा अविलम्ब प्राप्त की जा सकती है इसके अलावा टोल प्लाजाओं पर दी जाने वाली सुविधाओं के संबंध में जानकारियां सांझा की गई है।

बैठक में एनएच, पीएमजीएसबाय, पुलिस हाउसिग बोर्ड, आरईएस, पीडब्ल्यूडी, सडक व भवन, एमपीआरडीसी, पीडब्ल्यूडी ब्रिज, एनएचएआई और मध्यप्रदेश हाउसिंग बोर्ड के माध्यम से जिले में सम्पादित कराए जा रहे निर्माण कार्यो की समीक्षा की गई। कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार कक्ष में हुई इस बैठक में अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर, संयुक्त कलेक्टर एवं निर्माण कार्यो के लिए नियुक्त जिला नोडल अधिकारी श्रीमती शशि मिश्रा के अलावा पूर्व उल्लेखित निर्माण विभागो के जिलाधिकारी, संभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

श्रम कल्याण हॉल सारणी में नागरिक सुरक्षा प्रशिक्षण शिविर संपन्न

बैतूल (निप्र)। जिले के श्रम कल्याण हॉल सारणी में एक दिवसीय नागरिक सुरक्षा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन शनिवार को किया गया। कार्यक्रम में पीसी सुनीता पंद्रे, हवलदार अनुदेशक श्री बलिराम सरयाम, होमगार्ड तथा एसडीईआरएफ के जवानों द्वारा डब्लूसीएल के अधिकारी और कर्मचारी, एमपीईबी के कर्मचारी, सुरक्षा गार्ड, कोटवार सहित कुल 107 सिविल डिफेंस वालंटियर्स को आंतरिक सुरक्षा के अंतर्गत नागरिक सुरक्षा की भूमिका, प्रकार तथा इसकी विभिन्न सेवाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। प्रतिभागियों को यह बताया गया कि किस प्रकार आपातकालीन परिस्थितियों में नागरिक सुरक्षा बल प्रभावी भूमिका निभाते हैं। प्रशिक्षण के दौरान हवाई हमले के समय बजने वाले विभिन्न प्रकार के सायरनों की पहचान और उनका महत्व, बिजली एवं रोशनी के पूर्ण बंदी के दौरान सुरक्षा उपायों की जानकारी दी गई। इसके अलावा आपातकाल में भीड़ को नियंत्रित करने की रणनीतियों का अभ्यास करवाया गया।

आपदाग्रस्त क्षेत्रों में खोज एवं बचाव कार्यों की प्रक्रिया का मॉक ड्रिल के माध्यम से प्रदर्शन किया गया। घायलों को प्राथमिक उपचार देना, पट्टी बांधना तथा उन्हें एक स्थान से दूसरे स्थान पर सुरक्षित ले जाने की तकनीकों का अभ्यास करवाया गया। इस दौरान जीवन रक्षक प्रक्रिया सीपीआर की जानकारी और प्रदर्शन किया गया, जिससे आपातकाल में किसी व्यक्ति को समय रहते सहायता दी जा सके।

जीवन कौशल सक्षम कार्यक्रम के तहत आयोजित सात दिवसीय समर कैंप का किया समापन

बैतूल (निप्र)। जिले के शाहपुर विकासखंड के भौरा में संचालित सक्षम जीवन कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित 7 दिवसीय समर कैंप का समापन उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ। यह कैंप कम्युनिटी यूथ लीडर सीवायएल पूनम पासी द्वारा समुदाय में पटेल कॉलोनी में आयोजित किया गया, जिसमें 21 बच्चों को जीवन कौशल, रचनात्मक गतिविधियां एवं टीमवर्क सिखाया गया। इस समर कैंप में 6 से 14 वर्ष के बच्चों ने भाग लिया। कैंप का उद्देश्य बच्चों में आत्मविश्वास, संवाद कौशल और नेतृत्व क्षमता का विकास करना था। इस कैंप का उद्देश्य न केवल बच्चों को रचनात्मक एवं व्यवहारिक ज्ञान प्रदान करना है, बल्कि उन्हें प्रकृति और अपने आत्मविकास के प्रति जागरूक करना 7 सीवायएल कम्युनिटी युथ लीडर पूनम पासी ने बताया कि समर कैंप के दौरान उन्होंने बच्चों को पर्यावरण के प्रति भी संवेदनशील किया जैसे बीजों की महत्ता , अंकुरण प्रक्रिया, पेड़ों का महत्व साथ ही कैसे अनुपयोगी वस्तुएं जैसे पुराने अख़बार, शादी की पत्रिका, पुराने कपड़े इत्यादि से खिलौना थैलीया गुड़िया आदि बनाना सीखा, चित्रकाला भी करवाई गई।

भाजपा नेता के दबाव में बदला अधिकारी

तबादला सीजन में बुंदेलखंड के एक जिले में अधिकारी की तैनाती को लेकर प्रदेश भाजपा का शीर्ष नेतृत्व का इतना ज्यादा दबाव झेलना पड़ा कि विभाग ने दलित अधिकारी को तबादले के 24 घंटे के भीतरी ही हटाकर बीजेपी के चाहते अधिकारी को वहां पर बैठा दिया। सूत्र बताते हैं कि विभागीय मंत्री की दलित अधिकारी को बदलने की कटाई मंशा नहीं थी लेकिन संगठन के दबाव के आगे उसकी उनकी नहीं चली। मंत्री

मोहन का मंत्रालय

आशीष चौधरी

को दबाव में दलित अधिकारी को बदलने का फैसला लेना पड़ा। संगठन ने वहां जिस अधिकारी की पोस्टिंग कराई है उसको लेकर विभाग में काफी विरोध है, यह बात संगठन के नेता भी जानते थे लेकिन भाजपा नेता के कार्यालय से जुड़ा मसला होने के कारण दलित अधिकारी को वहां से हटकर चाहते अधिकारी को पोस्टिंग दी गई। बता दे कि संगठन में जातिवाद को लेकर बदनाम है भाजपा के पदाधिकारी और जिले में भी उसी जाति के अधिकारी को पदस्थ कराया है। जबकि जिले में दलितों की जनसंख्या भी काफी है वहां का सांसद दलित है।

ACR पर लगा झटका

सुप्रीम कोर्ट के ताजा फैसले ने मध्य प्रदेश के आईएफएस केडर के अधिकारियों को बड़ी राहत दी है। सुप्रीम कोर्ट ने आईएएस अधिकारियों द्वारा आईएफएस अधिकारियों की वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट लिखने का अधिकार छीन लिया है और IFS अधिकारी की गोपनीय रिपोर्ट लिखने के मध्य प्रदेश सरकार के जून 2024 के आदेश को रद्द कर दिया है। अब आईएफएस अधिकारी की वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट (एसीआर) इसी केडर के वरिष्ठ आईएफएस अधिकारी ही लिख सकेंगे। सुप्रीम कोर्ट के इस ताजा फैसले से आईएएस अधिकारियों में जरूर निराशा होगी लेकिन कोर्ट का यह फैसला अन्य राज्यों के लिए भी नजीर बन सकता है। मप्र के लिये केवल वन विभाग के विभागाध्यक्ष के लिए यह व्यवस्था नहीं रहेगी और उनकी ACR, मुख्य सचिव स्तर के अधिकारी ही लिखेंगे।

सीएम की घोषणा से कहीं खुशी, कहीं गम

प्रदेश के कर्मचारी जगत में इन दिनों एक कार्यक्रम को लेकर बहस छिड़ी हुई है। मान्यता प्राप्त संगठन के पदाधिकारी कार्यक्रम को लेकर दबी जुबान में आपत्ति तो कर रहे हैं लेकिन जब कार्यक्रम में प्रदेश का मुखिया पहुंचे तो उनकी मुखर बोलती बंद है। अब दूसरे कर्मचारी संगठन कार्यक्रम में सीएम को बुलाने की तैयारी में हैं । सूत्र बताते हैं कि कर्मचारी संगठनों के नेताओं को आपत्ति इस बात की है कि एक संगठन का पंजीयन निरस्त हो चुका है और अदालत में मुकदमा दायर करने का नोटिस पंजीयक फर्म्स एवं संस्थाएं द्वारा जारी किया गया है। ऐसी संस्था जिसके पदाधिकारियों पर पंजीयक की ओर से मुकदमा दायर करने की कार्रवाई प्रचलित हो उसके कार्यक्रम में मुख्यमंत्री का आना क्या उनकी गरिमा के अनुरूप है। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में कर्मचारियों के लिए काफी घोषणाएं की जिसकी कर्मचारी जगत में काफी सराहना भी हुई लेकिन यह घोषणा ऐसे कर्मचारी संगठन के मंच से हुई जो दूसरे कर्मचारी संगठन को अब पच नहीं पा रही है वह इसको लेकर न केवल नाराज है बल्कि अपना विरोध मुख्यमंत्री के समक्ष में जताने का मन बना चुके हैं।

बढ़ सकती है तबादलों की तारीख

राज्य सरकार सामान्य तबादलों पर छूट की तारीख 10 दिन बढ़ा सकती है। हालांकि कैबिनेट निर्णय के अनुसार 1 से 30 मई तक सामान्य तबादलों पर छूट है लेकिन अधिकांश विभागों की तबादला सूची अभी तक जारी नहीं हुई है और सामान्य तबादलों पर छूट की आखिरी तारीख नजदीक आ गई है। इधर शासन-प्रशासन का अमला पूरी तरह 30 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भोपाल दौरे पर केंद्रित हो गया है। मंत्रियों को भी सरकार ने जिम्मेदारी सौंप दी है। ऐसी स्थिति में विभागों की तबादला सूची अभी अंतिम रूप से तैयार नहीं हुई है और उसे सूची पर विभागीय मंत्री का प्रशासकीय अनुमोदन होना है। समय अभाव को देखते हुए राज्य सरकार सामान्य तबादलों पर 10 जून तक छूट बढ़ा सकती है।

मुरैना में डबल मर्डर, चाचा-भतीजे को गोली मारी

अवैध शराब पकड़ने निकले थे ; दूसरे गुट ने ताबड़तोड़ फायरिंग की

मुरैना (नप्र)। मुरैना के सिहौनिया थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह दो शराब कारोबारियों की गोली मारकर हत्या हो गई। पहले खबर आई थी कि दोनों ने एक-दूसरे पर गोली चलाई थी। बाद में पता चला कि मिरघान गांव निवासी बंटी भदौरिया और भोला भदौरिया रिश्ते में चाचा-भतीजे थे, जिन्हें किसी और ने गोली मारी है। घटना आज (सोमवार) सुबह करीब 8 बजे भाई खां का पुरा गांव के पास हुई।

जानकारी के मुताबिक बंटी, भोला का चाचा था। बंटी को सोमवार सुबह किसी ने फोन पर जानकारी दी कि कोई अवैध शराब लेकर आ रहा है। यह सुनकर भोला भी बंटी के पास पहुंचा। दोनों फोन पर बताई जगह के लिए कार से रवाना हो गए।

वे सिहौनिया थाना क्षेत्र के भाई खां का पुरा गांव पहुंचे। यहां अवैध शराब कारोबार से जुड़े दूसरे ग्रुप के प्रदीप तोमर, लुक्का तोमर और ललकी पंडित पहले से मौजूद थे। दोनों गुट एक-दूसरे से विवाद करने लगे। इसी बीच बंटी की ओर से फायरिंग हुई, ये देखकर विरोधी गुट ने भी गोलीबारी शुरू कर दी, जिसमें बंटी और भोला की मौत हो गई।

मृतक बंटी अवैध शराब का सिंडिकेट चलाता था

जानकारी के मुताबिक मुरैना जिले का शराब का ठेका राजा परमार नाम के कारोबारी के पास है। बंटी भदौरिया अपने भतीजे भोला भदौरिया के साथ मिलकर अवैध शराब का सिंडिकेट चलाता था। विरोधी पार्टी के प्रदीप तोमर, लुक्का तोमर और ललकी पंडित भी अवैध शराब का कारोबार करते हैं। दोनों पक्षों के बीच पहले भी कई बार झड़प हो चुकी है।

कटारे बोले-कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी

एमपी विधानसभा में उप नेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा- मध्यप्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है। मुरैना जैसे संवेदनशील जिले में दिनदहाड़े सरेआम गोलीबारी की घटना कोई सामान्य बात नहीं, यह सरकार की नाकामी का प्रतीक है।

दतिया में बाइक सवार दंपत्ति को ट्रक ने मारी टक्कर

महिला की मौत, पति घायल ; शादी समारोह में शामिल होने झांसी जा रहे थे

दतिया (नप्र)। दतिया के नेशनल हाईवे-44 पर राजघाट कॉलोनी तिराहे के पास बाइक सवार दंपत्ति को अज्ञात ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका पति गंभीर रूप से घायल हो गया।

जानकारी के मुताबिक ग्राम एरई निवासी रामसिंह अहिरवार अपनी पत्नी अहिल्या (56) के साथ झांसी (उत्तर प्रदेश) शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। रास्ते में अचानक राजघाट कॉलोनी तिराहे के पास तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी।

महिला की मौके पर मौत, पति अस्पताल में भर्ती

हादसे में अहिल्या को गंभीर चोटें आईं। राहगीरों ने तुरंत महिला को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं, पति रामसिंह गंभीर घायल हैं और जिला अस्पताल में उनका इलाज जारी है।

ट्रक चालक फरार, पुलिस जांच में जुटी

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मर्ग कायम कर लिया है और अज्ञात ट्रक की तलाश शुरू कर दी है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। मृतका के परिवार में शोक का माहौल है।

उप राष्ट्रपति धनखड़ ने कृषि उद्योग समागम 2025 कृषि प्रदर्शनी का किया शुभारंभ

जैविक उत्पादों, महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण नवाचारों की प्रशंसा की

भोपाल (नप्र)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नरसिंहपुर में कृषि उद्योग समागम-2025 में कृषि प्रदर्शनी का शुभारंभ किया।

कृषि प्रदर्शनी में आधुनिक कृषि तकनीकों, यंत्रों और नवाचारों का प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनी में ड्रोन आधारित कृषि तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस युक्त उपकरण, पॉवर स्प्रेयर, सूक्ष्म सिंचाई संयंत्र, जैविक एवं नैनो फर्टिलाइज़र सहित विविध नवीनतम संसाधनों को प्रदर्शित किया गया। उपराष्ट्रपति श्री धनखड़ ने सभी स्टॉलों का अवलोकन कर विकसित की गई तकनीकों की प्रशंसा की। उप राष्ट्रपति ने प्रदर्शनी में कृषकों से प्रत्यक्ष संवाद कर उत्पादों की

गुणवत्ता, तकनीक एवं विपणन के विषय में जानकारी ली तथा उनके नवाचारों की सराहना की। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं के प्रयासों की सराहना की एवं उन्हें आत्मनिर्भर भारत अभियान के लिए सशक्त कड़ी बताया।

पशुपालन विभाग द्वारा आचार्य गोवंश संवर्धन योजना के अंतर्गत प्रदर्शनी में भारतीय उन्नत नस्ल की दुधारू गायों का प्रदर्शन किया गया। इसमें गिर नस्ल की उस गाय को विशेष रूप से प्रस्तुत किया गया, हाल ही में आयोजित भारतीय उन्नत नस्ल की दुधारु गाय प्रतियोगिता 2025 में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। उपराष्ट्रपति श्री धनखड़ ने स्वयं गाय को चारा खिलाकर गौसंवर्धन के प्रति अपनी संवेदनशीलता प्रदर्शित की।

निवेश प्रस्तावों को मूर्तरूप देने सतत संपर्क में रह आवश्यक मार्गदर्शन एवं सहयोग करें प्रदान : उप मुख्यमंत्री

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने निर्देश दिए हैं कि निवेशकों से नियमित संवाद सुनिश्चित किया जाए और प्रस्तावों को मूर्तरूप देने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन एवं सहयोग प्रदान किया जाए। उन्होंने कहा कि निवेशकों से चर्चा कर उनकी ऐसी आवश्यकताओं की पहचान की जाए जिनमें शासन या प्रशासन का सहयोग अपेक्षित है, उनके समाधान के लिए अंतरविभागीय समन्वय किया जाए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मंत्रालय भोपाल में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा क्षेत्र से संबंधित निवेश प्रस्तावों की वृहद समीक्षा की।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने पूर्व निवेश नीति के पात्र निवेशकों को अनुदान (सब्सिडी) वितरण के लिए प्रशासनिक औपचारिकताओं को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य है कि हर क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण और अत्याधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं और प्रदेश को मेडिकल हब के रूप में विकसित किया जाए। बैठक में निवेश प्रस्तावों की प्रगति, भूमि उपलब्धता, नीति लाभ, एवं प्रशासनिक सहयोग पर भी विस्तृत चर्चा हुई।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि नवीन हेल्थ सेक्टर इन्वेस्टमेंट प्रमोशन पॉलिसी - 2025 में प्रदेश के हर क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं के विकास हेतु ठोस प्रावधान किए गए हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि कैटेगरी 'B' और 'C' शहरों के लिए प्राप्त प्रस्तावों के साथ-साथ वृहद परियोजनाओं पर सुनियोजित योजना बनाकर कार्य किया जाए।

प्रदेश में अब तक स्वास्थ्य अधोसंरचना क्षेत्र के कुल 180 निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिनकी कुल अनुमानित लागत 49,990 करोड़ रुपये है। इन प्रस्तावों में कैटेगरी A के लिए 155 प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिनकी लागत 47,856 करोड़ रुपये है। कैटेगरी 'B' में 1,911 करोड़ रुपये लागत के 18 प्रस्ताव और कैटेगरी 'C' में 222 करोड़ रुपये के 7 प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं।

छिंदवाड़ा में दुर्लभ बीमारी से ग्रसित बच्चे का जन्म

मासूम के शरीर पर मोटी और सख्त त्वचा ; देखभाल और उपचार काफी चुनौती भरा

छिंदवाड़ा (नप्र)। छिंदवाड़ा के परासिया क्षेत्र में एक बार फिर से ऐसा मामला सामने आया है, जिसने डॉक्टरों से लेकर स्थानीय लोगों तक को हैरान कर दिया है। सरकारी अस्पताल में नवजात शिशु का पूरा शरीर सफेद परत से ढका हुआ है। वह साधारण साधारण बच्चों सा बिल्कुल भी नहीं दिखता। लोग कह रहे हैं कि बच्चा एलियन की तरह दिख रहा है।

डॉक्टर ने बताया कि यह हार्लेक्विन इचिथोसिस नाम की एक दुर्लभ बीमारी है। इस बीमारी के चलते गर्भ में शिशु का विकास सही से नहीं हो पाता है। इसकी वजह से बच्चा असामान्य रूप में जन्म लेता है। इस बीमारी से प्रभावित बच्चों की त्वचा सख्त और मोटी हो जाती है, जो सफेद रंग की परत के रूप में नजर आती है।

3 मामले पहले सामने आए

यह कोई पहला मामला नहीं है। जानकारी के अनुसार परासिया क्षेत्र में पहले भी 3 ऐसे ही मामले सामने आ चुके हैं। इस बार भी जन्म लेने वाले बच्चे के इलाज के लिए उसे जिला अस्पताल छिंदवाड़ा में भर्ती किया गया है। बीएमओ बीएमओ शशि अतुलकर ने बताया कियह मामला दुर्लभ बीमारी से जुड़ा हुआ है। इसकी वजह से नवजात की देखभाल और उपचार काफी चुनौतीपूर्ण होता है। जिला अस्पताल के डॉक्टरों की टीम इस बच्चे का उपचार कर रही है।

पटवारी ने ली रिश्वत, पिता चबा गए सारे नोट

छतरपुर में लोकायुक्त की टीम ने मुंह खोलकर निकालने की कोशिश की ; अल्ट्रासाउंड करवाना पड़ा

पंकज दुबे, आरोपी

छतरपुर (नप्र)। सागर लोकायुक्त की टीम ने नौगांव में सोमवार सुबह पटवारी को 5 हजार की रिश्वत लेते पकड़ा। पटवारी ने यह रिश्वत जमीन के सीमांकन के लिए मांगी थी। जैसे ही किसान ने पटवारी को घर पर जाकर रिश्वत की राशि दी। टीम पीछे से पहुंच गई। यह देख घर में हड़कंप मच गया।

पटवारी के पिता ने दराज से रिश्वत के रुपए निकले और टीम के सामने ही उसे चबा लिया। टीम ने तत्काल मुंह खोलकर रुपए निकालने की कोशिश, लेकिन नाकाम रहे। इस दौरान धक्कामुक्की भी हुई। पुलिस के पहुंचने बाद टीम बुजुर्ग को अस्पताल लेकर पहुंची और अल्ट्रासाउंड करवाया।

सीमांकन के लिए 10 हजार की रिश्वत मांगी थी- पटवारी पंकज दुबे नौगांव के करारा हल्का में पदस्थ है। लोकायुक्त की टीम सुबह ने नौगांव में उसके बिजली ऑफिस के बगल में स्थित घर पर ये कार्रवाई की। नैगुवा ग्राम पंचायत के किसान दयाराम राजपूत से पटवारी ने सीमांकन के एवज में 10 हजार की रिश्वत मांग की थी।

बाद में पटवारी ने 26 मई को 5 हजार रुपए देने को कहा था। परेशान किसान ने 19 तारीख को सागर लोकायुक्त को इसकी शिकायत की। टीम ने 20 तारीख को इसकी रिकॉर्डिंग करवाई और मामले को जांच में लिया। 26 तारीख को रुपए देकर किसान को टीम ने योजनाबद्ध तरीके से पटवारी के घर भेजा।

टीम के सामने निगला पिता ने पैसा- सुबह करीब 10 बजे जैसे ही किसान पटवारी के घर पहुंचा और उसे 5 हजार रुपए दिए। पटवारी ने उसे तत्काल दराज में रख दिया। इसी दौरान लोकायुक्त टीम भीतर दाखिल हुई। किसान के दराज की ओर इशारा करने पर टीम उन रुपयों को निकालती, इसके पहले ही पटवारी के पिता देवीदीन दुबे तेजी से दराज की ओर दौड़े। उन्होंने रुपए निकाले और टीम के सामने ही मुंह में डाल लिया।

पटवारी के पिता ने की झूमाझटकी

टीम ने रुपए निगलते देख तत्काल उन्हें रोकने की कोशिश की। उनकी गर्दन पकड़कर मुंह खोलने का प्रयास किया, लेकिन वे नाकाम रहे। देवीदीन रुपए निकल चुके थे। मुंह खोलते समय देवीदीन ने टीम से झूमाझटकी भी की। इसके टीम ने पुलिस को मौके पर बुलाया। नौगांव थाना प्रभारी सतीश सिंह सहित बल के साथ मौके पर पहुंचे। टीम ने सबूत के तौर पर पटवारी के घर में लगे सीसीटीवी कैमरे का डीवीआर और अन्य रिकॉर्ड जब्त किया। इसके बाद देवीदीन को लेकर जिला अस्पताल पहुंचे, यहां अल्ट्रासाउंड करवाया गया।

बाप-बेटा दोनों को आरोपी बनाया गया

सागर लोकायुक्त इंस्पेक्टर केपीएस वैन ने बताया कि 19 मई को शिकायत मिली थी। 20 मई को रिकॉर्डिंग करवाई जिसमें 5000 देने की बात की गई थी। 26 तारीख का समय दिया गया था। दोनों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

14 से 16 जून तक बीजेपी विधायक-सांसदों का ट्रेनिंग कैंप

पचमढ़ी में बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष करेंगे उद्घाटन, समापन में केंद्रीय गृह मंत्री शामिल होंगे

भोपाल (नप्र)। पचमढ़ी में 14 से 16 जून तक बीजेपी के विधायकों सांसदों का ट्रेनिंग कैंप आयोजित होगा। इस ट्रेनिंग कैंप में एमपी बीजेपी के सभी विधायक, मंत्री और लोकसभा, राज्यसभा के सांसद शामिल होंगे। उद्घाटन में बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा आयेंगे। वहीं, समापन में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शामिल होंगे।

विधायकों, सांसदों को 5 साल में दिया जाता है प्रशिक्षण

विधानसभा और लोकसभा चुनाव के बाद नवनिर्वाचित विधायकों, सांसदों को भाजपा 5 साल में एक बार प्रशिक्षण देने का कार्यक्रम आयोजित करती है। यह ट्रेनिंग कैंप इस साल की शुरुआत में होना था। लेकिन संगठन चुनाव के चलते इसे आगे बढ़ा दिया गया था।

लगातार आए विवादित बयान, प्रशिक्षण का एक कारण ये भी

11 मई को जनजातीय कार्य मंत्री कुंवर विजय शाह ने कर्नल सोफिया कुरैशी पर विवादित बयान दिया। इसके बाद डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा, सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते, विधायक नरेंद्र प्रजापति के बयानों से भी विवाद बढ़ा। ऐसे में लगातार आ रहे विवादित बयानों के बाद पार्टी अब सभी विधायकों और सांसदों को प्रशिक्षण देने जा रही है।

संगठन की मजबूती के लिए कार्यकर्ताओं से सतत संपर्क बनाए रखें

देवी अहिल्याबाई होल्कर ने समाज को सफल नेतृत्व दिया : हितानंद

छिंदवाड़ा। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश संगठन महामंत्री श्री हितानंद जी ने सोमवार को छिंदवाड़ा भाजपा कार्यालय में जिला कोर कमेटी, मंडल अध्यक्षों एवं भाजपा के वरिष्ठ नेताओं सहित जिला पदाधिकारी, मोर्चा अध्यक्षों की बैठक को संबोधित कर चौरई में देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती पर आयोजित संगोष्ठी को संबोधित किया। पार्टी के प्रदेश संगठन महामंत्री श्री हितानंद जी ने कहा कि हमें संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के लिए काम करना है। संगठन की मजबूती के लिए हमें कार्यकर्ताओं के साथ लगातार संपर्क और संवाद बनाए रखना है। देवी अहिल्याबाई होल्कर ने समाज व राष्ट्र उत्थान के कार्यों में आदर्श स्थापित किया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में राष्ट्र निर्माण की नीतियां देवी अहिल्याबाई होल्कर से प्रेरित हैं।

संगठन कार्यों में बढ़े सभी की सहभागिता- भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री श्री हितानंद जी ने बैठकों को संबोधित करते हुए कहा कि कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों के साथ संपर्क और संवाद बढ़ाने के लिए टिफिन पार्टी अच्छा माध्यम हो सकता है। इस दौरान विचारों का आदान-प्रदान करें तथा कार्यकर्ताओं को संगठनात्मक गतिविधियों से जोड़ने का प्रयास करें। इससे संगठन के कार्यों में सभी की सहभागिता बढ़ेगी। श्री हितानंद जी ने कहा कि बूथ स्तर पर हर महीने में एक बार किसी भी स्थान का चयन करके वहां चाय आयोजित की जा सकती है, जिसके दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं मेल-जोल हो सकता हे। इस तरह के आयोजन किसी कार्यकर्ता के निवास पर भी हो सकते हैं, जहां संबंधित कार्यकर्ता के परिजनों से भेंटकर उन्हें संगठनात्मक गतिविधियों की जानकारी देते हुए पार्टी के काम से जोड़ा जा सकता है।